खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 19°C
न्यूनतम: 07°C

हल्द्वानी, शुक्रवार 6 फरवरी 2026 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 162 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com फाल्गुन कृष्ण पक्ष 3 विक्रमी सम्वत् 2082 17 शाबान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

असमानता व असहिष्णुता को बढ़ावा दे रही है भाजपा : खड़गे पेज 2

पाकिस्तान नहीं खेलेगा भारत के साथ टी-20 मैच: शहबाज शरीफ खेल टाइम्स

नेपाल : मधेश के हाथ में होगी सत्ता की चाबी सम्पादकीय

भारत किसी से भी तेल खरीदने के लिए आजाद: रूस पेज 12

प्रधानमंत्री के साथ कुछ भी हो सकता था: लोकसभा स्पीकर

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि बुधवार को लोकसभा में पीएम मोदी के साथ अप्रत्याशित घटना हो सकती थी। इसलिए उनकी बुधवार शाम 5 बजे होने वाली स्पीच टालनी पड़ी। आशंका के चलते मैंने ही उनसे न आने का आग्रह किया था।

बुधवार को पीएम की स्पीच के दौरान कांग्रेस लोकसभा में उन पर हमला करने की योजना बना रही थी, इसी आशंका के चलते स्पीकर ने सदन स्थगित करने का फैसला लिया। दरअसल, पीएम मोदी 5 फरवरी को लोकसभा में शाम 5 बजे धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने वाले थे, लेकिन विपक्ष की महिला सांसदों के हंगामे के चलते स्पीकर संध्या राय ने कार्यवाही अगले दिन तक स्थगित कर दी। इससे पीएम नरेंद्र मोदी का संबोधन भी टल गया था। वहीं, धन्यवाद प्रस्ताव को हंगामे के बीच गुरुवार को पास कराया गया। 2004 के बाद पहली बार यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना पास हुआ है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय में जो हुआ, वह सदन के इतिहास में कभी नहीं हुआ। जब सदन के नेता पीएम मोदी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जवाब देना था, तो विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री की सीट के पास पहुंचकर कोई अप्रत्याशित घटना कर सकते थे। बिरला ने विपक्षी सांसदों से कहा कि आप पोस्टर लेकर आएंगे, तो सदन नहीं चलेगा। जिस तरह से महिला सदस्य पीएम की सीट तक पहुंची, उसे देश ने देखा। ये उचित नहीं था। ये सदन की गरिमा के अनुकूल भी नहीं था। इस बीच विपक्ष के सांसद हंगामा कर रहे थे, इसको देखते हुए स्पीकर ओम बिरला ने लोकसभा की कार्रवाई शुक्रवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी। बुधवार को शाम 5 बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई, तब विपक्ष की महिला सांसदों ने सत्ताधारी नेताओं की कुर्सियां घेर लीं। इनमें पीएम मोदी की कुर्सी भी थी। महिला सांसदों के हाथ में बड़े बैनर थे, जिन पर लिखा था- जो सही है, वो करो। ये सांसद मंगलवार को हंगामे के बाद 8 विपक्षी सांसदों के निलंबन का विरोध कर रही थीं। हंगामे के चलते स्पीकर ने कार्यवाही स्थगित कर दी। कुछ मंत्रियों ने विपक्षी सांसदों से जाने को कहा, इसके बाद उन्होंने घेराव बंद किया।

ओम बिरला बोले-इसलिए मैंने लोकसभा में उनकी स्पीच टाली

दावा: कांग्रेस ने हमले की प्लानिंग की थी

कांग्रेस ने पीएम पर हमला करने की योजना बनाई थी। प्रधानमंत्री सदन में मौजूद थे और जवाब देने के लिए भी आने वाले थे। इस दौरान स्पीकर को कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री पर हमला किए जाने की योजना की जानकारी मिली थी। साथ ही कांग्रेस ने महिला सांसदों को ढाल के तौर पर आगे किया था। इसी वजह से सदन को स्थगित करने का फैसला लिया गया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के ऑफिस में बुधवार को विपक्ष और भाजपा सांसदों के बीच भी बहस हुई थी। ऑफिस का जो वीडियो सामने आया है, इसमें विपक्ष की महिला सांसद केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू से कुछ कहती नजर आ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीएम की कुर्सी का घेराव करने वालों में विपक्षी सांसद वर्षा गायकवाड़ और ज्योतिमणि भी शामिल थीं।

यूपी में गुमशुदा लोगों की तलाश में नाकामी पर हाईकोर्ट सख्त

लखनऊ। उप्र में गुमशुदा लोगों की तलाश मामले में अफसरों के सुस्त रवैये पर हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से पेश किए गए ब्योरे को देखकर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक से निजी हलफनामे पर जवाब मांगा है।

- कहा: एसीएस गृह और डीजीपी हाजिर हों, होगा जवाब-तलब

कोर्ट ने कहा कि अगली सुनवाई पर यह दोनों अफसर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये अदालत के समक्ष पेश होंगे। उनसे पूछा है कि गुमशुदा लोगों की तलाश के लिए क्या प्रक्रिया अपनाते हैं और दो साल में एक लाख गुम लोगों की तलाश में नाकामी की क्या वजह है। इसके लिए अगर कोई कार्यप्रणाली नहीं है, तो इसके लिए एसओपी बनाई जाए। खंडपीठ ने गुरुवार को यह आदेश राजधानी के चिनहट निवासी विक्रमा प्रसाद की याचिका पर दिया। याची ने जुलाई 2024 में गुम हुए अपने 32 साल के पुत्र की तलाश के निर्देश पुलिस को देने का आग्रह किया था।

संक्षिप्त समाचार

धर्मशाला में जन्मी तिब्बती महिला भारतीय नागरिक घोषित

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जन्म के आधार पर नागरिकता की संवैधानिक गारंटी को बरकरार रखते हुए एक महत्वपूर्ण फैसले में 1966 में धर्मशाला में जन्मी तिब्बती मूल की महिला को भारतीय नागरिक घोषित किया है। न्यायालय ने अधिकारियों को उसे तुरंत भारतीय पासपोर्ट जारी करने का निर्देश भी दिया है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की एकल पीठ ने दो फरवरी को यांगचेन द्राकमार्ग्यापोन की एक रिट याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि उनका मामला नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 3(1)(क) के दायरे में आता है। यह कानून 26 जनवरी 1950 से एक जुलाई 1987 के बीच भारत में जन्मे हर व्यक्ति को जन्म के आधार पर भारतीय नागरिकता प्रदान करता है।

बिहार चुनाव को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंची जन सुराज पार्टी

नई दिल्ली। पूर्व राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों में 'बड़े पैमाने पर अनियमितताओं' का आरोप लगाते हुए चुनाव को चुनौती दी है और पुन: चुनाव करवाने का आग्रह करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर की गई याचिका में बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया है कि आचार संहिता लागू होने के बाद मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत महिला मतदाताओं के बैंक खातों में 10,000 रुपये डाले गए और इस योजना में नए लाभार्थियों के नाम भी जोड़े गए थे।

अल-फलाह विवि चेयरमैन चार दिन की पुलिस हिरासत में

नई दिल्ली। एक निचली अदालत ने विवादों में घिरे अल-फलाह विश्वविद्यालय के चेयरमैन जावेद अहमद सिद्दीकी को कथित धोखाधड़ी और वित्तीय कदाचार के मामले में चार दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है। सिद्दीकी को दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे आगे की पूछताछ के लिए चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। यह कार्रवाई यूजीसी द्वारा दर्ज कराई गई औपचारिक शिकायतों के बाद शुरू की गई है।

पीएम ने विपक्ष पर साधा निशाना

मोदी ने कहा: कितने ही नारे लगा लो कब्र नहीं खोद पाओगे

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दौरान राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जवाब दिया। विपक्ष की ओर से जोरदार नारेबाजी के बीच उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि धन्यवाद प्रस्ताव पर समर्थन के लिए इस सदन में अपनी भावनाओं को व्यक्त करना मैं अपना सौभाग्य मानता हूं। देश आज तेज प्रगति कर रहा है।

मोदी ने कहा कि ये कौन सी मोहब्बत की दुकान है, जो मोदी की कब्र खोदने की बात करते हैं। क्या ये सार्वजनिक जीवन की मर्यादा का अपमान नहीं है, विपक्ष की नारेबाजी पर उन्होंने कहा कि कितने ही नारे लगा लो, कब्र नहीं खोंद पाओगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग थक गए, बेचारे चले गए, लेकिन इनको जवाब देना पड़ेगा कि देश की ऐसी हालत कैसे बना रखी थी कि दुनिया का कोई भी देश हमसे समझौता करने नहीं आना चाहता था। आपने कोशिश की होगी, लेकिन कोई आपके साथ नहीं आना चाहता था। दुनिया के देश अब भारत के साथ ऐसे ही समझौते नहीं कर रहे हैं। इसके पीछे एक वजह यह है कि एक विकसित देश विकासशील देश के साथ समझौता करता है तो उसे बड़ा बाजार मिलता है। मेरे लिए यह नई बात नहीं है। जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन करता था। तब इस वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन में राज्य का एक साझेदार देश जापान हुआ करता था। यह राज्य के लिए एक गर्व की बात थी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि हमारी काफी शक्ति उनकी की हुई गलतियों को ठीक करने में जा रही है। दुनिया के मन में उनके समय की जो छवि है, उसको धोने में मेरी ताकत लगती है। इस काम के लिए हमने भविष्य के लिए तैयार नीति पर बल दिया है। देश नीति के आधार पर चल रहा है। विश्व का विश्वास बन रहा है। हमने सुधार (रिफॉर्म), प्रदर्शन (परफॉर्म) और बदलाव (ट्रांसफॉर्म) पर जोर दिया और आज देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार हो चुका है। हम सबके लिए प्रेरणादायी है। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की उम्र को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मेरी एक प्रार्थना है। आदरणीय खड़गे जी की उम्र को देखते हुए, अगर वे बैठकर भी नारे लगाना चाहें तो लगा सकते हैं। पीछे कई सारे युवा नेता हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में देश के मध्यम वर्ग, निम्न-मध्यम वर्ग, गरीब, गांव, किसान, महिलाएं, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, बहुत ही विस्तार से भारत के प्रगति का एक स्वर संसद में गूंजा है। देश के नौजवान भारत के सामर्थ्य को कैसे आगे बढ़ा रहे हैं, इस पर भी विस्तार से चर्चा की गई है। राष्ट्रपति ने भारत के उज्ज्वल भविष्य के प्रति भी भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि देश का हर व्यक्ति यह महसूस कर रहा है कि एक अहम पड़ाव पर हम पहुंच चुके हैं। न हमें रुकना है, न हमें पीछे मुड़कर देखना है। हम आगे ही आगे देखना है और लक्ष्य को प्राप्त करके ही हमें सांस लेनी है। उस दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत के भाग्य के लिए अनेक संयोग एक साथ हमें नसीब हुए हैं। ये अपने आप में बहुत ही उत्तम संयोग है। सबसे बड़ी बात है कि विश्व के समृद्ध से समृद्ध देश भी बुजुर्ग होते जा रहे हैं।

रोज दो किलो गाली खाता हूं, मोहब्बत की दुकान वाले मोदी तेरी कब्र खुदेगी के नारे लगा रहे, जो लोग थक गए, बेचारे चले गए, इनको जवाब देना पड़ेगा

देश की ऐसी हालत कैसे बना रखी थी दुनिया का कोई भी देश हमसे समझौता करने नहीं आना चाहता था, कोई आपके साथ नहीं आना चाहता था

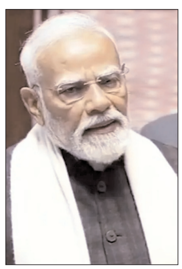

2004 के बाद पहली बार लोकसभा में पीएम की स्पीच के बिना धन्यवाद प्रस्ताव पास

नई दिल्ली। बजट सत्र के 7वें दिन लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव हंगामे के बीच पास हो गया। 2004 के बाद पहली बार यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना पास हुआ है। इससे पहले 10 जून 2004 को विपक्ष ने तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह को धन्यवाद प्रस्ताव पर नहीं बोलने दिया था। गुरुवार को लोकसभा शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी की। इस पर स्पीकर ने पहली बार 65 सेकंड के भीतर, दूसरी बार 5 मिनट में, तीसरी और चौथी बार 2-2 मिनट में कार्यवाही स्थगित कर दी। 3 बजे हंगामे के बाद लोकसभा शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं कांग्रेस के लोकसभा से निलंबित सांसद मणिकम टैगोर ने कहा था कि जब तक लोकसभा में राहुल गांधी को अपनी बात रखने की इजाजत नहीं दी जाती, तब तक विपक्ष पीएम नरेंद्र मोदी को सदन में बोलने नहीं देगा।

उप्र में चाइनीज मांझे से मौत को माना जाएगा हत्या

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। सीएम योगी ने कहा कि अब से चाइनीज मांझे से मौत होने को हत्या माना जाएगा। इसका इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें जेल भेजा जाएगा। सीएम योगी ने चाइनीज मांझे की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए यूपी पुलिस को सघनता से अभियान चलाने का निर्देश दे दिया है।

लखनऊ में चाइनीज मांझे की चपेट में आने से एक युवक की मौत के बाद सीएम योगी ने बेहद सख्त फैसले लिए हैं। सीएम योगी ने अधिकारियों को इस पर तुरंत रोक लगाने का निर्देश दिया। सीएम योगी ने सख्त लहजे में कहा है कि चाइनीज मांझे की बिक्री किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चाइनीज मांझे की सप्लाई करने वाले अवैध नेटवर्क की पहचान करने और उन्हें खत्म करने का आदेश अधिकारियों को दिया है। लखनऊ हादसे और सीएम योगी के निर्देश के बाद यूपी पुलिस भी एक्टिव हो गई है। लखनऊ समेत प्रदेश के कई जिलों में चाइनीज मांझा बेचने वालों की पहचान करने के लिए छापेमारी की गई है। लखनऊ में चार फरवरी को मोहम्मद शोएब नाम के एक युवक की चाइनीज मांझे से गर्दन कटने के चलते मौत हो गई।, वह बाइक से जा रहे थे। इस दौरान उनके गले में चाइनीज मांझा फंस गया और उनकी गर्दन कट गई। वह बाइक समेत नीचे गिर पड़े। खून से लथपथ वह तकरीबन 10 मिनट तक तड़पते रहे। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। इस बीच इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई।

- मुख्यमंत्री योगी का रुख सख्त
- राज्य में चाइनीज मांझे के इस्तेमाल और बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगाई

चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव ने किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली। एक्टर राजपाल यादव ने गुरुवार को तिहाड़ जेल अधिकारियों के सामने सरेंडर कर दिया है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने चेक बाउंस केस में उनकी सजा के सिलसिले में समय सीमा बढ़ाने से इन्कार कर दिया था। साथ ही उन्हें तिहाड़ जेल में सरेंडर का आदेश दिया था। जेल के एक सूत्र ने बताया कि राजपाल यादव ने गुरुवार को शाम 4 बजे जेल अधिकारियों के सामने सरेंडर कर दिया। अब जेल अधिकारी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर का पालन करेंगे। बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने बीते दिन बुधवार को राजपाल यादव को जेल अधिकारियों के सामने सरेंडर करने के लिए दी गई समय सीमा बढ़ाने से इन्कार कर दिया था।

- दिल्ली हाईकोर्ट ने राहत देने से कर दिया था इन्कार

मेघालय में अवैध कोयला खदान में धमाका, 16 की मौत

शिलांग। मेघालय के ईस्ट जैंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को अवैध कोयला खदान में धमाका हो गया। हादसे में कम से कम 16 मजदूरों की मौत हो गई। कई मजदूरों के अब भी खदान में फंसे होने की आशंका है। यह जानकारी राज्य की पुलिस महानिदेशक आई. नोंग्रांग ने दी। बचाव दल राहत और खोज अभियान में लगे हुए हैं। यह हादसा सुबह थांग्स्कु इलाके में हुआ। नोंग्रांग ने कहा कि अब तक 16 शव बरामद किए जा चुके हैं।

तेल खरीद पर भारत के रवैये में बदलाव नहीं

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत ने रूस और वेनेजुएला से तेल खरीद को लेकर चल रही तमाम अटकलबाजियों के बीच गुरुवार को स्पष्ट किया कि देशवासियों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और बाजार परिस्थितियों तथा बदलते अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों को ध्यान में रखकर ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना उसकी रणनीति का हिस्सा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां साप्ताहिक ब्रीफिंग में रूस और वेनेजुएला से तेल की खरीद के संबंध में स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत के पहले के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और वह अपने लोगों के हित में पहले की तरह की कदम उठाता रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने कई अवसरों पर सार्वजनिक रूप से कहा है कि 1.4 अरब भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए बाजार परिस्थितियों और बदलते अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाना हमारी रणनीति का मूल आधार है। भारत के सभी कदम इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर उठाए गए हैं और आगे भी लिए जाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जहां तक वेनेजुएला का सवाल है वह ऊर्जा क्षेत्र में लंबे समय से भारत का साझेदार रहा है व्यापार के स्तर पर भी और निवेश के स्तर पर भी। उन्होंने कहा कि हम 2019-20 तक वेनेजुएला से ऊर्जा और कच्चा तेल आयात कर रहे थे, जिसके बाद हमें इसे रोकना पड़ा। इसके बाद 2023-24 में हमने फिर से वेनेजुएला से तेल खरीदना शुरू किया, लेकिन प्रतिबंध दोबारा लगाए जाने के बाद हमें इसे फिर से रोकना पड़ा। प्रवक्ता ने कहा कि भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों की वेनेजुएला की राष्ट्रीय तेल कंपनी के साथ साझेदारी रही है और भारत की वहां 2008 से मौजूदगी बनी हुई है।

- स्रोतों में विविधता से ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना पहली प्राथमिकता: विदेश मंत्रालय
- रूस और वेनेजुएला से तेल की खरीद के संबंध में स्थिति स्पष्ट की

ईरान में हिरासत में लिए गए 16 में से 8 भारतीय नाविक रिहा : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। ईरान में हिरासत में लिए गए 16 भारतीय नाविकों में से आठ को रिहा कर दिया गया है और उनके स्वदेश लौटने की प्रक्रिया चल रही है, जबकि शेष नाविकों के संबंध में भारतीय दूतावास के अधिकारी ईरानी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि हमें ईरान में 16 नाविकों तक कांसुलर पहुंच मिली है। बंदर अब्बास में हमारे अधिकारियों ने उनसे मुलाकात की है। ईरानी अधिकारियों के अनुसार इन 16 में से आठ को रिहा कर दिया गया है और वे भारत लौट रहे हैं। शेष आठ नाविकों के मामले में हम ईरानी अधिकारियों के संपर्क में हैं और उन्हें समुचित सहायता देने के तरीकों पर काम कर रहे हैं।

UPSC सेवा में रहते हुए बार बार परीक्षा देने का रास्ता बंद

नई दिल्ली। संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2026 का नोटिफिकेशन जारी किया है। आयोग ने इस बार 933 पदों के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किया है।

आवेदन की आखिरी तारीख 24 फरवरी है। परीक्षा केंद्र में फेस आथेंटिकेशन के बाद ही एंट्री दी जाएगी। इस बार प्रयास और पात्रता से जुड़े नियमों में भी बड़ा बदलाव किया गया है। इसके मुताबिक अब सिलेक्शन के बाद दोबारा परीक्षा देने की आजादी पहले जैसी नहीं रहेगी। नए प्रावधानों में सेवा में रहते हुए बार-बार परीक्षा देने का रास्ता बंद कर दिया गया है। वहीं, आईएएस और आईएफएस को लेकर पुराने नियम जस के तस रखे गए हैं। चयनित अफसर को एक बार परफॉर्मेंस बेहतर करने का मौका मिलेगा। जैसे किसी का 2026 में आईपीएस में सिलेक्शन हुआ, तो वह 2027 में परफॉर्मेंस बेहतर करने की परीक्षा देने का पात्र होगा। उसके बाद अगर वह परीक्षा देना चाहता है, तो उसे सेवा से इस्तीफा देना होगा। पहले से आईपीएस में चयनित या नियुक्त उम्मीदवार सीएसई 2026 से दोबारा आईपीएस नहीं पा सकेंगे। वहीं प्रीलिम्स के बाद, लेकिन मेन्स से पहले अगर आईएएस या आईएफएस बनते हैं, तो मेन्स लिखने की अनुमति नहीं मिलेगी।

- रैंक सुधारने का मौका सिर्फ एक बार, नए नियम 2026 से लागू

CMYK

संक्षिप्त समाचार

पदाधिकारियों का निलंबन लोकतंत्र पर हमला: एनएसयूआई

नई दिल्ली। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पदाधिकारियों के निलंबन को छात्र लोकतंत्र पर सीधा हमला करार दिया है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा कि यह कार्रवाई जेएनयू के करीब 8,000 छात्रों के जनादेश का अपमान है, जिन्होंने अपने प्रतिनिधियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुना है। चौधरी ने आरोप लगाया कि जब 'सरकारी' छात्र संगठन चुनाव जीतने में असफल रहता है, तब सरकार और प्रशासन विरोधी छात्र संगठनों की आवाज दबाने के लिए निलंबन, जुर्माने और डराने-धमकाने जैसे हथकंडे अपनाते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय पुस्तकालय में कथित अनधिकृत बायोमेट्रिक निगरानी के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करने पर पदाधिकारियों को दंडित करना एक खतरनाक तानाशाही मानसिकता को दर्शाता है।

इंडिगो के खिलाफ करेंगे सीसीआई के महानिदेशक जांच

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने दिसम्बर 2025 में बड़ी संख्या में उड़ानों में व्यवधान के लिए इंडिगो को प्रथमदृष्टया नियमों के उल्लंघन का दोषी मानते हुए आयोग के महानिदेशक को उसके खिलाफ जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। इंडिगो ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि सीसीआई ने चार फरवरी के आदेश में उसके खिलाफ जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। सीसीआई के आदेश में कहा गया है कि जिन यात्रियों ने इंडिगो की उड़ानों के टिकट बुक कराए थे, उनके पास अंतिम समय में उड़ान रद्द होने की सच्चाई स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

अखिलेश ने ईसी और भाजपा पर साधा निशाना

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ भाजपाइयों के घरों पर अपना झंडा लगाने के साथ उनके घरों को बूथ बना दे चुनाव आयोग

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर चुनाव आयोग और भाजपा पर निशाना साधा है।

अखिलेश यादव ने चुनावी प्रक्रिया को लेकर कड़ा बयान देते हुए कहा कि आज हालात ऐसे बना दिए गए हैं, मानो भारत निर्वाचन आयोग और भाजपा के बीच कोई फर्क ही न रह गया हो। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब तो ऐसा लगता है जैसे चुनाव आयोग का झंडा भाजपाइयों को पीठासीन अधिकारी बनाने के साथ उनके घरों पर लगा दिया जाए और बूथ भी वहीं बना दिए जाएं। गुरुवार को सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने पूछा क्या चुनाव आयोग ने भाजपा को ठेके पर अपना काम दे दिया है या भाजपा ने चुनाव आयोग को संविदा पर रख लिया है। प्रशासनिक पर्यायवाची कोश में 'चुनाव आयोग' को 'भाजपा' के पर्यायवाची के रूप में जोड़ देना चाहिए। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि मौजूदा शासनकाल में सरेआम वोट काटने-बढ़ाने जैसी गतिविधियां हो रही हैं, लेकिन संवैधानिक संस्थाएं आंख मूंदे बैठी हैं। आज जो लोग वोट छीन रहे हैं, वे कल जनता के बाकी अधिकार भी छीनेंगे।

आसाराम के अहमदाबाद आश्रम पर चलेगा बुलडोजर

अहमदाबाद। गुजरात हाई कोर्ट ने अहमदाबाद के मोटेरा इलाके में आसाराम आश्रम की 45,000 स्क्वायर मीटर से ज़्यादा पब्लिक जमीन पर राज्य सरकार के अधिकार को बरकरार रखा है। कोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले ने लंबे समय से चल रही कानूनी उलझन को खत्म कर दिया है और शहर के भविष्य के खेल और शहरी विकास का रास्ता साफ कर दिया है। वर्तमान में इस जमीन की मार्केट वैल्यू 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की है। अब इस पर बुलडोजर चलाया जाएगा। यह विवादित जमीन मोटेरा जैसे बहुत ही अहम इलाके में है, जो नरेंद्र मोदी स्टेडियम और सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बगल में है। अहमदाबाद कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 और भविष्य में होने वाले ओलंपिक्स की तैयारी कर रहा है।

असमानता, असहिष्णुता को बढ़ावा दे रही है भाजपा: खड़गे

नई दिल्ली, वार्ता

■ एक फीसदी लोगों के पास देश की 40 प्रतिशत सम्पत्ति सिमटी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों में असहिष्णुता तेजी से बढ़ रही है और भाजपा आरएसएस असमानता को बढ़ावा दे रहे हैं। खड़गे ने कहा कि कि देश में असमानता लगातार बढ़ रही है और केवल एक फीसदी लोगों के पास देश की 40 प्रतिशत संपत्ति सिमट कर रह गई है। राज्यपाल केंद्र सरकार की एजेंट बनकर काम कर रहे हैं और जिन राज्यों में भाजपा का शासन है वहां असहिष्णुता तेजी से फैल रही है।

खड़गे ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर उत्तराखंड की एक घटना का उदाहरण देते हुए कहा कि उत्तराखंड की भाजपा सरकार ने एक युवक 'मोहम्मद दीपक' पर मुकदमा दर्ज किया। जो सद्भावना की रक्षा के लिए खड़ा हुआ था। अगर रक्षक ही भक्षक बन जाएगा, तो आम आदमी रक्षा के लिए कहां जाएगा। जो शख्स झगड़ा सुलझाने के लिए जाता है, भाजपा के लोग उसी को धमकाते और मारते हैं। इसीलिए मैं कहता हूं भाजपा के पास सहिष्णुता नहीं है। उन्होंने कहा कि गैर राजग शासन वाले राज्यों में राजभवन भाजपा आरएसएस के दफ्तर बन गए हैं। राज्यपाल केंद्र सरकार के एजेंट की तरह काम करते हैं। कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल, हर जगह राज्यपालों ने कैबिनेट से पारित भाषणों से इंकार किया और विधेयकों को रोकने जैसे कदम उठाए। श्री खड़गे ने कहा कि भाजपा आरएसएस के मन में बराबरी की बात कभी नहीं रही है। उनकी सोच अमीरों को और अमीर बनाना और गरीबों को और गरीब बनाना है। उन्होंने वैश्विक असमानता रिपोर्ट 2026 का हवाला दिया, जिसके अनुसार भारत में टॉप एक प्रतिशत लोगों के पास देश की लगभग 40 प्रतिशत कुल संपति सिमटी चुकी है, टॉप 10 प्रतिशत दो-तिहाई यानी 65 प्रतिशत हाउसहोल्ड एसेट के मालिक हैं, आय के स्तर पर भी टॉप 10 प्रतिशत अकेले 58 प्रतिशत राष्ट्रीय आय ले जा रहा है, जबकि सबसे नीचे के स्तर 50 प्रतिशत को सिर्फ 15 प्रतिशत पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि आपकी विकास की सोच पसंदीदा, चुनिंदा पूंजीपतियों के लिए है। मेहनतकश लोगों की दिक्कतों से आपका कोई मतलब नहीं। यही आपका विकसित भारत है। नौजवानों की पीड़ा से इस सरकार को कोई मतलब नहीं।

यूपी में कृषि ऋण स्वीकृति प्रक्रिया पूरी तरह से बदली: योगी

किसानों को अब पांच मिनट में ई-केसीसी से ऋण

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ 2026-27 के लिए कृषि ऋण लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये तय किया गया, सरकार और किसान कर रहे हैं एआई का प्रयोग

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस के कारण उत्तर प्रदेश में कृषि ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी तरह बदल गई है। पहले किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से ऋण पाने में 25 दिन से एक महीने तक का समय लगता था, लेकिन अब ई-केसीसी के जरिए किसान मात्र पांच मिनट में ऋण सुविधा प्राप्त कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री गुरुवार को लोकभवन में आयोजित राज्य ऋण संगोष्ठी एवं राज्य फोकस पेपर 2026-27 के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए प्रदेश का कृषि ऋण लक्ष्य 3 लाख करोड़ रुपये तय किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है। योगी ने कहा कि आज सरकार और किसान मिलकर खेती में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से केंद्रीय बजट में एआई एग्रीकल्चर प्लेटफॉर्म की घोषणा की गई है और उत्तर प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कई फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन (एफपीओ) को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों द्वारा संचालित कसया मिल्क प्रोड्यूसर एफपीओ (1005 सदस्य) और मथुरा की 750 महिलाओं वाली सरसों उत्पादक कंपनी पूरे प्रदेश के लिए रोल मॉडल हैं। महिलाओं ने प्रोसेसिग और वैल्यू एडिशन के जरिए बेहतर मुनाफा कमाया है। सरकार ऐसे प्रयासों को हर स्तर पर सहयोग देगी।

योगी ने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' के विजन के तहत सहकारिता क्षेत्र में डिजिटलीकरण से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। उन्होंने बताया कि 2017 से पहले बंद होने की कगार पर खड़े 16 जिला सहकारी बैंकों में से 15 आज मुनाफे में हैं। एमएसएमई सेक्टर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडीओपी (एक जिला-एक उत्पाद) योजना ने उत्तर प्रदेश को नई पहचान दी है। आज प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई यूनिट्स कार्यरत हैं और लगभग 3 करोड़ परिवार इससे जुड़े हैं। निर्यात 84 हजार करोड़ से बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। योगी ने कहा कि वर्ष 2000 से 2017 के बीच 17 वर्षों में गन्ना किसानों को 2.14 लाख करोड़ का भुगतान हुआ, जबकि बीते 9 वर्षों में ही 3 लाख करोड़ का भुगतान किया गया है।

2017 के बाद गन्ना किसानों को तीन लाख करोड़ का भुगतान: सीएम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में गन्ना किसानों की स्थिति में ऐतिहासिक सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2000 से 2017 के बीच 17 वर्षों में गन्ना किसानों को कुल 2.14 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जबकि वर्ष 2017 से 2025 के बीच केवल 8.9 वर्षों में 3 लाख करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में भेजे गए हैं। मुख्यमंत्री यह बातें राज्य ऋण संगोष्ठी एवं राज्य फोकस पेपर 2026-27 के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आधे समय से भी कम अवधि में पिछली सरकारों की तुलना में 86 हजार करोड़ रुपये अधिक भुगतान गन्ना किसानों को किया गया है। योगी ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश सरकार गन्ना किसानों को 400 रुपये प्रति क्विटल का भुगतान कर रही है। यह सरकार की किसान हितैषी नीतियों और ठोस निर्णयों का परिणाम है, जिससे अन्नदाता किसानों को सीधा लाभ मिला है।

उत्तर मध्य भारत में कोहरा व बारिश का अनुमान

नई दिल्ली, वार्ता

■ 8.2 डिग्री सेल्सियस के साथ दिल्ली को सबसे ठंडा बताया गया

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तापमान गिरने के बीच गुरुवार को दिल्ली में दृश्यता में सुधार हुआ। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पालम को 8.2 डिग्री सेल्सियस के साथ दिल्ली में सबसे ठंडा जगह बताया और चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में कई पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर और मध्य भारत में कोहरा, बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

दिल्ली के बेस स्टेशन सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि आया नगर में 9.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। सुबह तड़के पालम में न्यूनतम दृश्यता 1,100 मीटर दर्ज की गई। मौसम विज्ञान ने कहा कि दो पश्चिमी विक्षोभों के पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करने का अनुमान है, जिससे पांच-छह फरवरी और फिर नौ-दस फरवरी को छिटपुट बारिश और हिमपात हो सकता है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों और पश्चिम मध्य प्रदेश के अलग- अलग स्थानों पर सुबह और रात के समय घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति छह फरवरी तक बने रहने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश में सात फरवरी तक घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है, जबकि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तरपूर्वी राजस्थान, उप-हिमालई पश्चिम बंगाल और सिक्किम, झारखंड और मेघालय में अगले कुछ दिनों तक कोहरे की स्थिति बनी रह सकती है।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 83313.93
निफ्टी 25642.80

सोना 154570
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार | देश

चांदी रु. 300000
प्रति किलो

शेयर बाजारों में गिरावट सेंसेक्स 504 अंक लुढ़का

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को चौतरफा बिकवाली रही और बीएसई का सेंसेक्स 503.76 अंक (0.60 प्रतिशत) टूटकर 83,313.93 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 133.20 अंक यानी 0.52 प्रतिशत फिसलकर 25,642.80 अंक पर आ गया। तीन दिन की तेजी के बाद बाजार में बिकवाली हावी रही है। मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांक भी गिरावट में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.22 प्रतिशत और स्मॉलकैप.100 सूचकांक 0.28 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। धातु, ऑटो, आईटी, निजी बैंकों, रियलटी, एफएमसीजी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रसायन समूहों के सूचकांक लाल निशान में रहे। सार्वजनिक बैंकों और स्वास्थ्य समूहों के सूचकांक बढ़त में रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में इटरनल का शेयर ढाई प्रतिशत टूट गया। भारती एयरटेल, बीईएल, आईटीसी और इंफोसिस में एक से दो प्रतिशत की गिरावट रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, टाइटन, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, हिदुस्तान यूनीलिवर, एलएंडटी, बजाज फिनसर्व, इंडिगो, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी लाल निशान में रहे। ट्रेंट का शेयर करीब तीन प्रतिशत और टाटा स्टील का एक प्रतिशत से अधिक चढ़ा। भारतीय स्टेट बैंक का शेयर भी हरे निशान में रहा।

सोना और चांदी की चमक फीकी पड़ी

नई दिल्ली। सोने की चमक लगातार दो दिनों की तेजी के बाद गुरुवार को फीकी पड़ी और चांदी भी आज सस्ती हुई है। आज 24 कैरट वाला सोना प्रति दस ग्राम 5020 और 22 कैरट की शुद्धता वाला सोना 4600 सस्ता हुआ है। अब चांदी की बात करें, तो एक किलो चांदी भी दिल्ली में आज सस्ती हुई है।

आज प्रति किग्रा यह 20,000 गिरी है। दिल्ली में आज 24 कैरट वाला सोना 1,54,570, 22 कैरट वाला सोना 1,41,700 और 18 कैरट वाला सोने की कीमत 1,15,970 रुपये प्रति 10 ग्राम है। मुंबई में 24 कैरट वाला सोना 1,54,420, कोलकाता में 1,54,420 , चेन्नई में 1,56,220, बेंगलुरु में 1,54,420 , हैदराबाद में 1,54,420 , लखनऊ में 1,54,570, पटना में 1,54,470, जयपुर में 1,54,570 और अहमदाबाद में 1,54,470 रुपये प्रति 10 ग्राम है। दिल्ली में चांदी फिसलकर आज 3,00,000 प्रति किलो के भाव में बिक रही है। बाकी अहम महानगरों की बात करें तो मुंबई और कोलकाता में भी यह इसी भाव पर बिक रही है, लेकिन चेन्नई में इसका भाव प्रति किग्रा 2,99,900 है यानी कि चारों महानगरों में सबसे महंगी चांदी चेन्नई में ही बिक रही है। एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट-रिसर्च एनालिस्ट (कमोडिटी और करेंसी) जतिन त्रिवेदी के मुताबिक रिकॉर्ड हाई से आई गिरावट, मार्जिन में बढ़ोतरी और मुनाफावसूली के चलते बाजार में फिलहाल काफी वोलैटिलिटी बनी हुई है। कमोडिटी एक्सपर्ट एनएस रामास्वामी के मुताबिक सोना और चांदी में आई हालिया गिरावट जरूरत से ज्यादा तेजी के बाद एक नेचुरल शशेकआउटश रही। उनका कहना है कि डक्ललर में मजबूती ने कुछ बिकवाली को जरूर ट्रिगर किया।

चावल, गेहूं सस्ता, दालें चीनी महंगी, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल के औसत भाव घट गए। चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही। वहीं चीनी और दालों में तेजी रही, जबकि खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत दो रुपये घटकर 3,864 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं भी चार रुपये सस्ता हुआ और 2,871 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। वहीं आटा 11 रुपये महंगा हुआ। दाल- दलहनों में तेजी रही। तुअर दाल की औसत कीमत 53 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मूंग दाल में 50 रुपये और मसूर दाल में 38 रुपये की तेजी रही। उड़द दाल 34 रुपये और चना दाल 12 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा 17 रिंगिट टूटकर 4,208 रिंगिट प्रति टन रह गया। अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा भी 0.23 प्रतिशत की गिरावट में 55.49 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सोया तेल औसतन 35 रुपये और पाम ऑयल 21 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सरसों तेल की कीमत 20 रुपये और मूंगफली तेल की 10 रुपये गिर गई। वहीं वनस्पति 32 रुपये और सूरजमुखी तेल 21 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। चीनी भी 13 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीज़ादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
— HEALTH WITH CARE —
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

देश में बनेगा उभयचर विमान एल्बेट्रोस 2-0 का पिछला हिस्सा

नई दिल्ली। पानी और जमीन दोनों पर उतरने में सक्षम उभयचर विमान बनाने में विशेषज्ञता रखने वाली ऑस्ट्रेलियाई कंपनी एंफीबियन एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (एएआई) ने भारत में अपने एल्बेट्रोस 2-0 विमानों के एक हिस्से के निर्माण के लिए भारतीय कंपनी एपोजी एयरोस्पेस के साथ करार किया है।

साथ ही एएआई ने इन विमानों के रक्षा और सरकारी ग्राहकों को विमानों की बिक्री के लिए एपोजी एयरोस्पेस को भारतीय उपमहाद्वीप में अपना प्राधिकृत प्रतिनिधि सहयोगी भी घोषित किया है। इसके अलावा एल्बेट्रोस विमानों के लिए रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉलिग (एमआरओ) सुविधा देने के लिए भी प्राधिकृत किया गया है। दोनों कंपनियों द्वारा गुरुवार को आयोजित संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एपोजी एयरोस्पेस एल्बेट्रोस 2-0 विमान के लिए टेल सेक्शन (पिछले हिस्से) का निर्माण करेगी। एएआई की प्रवर्तक कंपनी एंफीबियन एयरक्राफ्ट होल्डिंग्स (एएएच) के संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष ख्वा होंग ने कहा कि भविष्य में देश में असेम्बली लाइन लगाने की भी उनकी योजना है। उन्होंने कहा कि देश में उभयचर विमानों के लिए काफी बड़ा बाजार है। कंपनी ने एल्बेट्रोस 2-0 के तीन संस्करण लॉन्च किए हैं - सैन्य, सरकारी और वाणिज्यिक। एएएच के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोपी रेड्डी ने बताया कि भारतीय नौ सेना ने चार उभयचर विमानों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं और कंपनी को विश्वास है कि उसे इसका ऑर्डर मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना को तत्काल 25-30 उभयचर विमानों की जरूरत है। रेड्डी ने कहा कि पहले चरण में तीन साल में 25-30 विमानों के भारत में आने की उम्मीद है। भारत इन विमानों का इस्तेमाल करने वाला एशिया का पहला देश होगा। उन्होंने बताया कि एल्बेट्रोस का डेमो विमान अगले चार-छह महीने में भारत में आ जाएगा जबकि ग्राहक के इस्तेमाल के लिए पहला विमान डेढ़ से दो साल में आ सकता है। उन्होंने बताया कि शुरुआती 15 विमान की कीमत 3,500 करोड़ रुपये के आसपास हो सकती है।

प्लास्टइंडिया 2026 प्रदर्शनी शुरू, कई देश ले रहे हैं हिस्सा

नई दिल्ली। दुनिया की प्रमुख प्लास्टिक प्रदर्शनियों में से एक, प्लास्टइंडिया 2026, गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया। इस प्रदर्शनी का मुख्य तौर पर देश की प्लास्टिक का सामान बनाने में हुई प्रगति को दिखाया गया है। चार से 10 फरवरी तक चलने वाले इस वैश्विक कार्यक्रम का यह सालाना संस्करण रसायन और पेट्रोकेमिकल्स विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया है। इस मेले का मुख्य फोकस विनिर्माण-आधारित विकास और बड़े पैमाने पर रोजगार को बढ़ावा देने के लिए एक आत्मनिर्भर औद्योगिक आधार बनाने पर है। इसमें 2,000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्टॉल लगे हैं और इनमें मशीनरी, कच्चे माल और अन्य चीजों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस प्लास्टइंडिया मेले में शून्य कचरा प्रौद्योगिकी को पहली बार ध्यान में रखा जा रहा है। साथ ही इसमें नई चीजों की खोज एवं स्टार्ट-अप को विशेष ध्यान दिया गया है।

चुनाव आयोग ने पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों से पहले आयोजित किया केंद्रीय पर्यवेक्षकों का सम्मेलन

नई दिल्ली, वार्ता

■ 824 निर्वाचन क्षेत्रों में पारदर्शी चुनाव की भूमिका पर जोर

चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुड्डुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले गुरुवार को केंद्रीय पर्यवेक्षकों के लिए दो दिवसीय सम्मेलन शुरू किया, जिसमें 824 निर्वाचन क्षेत्रों में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया।

चुनाव आयोग की ओर से गुरुवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि सम्मेलन के लिए देश के विभिन्न राज्यों से कुल 1,444 अधिकारियों को बुलाया गया है, जिनमें 714 सामान्य पर्यवेक्षक, 233 पुलिस पर्यवेक्षक और 497 व्यय पर्यवेक्षक शामिल हैं। ये सत्र पांच और छह फरवरी को नई दिल्ली में भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ मिलकर पर्यवेक्षकों को संबोधित किया और चुनावी प्रक्रिया के दौरान उनसे आयोग की अपेक्षाओं के बारे में बताया। पर्यवेक्षकों को चुनाव आयोग के मार्गदर्शक बताते हुए ज्ञानेश कुमार ने कहा कि क्षेत्र में उनकी उपस्थिति पूरी चुनाव मशीनरी में नई ऊर्जा भर देगी। उन्होंने कहा कि आपको यह सुनिश्चित करने के लिए चुना गया है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हों। लोकतांत्रिक प्रक्रिया की अखंडता बनाए रखने में आपकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। वहीं संधू ने पर्यवेक्षकों के लिए जमीनी स्तर पर सुलभ और सक्रिय रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षकों को क्षेत्र में चुनाव अधिकारियों के लिए एक दोस्त, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में काम करना चाहिए। उनके आने की जानकारी अच्छी तरह से प्रचारित की जानी चाहिए और उन्हें आसानी से उपलब्ध रहना चाहिए, ताकि मतदाताओं की शिकायतों का तुरंत समाधान किया जा सके और पक्षपात की कोई भी आशंका न रहे। आयोग के निर्देशों का सख्ती से पालन करने पर जोर देते हुए श्री जोशी ने कहा कि पर्यवेक्षकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आयोग के निर्देशों को 'अक्षरश: और भावना से' लागू किया जाए। साथ ही निष्पक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखा जाए। उन्होंने वोटर सूचना स्लिप (वीआईएस) के समय पर वितरण के महत्व पर भी जोर दिया, ताकि मतदान के दिन मतदाताओं को कोई असुविधा न हो। आयोग ने पर्यवेक्षकों के साथ इंटरैक्टिव संदेह-निवारण सत्र भी आयोजित किए। वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें चुनावी सूची तैयार करने, पांच चुनावी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने, सूचना प्रौद्योगिकी एप्लिकेशन और प्लेटफॉर्म के उपयोग और चुनाव के दौरान मीडिया से संबंधित मामलों को संभालने के प्रमुख पहलुओं के बारे में जानकारी दी। यह दोहराते हुए कि केंद्रीय पर्यवेक्षक आयोग के 'आंखें और कान' होते हैं, आयोग ने उनसे चुनाव कानूनों, नियमों और दिशानिर्देशों से अच्छी तरह परिचित होने और उनके सख्त और निष्पक्ष अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए सीधी प्रतिक्रिया देने को कहा।

CMYK

गुड गवर्नेंस मॉडल से पहुंच रहा योजनाओं का लाभ: सीएम

कहा, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत पात्रता परीक्षण, सत्यापन एवं भुगतान प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ और त्वरित करें

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समाज कल्याण विभाग को निर्देश दिए हैं कि सभी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत पात्रता परीक्षण, सत्यापन एवं भुगतान प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक निर्बाध रूप से पहुँचता रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास में समाज कल्याण विभाग की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत माह जनवरी 2026 की पेंशन किस्त का वन-क्लिक के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में भुगतान किया। यह पहल राज्य सरकार की तकनीक आधारित, पारदर्शी और संवेदनशील शासन व्यवस्था को सुदृढ़ करती है तथा सामाजिक सुरक्षा के प्रति सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

- **मुख्यमंत्री धामी ने किया वन-क्लिक प्रणाली से 9.47 लाख से अधिक लाभार्थियों को पेंशन भुगतान, जनवरी 2026 में 141.66 करोड़ की पेंशन राशि डीबीटी के माध्यम से खातों में हस्तांतरित**
- **सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में पारदर्शिता और तकनीक आधारित शासन का सशक्त उदाहरण**

इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार समाज के कमजोर, वृद्ध, दिव्यांग, विधवा, किसान, निराश्रित एवं जरूरतमंद वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य है कि सभी पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी और तकनीक आधारित प्रणाली के माध्यम से प्राप्त हो, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर एवं वन-क्लिक भुगतान प्रणाली से न केवल भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है, बल्कि लाभार्थियों को बिना किसी कार्यालयी प्रक्रिया के सीधे उनके बैंक खातों में सहायता राशि प्राप्त हो रही है। इससे शासन और आम नागरिक के बीच विश्वास भी सुदृढ़ हुआ है। धामी के नेतृत्व में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत जनवरी 2026 माह में राज्य के 9,47,345 पात्र लाभार्थियों को पेंशन का लाभ प्रदान किया गया। राज्य सरकार द्वारा विभिन्न पेंशन एवं सहायता योजनाओं के माध्यम से कुल 1 अरब 41 करोड़ 66 लाख 51 हजार की धनराशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित की गई, जिसमें नियमित पेंशन के साथ-साथ एरियर भुगतान भी सम्मिलित है। इस अवधि में वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत सर्वाधिक लाभार्थियों को सहायता प्रदान की गई, वहीं विधवा, दिव्यांग, किसान, परित्यक्ता, भरण-पोषण अनुदान, तीलू रौतेली एवं बौना पेंशन योजनाओं के माध्यम से भी हजारों पात्र नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा का संबल मिला। यह व्यापक कवरेज राज्य सरकार की समावेशी और संवे. दनशील नीति को दर्शाती है। मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में पेंशन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम यह है कि 01 दिसम्बर 2025 से 03 फरवरी 2026 की अवधि में 15,784 नए लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं से जोड़ा गया। साथ ही, पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मृतक लाभार्थियों का समयबद्ध सत्यापन करते हुए 1,523 अपात्र नामों को पोर्टल से हटाया गया, जिससे योजनाओं का लाभ केवल वास्तविक और पात्र व्यक्तियों तक ही सीमित रह सके।

डिजिटल पेंशन पोर्टल से सकारात्मक परिणाम मिले

राज्य सरकार द्वारा अपनाई गई डिजिटल पेंशन पोर्टल प्रणाली, स्वत: आयु-पात्रता पहचान और नियमित मॉनिटरिंग के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। अप्रैल 2024 से जनवरी 2026 की अवधि में 60 वर्ष की आयु पूर्ण करते ही 428 पात्र नागरिकों को स्वत: वृद्धावस्था पेंशन की स्वीकृति दी गई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि पात्रता निर्धारण और स्वीकृति प्रक्रिया अब अधिक सरल, त्वरित और मानवीय हो गई है।

धामी ने कहा कि, "राज्य सरकार का संकल्प है कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पहुंचे। पेंशन योजनाएं केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन का आधार हैं। हमारी सरकार गरीबों, वृद्धों, महिलाओं, दिव्यांगों और किसानों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर अपर सचिव संदीप तिवारी सहित समाज कल्याण विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जन-जन की सरकार, कार्यक्रम बना जनसुनवाई व सेवा का प्रभावी मॉडल

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में संच. ालित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम राज्य में सुशासन, पारदर्शिता और त्वरित जनसमाधान का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। इस अभिनव पहल के माध्यम से सरकार सीधे जनता के द्वार तक पहुँचकर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कर रही है।

- **मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में जन-जन के द्वार' पहुंच रही सरकार**

05 फरवरी तक प्रदेश के सभी 13 जनपदों में कुल 574 कैंप आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें से 12 कैंप गुरुवार को आयोजित किए गए। इन कैंपों के माध्यम से अब तक 4 लाख 55 हजार 790 नागरिकों ने प्रत्यक्ष रूप से सहभागिता की है, जबकि आज अकेले 13 हजार 489 लोगों ने कैंपों में अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक 44,602 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 30,089 शिकायतों का सफल निस्तारण किया जा चुका है। यह आंकड़े मुख्यमंत्री श्री धामी की "समाधान के साथ शासन" की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत 64,155 आवेदन प्राप्त हुए हैं तथा 2,52,334 नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया गया है। विशेष रूप से समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास, पेंशन, स्वास्थ्य और स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं में बड़ी संख्या में पात्र लाभार्थियों को सहायता मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि " सरकार का दायित्व केवल नीतियां बनाना नहीं, बल्कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक उसका लाभ पहुँचाना है। 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' इसी सोच का परिणाम है। यह कार्यक्रम दूरस्थ, पर्वतीय और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है, जहाँ अधिकारी स्वयं जाकर समस्याओं का त्वरित समाधान कर रहे हैं।

अस्तित्व की तलाश वाले दलों का जमावड़ा है महापंचायत: चौहान

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने अंकिता भंडारी मामले मे इंडी गठबंधन की महा पंचायत को अस्तित्व की तलाश मे जुटे दलों का जमावड़ा बताया। उन्होंने कहा कि उन्हे अपने ही घरों मे पंचायत की जरूरत है।

- **अंकिता के बहाने तुष्टिकरण की कोशिशों को लगने वाला है झटका**

चौहान ने कहा कि अंकिता भंडारी मामले मे सीबीआई जांच शुरू हो चुकी है। पूर्व मे इन दलों ने अंकिता भंडारी के मामले मे सीबीआई जांच की संतुति को लेकर संशय की बात की। लेकिन अब सीबीआई जांच शुरू हो गयी तो यह दल बैकफुट पर आ गए। हालांकि उनका मकसद अंकिता को न्याय दिलाने को लेकर नही है और इस बहाने वह अपनी औपचारिक उपस्थिति दर्ज कराना चाहते हैं।

चौहान ने कहा कि इंडी गठबंधन मे शिरकत करने वाले बामपंथी दलों के अलावा कांग्रेस और सपा की असलियत से जनता वाकिफ है। राज्य विरोधी रही सपा और दुष्प्रचार मे कांग्रेस के अवसरवादी एजेंडे को बामपंथी तूल देने की कोशिशों मे जुटे हैं। उन्होंने कहा कि लम्बे समय से अं. कता मामले की सीबीआई जांच के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे यह दल सीबीआई जांच शुरू होने के बाद अब जांच को लेकर ही आशंका जता रहे हैं

चौहान ने हरदा के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि एक और सीबीआई जांच की मांग और दूसरी और जांच पर सवाल से उनकी मंशा को समझा जा सकता है। चौहान ने कहा कि प्रदेश मे कानून का राज है और कोटद्वार की घटना हो या मसूरी मे मजार की घटना मे कानून अपना कार्य कर रहा है। किसी को भी प्रदेश के वातावरण को बिगाड़ने की अनुमति नही दी जा सकती है।

थराली में हुआ हिंदू सम्मेलन का आयोजन

थराली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर आरएसएस ने इसे शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, इसी क्रम में आरएसएस के द्वारा थराली में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन कर हिन्दू धर्म को मजबूत बनाने के लिए किए जाने वाले प्रयासों पर चर्चा की गई इस अवसर पर नंदाद. ेवी यात्रा की झांकी सहित तमाम सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

गुरुवार को रामलीला मैदान थराली में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में बतौर मुख्य वक्ता आरएसएस के नवीन चन्द्र सिलोड़ी ने कहा कि हिन्दू धर्म विश्व के श्रेष्ठ धर्मों में से एक हैं, हिन्दू धर्म मानवता के संरक्षण का संदेश देता हैं, उन्होंने हिन्दू धर्म का प्रचार प्रसार करने के साथ ही इसे मजबूत बनाने पर बल दिया।

सैन्यधाम लोकार्पण की सभी तैयारियों समय से हों पूर्ण: जोशी

- **सैनिक कल्याण मंत्री ने की सैन्यधाम के अंतिम चरणों में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा**

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आज अपने शासकीय आवास पर सैन्य धाम के अंतिम चरणों में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष निर्माण कार्यों को समयबद्ध तरीके से शीघ्र पूर्ण किया जाए।

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने सचिव सैनिक कल्याण एवं विभागीय अधिकारियों के साथ सैन्य धाम के लोकार्पण की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि सैन्य धाम के निर्माण को रोकने के संबंध में पूर्व में दायर की गई जनहित याचिका को उच्च न्यायालय द्वारा खारिज कर दिया गया है। उच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया है कि जिस भूमि पर सैन्य धाम का निर्माण किया जा रहा है, वह वन भूमि की श्रेणी में नहीं आती। इस निर्णय के लिए सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने मा. उच्च न्यायालय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को लोकार्पण की सभी तैयारियों को सुचारु एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शीघ्र समय लेकर सैन्य धाम का भव्य लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सैन्य धाम प्रदेश के वीर सैनिकों के सम्मान और गौरव का प्रतीक होगा। इस अवसर पर सचिव सैनिक कल्याण दीपेंद्र चौधरी, उपनिदेशक विंग कमाण्डर (सेनि) निधि बधानी, एमडी उपनल बिग्रेडियर (सेनि) जेएनएस बिष्ट, उपनिदेशक कर्नल (सेनि) योगेन्द्र सहित अन्य मौजूद रहे।

125 बीघा भूमि की अवैध प्लॉटिंग पर चला एमडीडीए का बुलडोजर

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मसूरीख्रदेहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने प्राधिकरण क्षेत्र में अनियोजित विकास के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बुधवार को लगभग 125 बीघा भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण उपविधियों के तहत की गई इस कार्रवाई में अवैध रूप से विकसित की जा रही प्लॉटिंग की सड़कों पर बुलडोजर चलाया गया। एमडीडीए द्वारा लगातार यह स्पष्ट किया जा रहा है कि प्राधिकरण क्षेत्र में बिना स्वीकृति किए जा रहे निर्माण एवं प्लॉटिंग न केवल नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि इससे शहरी अव्यवस्था, पर्यावरणीय असंतुलन एवं भविष्य की विकास योजनाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जा रही है।

- **नियमों की अनदेखी कर अवैध प्लॉटिंग व निर्माण करने की अनुमति किसी भी व्यक्ति को नहीं दी जाएगी: तिवारी**

होरावाला रोड छरबा में 25 बीघा अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त: जानकारी के अनुसार विकास, आलोक नौटियाल द्वारा होरावाला रोड, छरबा, आईटीआई के समीप देहरादून क्षेत्र में लगभग 20 से 25 बीघा भूमि पर अवैध रूप से प्लॉटिंग की जा रही थी। बिना प्राधिकरण की अनुमति भूमि का विभाजन कर प्लॉट काटे जा रहे थे तथा आंतरिक सड़कें विकसित की जा रही थीं। एमडीडीए की टीम ने मौके पर पहुंचकर इन सभी अवैध संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया और संबंधित लोगों को भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों से दूर रहने की चेतावनी दी।

लांघा रोड छरबा सहसपुर में 100 बीघा भूमि पर कार्रवाई: इसी क्रम में तडियाल एवं जोशी द्वारा लांघा रोड, छरबा, सहसपुर देहरादून क्षेत्र में लगभग 100 बीघा भूमि पर की गई अवैध प्लॉटिंग के विरुद्ध भी बड़ी कार्रवाई की गई। यहां पर अवैध रूप से विकसित कॉलोनी के स्वरूप में प्लॉट चिन्हित किए गए थे तथा सड़कों का निर्माण किया जा रहा था। एमडीडीए की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से बनाई गई सड़कों, सीमांकन एवं अन्य अस्थायी निर्माणों को ध्वस्त कर दिया।

पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई: ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता शशांक सक्सेना, अवर अभियंता सिद्धार्थ सेमवाल, मनीश नौटियाल (सुप. रवाइजर) सहित एमडीडीए का तकनीकी स्टाफ एवं पर्याप्त पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे और किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

नियमों की अनदेखी कर अवैध कॉलोनियां विकसित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी : तिवारी

एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण एवं अनधिकृत प्लॉटिंग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। किसी भी व्यक्ति को नियमों की अनदेखी कर अवैध कॉलोनियां विकसित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियोजित विकास ही एमडीडीए की सर्वोच्च प्राथमिकता है और आमजन के हितों की रक्षा के लिए इस प्रकार की कार्रवाइयां आगे भी निरंतर जारी रहेंगी। अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

भूमि खरीदने या निर्माण से पहले प्राधिकरण की अनुमति अवश्य जांच लें : बर्निया

एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने कहा कि प्राधिकरण द्वारा अवैध प्लॉटिंग और निर्माण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। बिना स्वीकृति किए जा रहे किसी भी विकास कार्य पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आमजन से अपील की कि भूमि खरीदने या निर्माण से पहले प्राधिकरण की अनुमति अवश्य जांच लें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

आमजन को किया गया सतर्क: एमडीडीए ने आम नागरिकों से अपील की है कि भूमि क्रय-विक्रय या निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पूर्व प्राधिकरण से आवश्यक अनुमति अवश्य प्राप्त करें। बिना स्वीकृति किए गए निर्माण या प्लॉटिंग पर न केवल ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी, बल्कि नियमानुसार कानूनी कार्यवाही भी अमल में लाई जाएगी। प्राधिकरण द्वारा अवैध गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

आगे भी जारी रहेगी सख्त कार्रवाई: प्राधिकरण अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अवैध निर्माण एवं प्लॉटिंग के खिलाफ भविष्य में भी अभियान लगातार जारी रहेगा। शिकायत मिलने पर त्वरित जांच कर नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि मसूरी-देहरादून क्षेत्र में नियोजित और संतुलित शहरी विकास को बढ़ावा दिया जा सके।

241 केंद्रीय पीएम श्री योजना विद्यालय प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था में बदलाव को कार्यरत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। पीएम श्री योजना के तहत 241 स्कूल उत्तराखंड की शिक्षा व्यवस्था में बड़े परिवर्तन की दिशा में कार्यरत हैं। संसद में केंद्र सरकार द्वारा दी गई ऐसे ही एक महत्वपूर्ण जानकारी में बताया गया कि सहकारी क्षेत्र में प्रदेश में अब तक 1216 पैक्स इकाई स्थापित हो गई है जिनमें 669 ईआरपी पर ऑनबोर्ड हो गई हैं।

- **उत्तराखंड में सहकारिता की 1216 पैक्स इकाई स्थापित**

राज्यसभा में प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट द्वारा राज्य में केंद्र द्वारा चयनित पीएम श्री विद्यालयों और पैक्स योजना की प्रगति को लेकर सवाल पूछे गए। जिसमें एक सवाल का जबाव देते हुए शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयन्त चौधरी ने बताया कि पीएम श्री योजना अपनी स्थापना के दिन 7 सितंबर, 2022 से लेकर अब तक कुल 241 विद्यालयों का चयन किया गया है। जिसमें वर्षवार राज्य के लिए स्वीकृत पीएसबी परिव्यय और स्वीकृत पीएसबी केंद्रीय अनुभाग क्रमश वित्त वर्ष 2023-24 में 72.91 करोड़ 65.62 करोड़ रुपए, 130.10 करोड़ और 117.09 करोड़ 2024-25, 2025-26 में 149.07 करोड़ और 134.16 करोड़ रुपए है।

विस्तृत जबाब में कहा गया कि शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में एक विषय है। पीएम श्री योजना के तहत, राज्य,संघ राज्य क्षेत्र स्कूल स्तर पर कमी की पहचान करके प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं। राज्यों, संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रस्तुत घटक-चार प्रस्तावों का मूल्यांकन किया जाता है और वित्तीय और कार्यक्रम संबंधी मानदंडों और उपलब्ध प्रावधानों के अनुसार परियोजना अनुमोदन बोर्ड द्वारा स्वीकृत किया जाता है।

शिविर में लोगों को पहुंचाया स्वास्थ्य सेवा का लाभ

- **मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शर्मा टीम के साथ रहे मौजूद**

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। विकासखण्ड रायपुर के अंतर्गत ग्राम द्वारा समोली में बहुउद्देश्यीय शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में स्वास्थ्य विभाग देहरादून की टीम द्वारा स्थानीय नागरिकों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर में मरीजों व लाभार्थियों को नि:शुल्क ओपीडी सेवा एवं स्वास्थ्य जांच उपलब्ध करायी गयी।

शिविर में जनपद देहरादून के प्रभारी मंत्री सुबोध उनियाल , प्रभारी सचिव मीनाक्षी सुंदरम, क्षेत्रीय विधायक उमेश शर्मा काउ, जिलाधिकारी सविन बंसल, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज कुमार शर्मा, सीएचसी रायपुर के चिकित्सा अधीक्षक डॉ प्रताप रावत, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बिमलेश जोशी, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक उमेश सिरसवाल सहित अन्य क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिविर में लाभार्थियों को प्रदान की गयी स्वास्थ्य जांच सेवाएं

स्त्री रोग जांच - 32	गैर संचारी रोग जांच - 87
परिवार नियोजन परामर्श - 30	आयुष्मान कार्ड- 30
दिव्यांग प्रमाण पत्र- 04	टीबी जांच - 14
रक्त जांच- 11	किशोर स्वास्थ्य परामर्श- 22
बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम स्क्रीनिंग - 200	

स्कूली वाहनों के लिए नियम बनाने को बाल आयोग का मंथन

- **आयोग अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने की अधिकारियों के साथ बैठक**
- **वाहनों का सत्यापन व मॉनिटिरिंग को लेकर भी हुई चर्चा**

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ गीता खन्ना ने उत्तराखण्ड राज्य में संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के आवागमन के लिए चल रही स्कूल वैन/बस/तीन पहिया वाहन/आटो/ई-रिक्शा आदि के सत्यापन, उनकी मॉनिटरिंग व नियम बनाये जाने के सम्बन्ध में गुरुवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद देहरादून से सम्भागीय परिवहन अधिकारी डा अनीता चमोला व सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी पंकज श्रीवास्तव उपस्थित हुए तथा अन्य समस्त जनपदों द्वारा आनलाईन के माध्यम से बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज की गई। आयोग की ओर से डा शिव कुमार बरनवाल,श सचिव व डा सतीश कुमार सिंह, अनुसचिव उपस्थित हुए।

बैठक में अध्यक्ष डॉ गीता खन्ना ने बताया कि ऐसे वाहन जो कि स्कूल से बच्चों को लाना-लेजाना कर रहे है, किन्तु उन्हें स्कूल द्वारा निर्धारित नही किया गया है। स्कूलों के बच्चों को लाने -लेजाने वाली प्राईवेट गाडियों (जैसे वैन, ऑटो, विक्रम इत्यादि) को आरटीओ से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने के लिए निर्देश दिये गये तथा उनका सत्यापन किया जाना आवश्यक है व स्कूलों में भी उनका रिकार्ड होना जरूरी है, जिसमें ड्राईवरों का पूर्ण विवरण व मनौस्थिति की जांच रिपोर्ट भी रक्षित हो।

बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर निगरानी रखें और उनसे निरंतर संवाद बनाए रखें: डॉ. गीता

देहरादून। बाल आयोग अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग की लत के कारण तीन मासूम बहनों की मृत्यु की खबर अत्यंत हृदयविदारक और समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। हाल ही में सामने आई गाजियाबाद 66की यह दुखद घटना दर्शाती है कि बच्चों का डिजिटल दुनिया में असुरक्षित रूप से उलझना उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। मैं सभी अभिभावकों से अपील करती हूँ कि बच्चों की ऑनलाइन गति. विधियों पर निगरानी रखें और उनसे निरंतर संवाद बनाए रखें। हर बच्चे का जीवन अनमोल है, उसकी सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

डॉ गीता खन्ना ने स्कूलों में बच्चों को लाने -ले जाने के लिये चल रही प्राईवेट वाहनों को चिन्हित किये जाने के लिये एक यल्लों स्ट्रिप लगाये जाने के लिए सुझाव दिया , जिससे वाहन चिन्हित हो जाये कि वाहन में बच्चे यात्रा कर रहे है तथा उन प्राईवेट वाहनों को वाहन स्वामी अपने अन्य कार्य के लिये भी प्रयोग में ला सके।

स्कूलों में बच्चें किस ट्रांसपोर्ट मोड से आना-जाना कर रहे है, उसका पूर्ण विवरण स्कूलों के पास रक्षित होना चाहिये। आयोग अध्यक्ष ने जनपदवार परिवहन विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही का विवरण सुना , जिसके बाद उनके द्वारा जनपद बागेश्वर की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुये उनके अनुरूप कार्य किये जाने के लिए कहा गया तथा साथ ही अपनी कार्यप्रणाली को आयोग के साथ सांझा किये जाने की बात कही गयी। उन्होंने सभी जनपदों को उनके समक्ष आ रही चुनौतियों, कठिनाईयों व उनके सुझाव को भी आयोग के उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

खेल में कैरियर बनाएं पहाड़ के युवा: रेखा आर्या

सूबे की खेल मंत्री ने 17 गांव के खिलाड़ियों को बांटी क्रिकेट किट

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। खेल मंत्री रेखा आर्या ने गुरुवार को सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र के गांव गोविंदपुर में आयोजित मकर संक्रांति क्रिकेट टूर्नामेंट की विजेता और उपविजेता टीमों को सम्मानित किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि प्रदेश में खेल ढांचे का लगातार विस्तार किया जा रहा है और अब दूर दराज की गांव में भी खेल मैदान और मिनी स्टेडियम बनाने पर सरकार का फोकस है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल संस्कृति विकसित हो रही है और ऐसे में पहाड़ी क्षेत्र के युवाओं को खेल को करियर के रूप में अपनाना चाहिए। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने खिलाड़ियों के लिए पदक जीतने पर आउट ऑफ टर्न जॉब और सरकारी नौकरियों में चार प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था कर दी है।

जिससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अब अपने करियर को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री ने टूर्नामेंट की विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इसके साथ ही पिछले दिनों राष्ट्रीय स्तर की कई प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले युवाओं को भी मेडल पहनकर सम्मानित किया गया। यहां भाजपा जिला अध्यक्ष महेश नयाल, मंडल अध्यक्ष गणेश जलाल, जिला पंचायत सदस्य पुष्पा आर्य, विधायक प्रतिनिधि भुवन जोशी, गोपाल खोलिया, अशोक जलाल, राहुल खोलिया, गणेश अधिकारी आदि मौजूद रहे।

वहीं, सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र के कंडारकुआं मंडल में दीपाधार मंदिर प्रांगण में आसपास के 17 गांवों के युवक मंगल दल एवं क्रिकेट खेलने वाले युवाओं को क्रिकेट किट वित. रित की गई। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि युवा जब खेलकूद की गतिविधियों से जुड़ते हैं तो इससे न केवल नई खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, बल्कि युवाओं का शारीरिक व मान. सिक विकास भी बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांव-गांव तक विकास की योजनाएं पहुंचा रही है और सोमेश्वर क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में विकास कार्य कराए गए हैं। यहां भुवन जोशी, हरीश परिहार, गोपाल सती, भुवन फर्त्याल, दीवान नेगी, जानकी, गोपाल राम, त्रिलोक सिंह रावत, भूपाल परिहार, धन सिंह रावत, तारा सिंह परिहार, बिशन सिंह कनवाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

सड़क हादसे में हुए नेपाली युवक की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। गरुड़ टीट बाजार में बुधवार देर शाम हुए सड़क हादसे में एक नेपाली युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। घटना स्थल पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया वही घायल को बैजनाथ स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 32 वर्षीय तेज बहादुर पुत्र सर्प बहादुर निवासी नेपाल व प्रमोद परिहार पुत्र प्रकाश परिहार भिलकोट बारात में टेंट का काम निपटाकर स्कूटी यूके 02 बी 3664 से अपने घर को वापस आ रहे थे। स्कूटी नेपाली युवक युवक तेज बहादुर चला रहा था। तभी टीट बाजार में सड़क किनारे खड़ी पिकअप से सीधे जाकर टकरा गई। जिसमें स्कूटी चालक की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक पिछले कई सालों से यही टेंट में काम करता था। घटना के बाद पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लिया। गुरुवार को मृतक के शव का

जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम हुआ। जिसके बाद शव मृतक के साथियों को सौंपा गया। बताया जा रहा है कि मृतक के घर में पत्नी व दो बच्चे है, उसके साथी उसके शव को लेकर नेपाल के लिए रवाना हो गए है। वही स्कूटी में सवार प्रमोद सिंह परिहार निवासी बूंगा गंभीर रूप से घायल है। जिन्हें बैजनाथ से अल्मोड़ा अस्पताल रेफर किया गया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया में भी वायरल हो रहा है। जिसमें पूरी गलती स्कूटी चालक की बताई जा रही है। हालांकि पुलिस घटना की जांच में जुट गई है।

एक नजर

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

बागेश्वर। उत्तराखंड प्रशासनिक अकादमी (डीआरएसटीयूएए), नैनीताल के तत्वावधान में बागेश्वर के विकास भवन सभागार में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिला स्तरीय अधिकारियों को विभिन्न सरकारी कार्यों में दक्षता प्रदान करना है। प्रशिक्षण के दूसरे दिन गुरुवार को अधिकारियों को वेतन निर्धारण, आहरण एवं वितरण नियमों, एसीपी/एमएसीपी और ई-ऑफिस प्रणाली से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस सत्र में डा. महेश कुमार ने प्रशिक्षण दिया, जबकि ई-ऑफिस पर एकता बोहरा ने प्रस्तुतीकरण दिया। वेतन निर्धारण और संबंधित नियमों पर उप कोषाधिकारी जितेंद्र चंद्र उपाध्याय ने विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी प्रियंका रानी, वरिष्ठ कोषाधिकारी केआर सारकी, जिला कार्यक्रम अधिकारी डा. मंजुलता यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. कुमार आदित्य तिवारी सहित अन्य अधिक. ारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

एडीएम ने किया वेयर हाउस का निरीक्षण

बागेश्वर। अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल द्वारा ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के समय वेयरहाउस में रखी सभी ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनें डबल लॉक व्यवस्था के अंतर्गत पूर्णत: सुरक्षित पाई गईं। अपर जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, अग्निशमन उपकरणों एवं सुरक्षा से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं की भी गहनता से जांच की। सभी व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप एवं संतोषजनक पाई गईं। इस अवसर पर नायब तहसीलदार रितु गोस्वामी, सहायक निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र देवली, भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि मदन आगरी तथा कांग्रेस के प्रतिनिधि कुंदन गिरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अवैध हथियार के साथ एक गिरफ्तार

बागेश्वर। जनपद में अवैध शस्त्रों, मादक पदार्थों की तस्करी एवं संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत कपकोट पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान ग्राम सलिंग उडियार के पास से अभियुक्त को पकड़ा। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त 58 वर्षीय हरीश सिंह पुत्र पुष्कर सिंह, निवासी ग्राम सलिंग उडियार के कब्जे से एक अदद अवैध देसी बंदूक (12 बोर) तथा दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। मामले में थाना कपकोट में अभियुक्त के विरुद्ध धारा 03/25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पत्रकार राजेन्द्र टोडरिया को श्रद्धांजलि

बागेश्वर। सवाल संगठन द्वारा उत्तराखंड के प्रख्यात जनपक्षीय पत्रकार एवं राज्य आंदोलनकारी स्व. राजेंद्र टोडरिया को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए समाज और पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान को स्मरण किया। सवाल संगठन के जिलाध्यक्ष रमेश कृषक ने कहा कि स्व. राजेंद्र टोडरिया 'जनपक्ष टुडे' के संपादक रहे और उन्होंने अपनी निर्भीक लेखनी के माध्यम से सदैव आम जनता के हितों को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि स्व. टोडरिया का आकस्मिक निधन 5 फरवरी 2013 को देहरादून के एक अस्पताल में हुआ था। कार्यक्रम में सवाल संगठन के उपाध्यक्ष विना. ेद जोशी, सचिव भास्कर तिवारी, योगेश पांडे, तारा सिंह कोरंगा रहे।

महिला अस्पताल में विधिक जागरूकता शिविर

अल्मोड़ा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय के मार्गदर्शन में महिला अस्पताल अल्मोड़ा में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। डीएलएसए सचिव शचि शर्मा ने शिविर की शुरुआत नालसा थीम गीत एक मुठ्ठी आसमान के प्रसारण से की। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित महिलाओं और आमजन को कैंसर के प्रारंभिक निदान, कारणों और उपचार के बारे में जानकारी दी। साथ ही, नालसा गरीबी उन्मूलन योजना, महिला मुआवजा योजना, पॉक्सो अधिनियम, पीसी और पीएनडीटी अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न संबंधी कानूनों के बारे में भी विस्तार से बताया। सचिव ने जनपद में चल रहे 90 दिवसीय मध्यस्थता अभियान और आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी देते हुए लोगों से इनका लाभ उठाने का आह्वान किया। शिविर में अधिकार मित्रों ने कैंसर जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया।

भाजयुमो नगर मंडल अध्यक्ष बने नीरज

अल्मोड़ा। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने नगर मंडल अध्यक्ष की घोषणा कर दी हैं। पार्टी जिला अध्यक्ष महेश नयाल की संस्तुति पर नीरज सांगा को मोर्चा का अल्मोड़ा नगर अध्यक्ष बनाया गया हैं। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा नीरज सांगा की सक्रियता, संगठनात्मक क्षमता और युवाओं के बीच मजबूत पकड़ देखते हुए उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी गई। इनको जिम्मेदारी मिलने पर विधायक मोहन सिंह मेहरा, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री गोविंद सिंह पिलखवाल, पूर्व विस उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, पूर्व युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कुंदन लटवाल, ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडू, पूर्व जिला अध्यक्ष रवि रौतेला, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष पंकज भाकुनी, भाजपा महा नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट, पूर्व डीसीबी अध्यक्ष ललित लटवाल, भाजपा जिला महामंत्री दर्शन रावत, प्रकाश भट्ट, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष प्रकाश बिष्ट, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि भरत भूषण, व्यपार मंडल जिला अध्यक्ष मनोज सिंह पवार, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष नवीन बिष्ट, हवालबाग मंडल अध्यक्ष संजय बिष्ट समेत कई कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई।

पॉलीटेक्निक में खेलकूद प्रतियोगिता

काशीपुर। उत्तराखण्ड राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान, काशीपुर में दो दिवसीय संस्था स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 2025-26 का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीपी सिंह, प्रधानाचार्य, यूजी आईपी काशीपुर द्वारा दीप जलाकर किया गया।

प्रतियोगिता में महिला और पुरुष वर्ग के विभिन्न खेलों में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिनमें टेबल टेनिस, बैडमिंटन, शतरंज, 100 मी. दौड़, भाला फेंक, लम्बी कूद, और गोला फेंक शामिल थे। पुरुष वर्ग में सचिन जोशी (बैडमिंटन सिंगल), लक्की कुमार (बैडमिंटन डबल), रघुवीर सिंह (जैवलिन थ्रो), मानस रावत (शतरंज), जतिन सिंह (लम्बी कूद), और अर्पित लेखवाल (गोला फेंक) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में राशि राजपूत (टेबल टेनिस), मुस्कान मौर्या (बैडमिंटन सिंगल और युगल), वन्दना, दीपिका और पायल (100 मी. दौड़), तथा कृष्णा रावत (भाला फेंक) ने शीर्ष स्थान हासिल किए। इस अवसर पर क्रीड़ा अधिकारी राजीव यादव, सहायक क्रीड़ा अधिकारी मनमो. हन एवं अन्य स्टाफगण भी उपस्थित थे।

पैराग्लाइडिंग एक्यूरसी प्रतियोगिता शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। बागेश्वर जनपद के कपकोट स्थित ऐतिहासिक केदारेश्वर मैदान में गुरुवार से राष्ट्रीय पैराग्लाइडिंग एक्यूरसी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हो गया। प्रतियोगिता 5 फरवरी से 9 फरवरी 2026 तक आयोजित की जा रही है, जिसमें देशभर से आए 96 अनुभवी पैराग्लाइडर पायलटों के साथ भारतीय सेना के प्रशिक्षित पायलट भी प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन दर्जा राज्यमंत्री शिव सिंह बिष्ट, विधायक सुरेश गढ़िया, विधायक पार्वती दास, जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर राज्य मंत्री बिष्ट ने कहा कि प्रतियोगिता क्षेत्र के विकास और पर्यटन विस्तार के लिए मील का पत्थर साबित होगी। विधायक सुरेश गढ़िया ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से न केवल स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि कपकोट-बागेश्वर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान भी मिलेगी। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने बताया कि आने वाले वर्षों में इस प्रतियोगिता को और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा, जिससे बागेश्वर साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर सके। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा प्रभा गढ़िया, सीडीओ आरसी तिवारी, जिला पंचायत सदस्य नवीन परिहार, गिरीश परिहार, भाजपा महामंत्री संजय परिहार, नगर पंचायत अध्यक्ष गीता ऐठानी, कपकोट एसडीएम अनिल चन्याल, ब्लॉक प्रमुख कपकोट भावना शाही, पर्यटन अधिकारी पीके गौतम मौजूद रहे।

किसानों को मिला तीन दिनी प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। भा-अनुप-विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने पर्वतीय कृषि के लिए उच्च मूल्य वाली फसलें और संबंधित उद्यम विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च पर्वतीय क्षेत्र के किसानों को उच्च मूल्य वाली फसलों और उद्यम के तकनीकी ज्ञान और कौशल प्रदान करना था। कार्यक्रम में चमोली जिले के वान गांव के 30 किसानों ने भाग लिया। पहले दिन में जड़ी बूटियों का उत्पादन, जैविक खाद निर्माण, कीट प्रबंधन और अन्य संभावित फसलों के उत्पादन पर विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए। इसके साथ ही, किसानों को संस्थान के संग्रहालय, कार्यशाला और प्रायोगिक खेतों का भ्रमण कराया गया। दूसरे दिन, एकीकृत कृषि प्रणाली, कृषि यंत्रीकरण, संरक्षित खेती और मशरूम उत्पादन पर जानकारी दी गई, और गो. विंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान का दौरा कराया गया। अंतिम दिन, किसानों को प्रगतिशील कृषकों के खेतों में भ्रमण कर उनके अनुभवों से अवगत कराया गया। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान संस्थान के वैज्ञानिकों डा. अमित ठाकुर, डा. कामिनी बिष्ट और डा. कुशाग्रा जोशी भी मौजूद थे।

रीप परियोजना के निजी उद्यम प्रस्तावों पर मंथन

अल्मोड़ा। सीडीओ रामजी शरण शर्मा की अध्यक्षता में विकास भवन अल्मोड़ा में ग्रामोथान रीप परियोजना के अंतर्गत निजी उद्यमों के प्रस्तावों और आवेदनों का परीक्षण और मूल्यांकन किया गया। बैठक में पोल्ट्री, मशरूम उत्पादन, बर्तन निर्माण, डेयरी आदि क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। सीडीओ ने ग्रामीण उद्यमिता को सशक्त बनाने और सतत आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रस्तावों को प्राथमिकता से क्रियान्वित किया जाए। बैठक में परियोजना निदेशक एन तिवारी, जिला परियोजना प्रबंधक राजेश मठपाल और अन्य अधिकारी रहे।

यूजीसी बिल के विरोध में निकाली रैली

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। यूजीसी द्वारा लागू किए गए नियम 2026 के विरोध में काशीपुर में सामाजिक और शैक्षिक संगठनों का गुस्सा सड़कों पर साफ नजर आया। यूजीसी बिल हटाओ संघर्ष समिति के आह्वान पर जोरदार रैली निकालते हुए राष्ट्रपति को संबो. धित ज्ञापन उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया गया। रैली का नेतृत्व हरीश कुमार सिंह एडवोकेट और संजय चतुर्वेदी ने किया। ज्ञापन में समिति ने आरोप लगाया कि यूजीसी का यह फैसला देश की शैक्षणिक व्यवस्था में गंभीर असंतुलन पैदा करने वाला है।

यह निर्णय योग्यता, परिश्रम और समान अवसर की संवैधानिक भावना के विपरीत बताया गया, जिससे शिक्षाविदों, छात्रों और अभिभावकों में भारी रोष है। समिति के अनुसार यह मुद्दा अब राष्ट्रीय मीडिया और सामाजिक मंचों पर भी प्रमुखता से उठ रहा है। संगठन ने चेताया कि इस निर्णय से समाज में असंतोष, असुरक्षा और असमानता की भावना बढ़ रही है, जो राष्ट्रहित के लिए घातक है। समिति ने स्पष्ट किया कि विरोध किसी वर्ग विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि सबको समान और न्यायपूर्ण अवसर दिलाने के उद्देश्य से है। मांगों में यूजीसी के निर्णय को तत्काल निरस्त करने, शिक्षाविदों की नई समिति गठित कर जनभावनाओं के अनुरूप नई व्यवस्था लागू करने की बात प्रमुख रही। प्रदर्शन के दौरान अग्रवाल सभा, क्षत्रिय सभा, पंजाबी सभा, ब्राह्मण सभा, चौहान सभा, बिश्नोई सभा, काशीपुर बार एसोसिएशन, छात्र संघ सहित सवर्ण समाज की अनेक सभाओं की सक्रिय भागीदारी रही। इस दौरान डॉ. दीपिका गुड़िया आत्रेय, गीता चौहान, विमल गुड़िया, राजीव घई, संदीप चतुर्वेदी, अरुण चौहान, मनोज अग्रवाल, मनोज राय, संजय गुप्ता, सुभाष चंद्र शर्मा, आरसी त्रिपाठी, सुरेश चन्द्र जोशी, गिरजेश खुल्वे, उमेश जोशी एडवोकेट, मयंक शर्मा, गौरव गर्ग, जगदीश चंद्र बौड़ाई, सूर्य प्रताप सिंह, मोहन पपनै समेत भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

संवैधानिक भावना के विपरीत बताया

राहुल गांधी का पुतला फूंका

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। सिख समुदाय को गद्दार कहे जाने और आपत्तिजनक बयान को लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने राहुल गांधी का पुतला फूंका। इस दौरान जमकर नारेबाजी कर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की बात कहीं। मौके पर अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष रजा अली अंसारी ने राहुल गांधी के बयान को अत्यंत निंदनीय, दुर्भाग्यपूर्ण और समाज को तोड़ने वाला बताया। कहा कि सिखों को गद्दार कहना केवल एक समुदाय नहीं, बल्कि पूरे अल्पसंख्यक समाज का अपमान है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की भाषा कांग्रेस की मानसि. कता को उजागर करती है और यह देश की एकता व अखंडता पर सीधा प्रहार है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सिख समाज का इतिहास बलिदान, देशभक्ति और राष्ट्र रक्षा से भरा हुआ है और ऐसे समाज पर इस तरह की टिप्पणी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने राहुल गांधी से सार्वजनिक रूप से मफी मांगने की मांग उठाई। पुतला फूंकने वालों में हाजी इस्लाम बख्श, मोहम्मद मुदस्सर, शाहनवाज वारसी, तहसीम अंसारी, मोहम्मद मुस्तकीम मलिक, अकबर खान, एहसान अंसारी, इमरान, मोहम्मद सोहेल, मोहम्मद चांद, मोहम्मद मेराज, प्रेम लटवाल, आनंद कनवाल आदि मौजूद रहे।

आवास योजना की किश्त ट्रांसफर

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के 193 लाभार्थियों के खाते में मुख्यमंत्री से प्राप्त प्रथम किश्त को आज नगर निगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरित किया गया। इस अवसर पर पांच लाभार्थियों को सांकेतिक रूप से चेक भेंट किया गया। महापौर दीपक बाली ने सभी लाभार्थियों से अनुरोध किया कि वह अपना घर तो बना रहे हैं लेकिन अपने दांए बांए भी देखें कि कोई बगैर घर के छूट न जाए क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चाहते हैं कि कोई भी बगैर घर के नहीं रहना चाहिए। महापौर ने पीसीयू चेयरमैन राम मेहरोत्रा से अनुरोध किया कि वह भी क्षेत्र में देखें कि जो लोग वास्तव में योजना के पात्र हैं उनको लाभ दिलाया जाए। आज के कार्यक्रम में 193 लाभार्थियों को प्रथम किस्त दो लाभार्थियों को दूसरी किस्त 18 लाभार्थियों को तृतीय किस्त तथा 31 लाभार्थियों को चतुर्थ अर्थात अंतिम किस्त की धनराशि 66 लाख 40000 उनके खाते में प्रेषित कर दी गई। अभी तक लाभार्थियों को 26 करोड़ 59 लाख रुपए की धनरा. शि दी जा चुकी है। संचालन कर अधीक्षक अनिरुद्ध गौड़ द्वारा किया गया। इस दौरान राहुल पैगिया, विजय बॉबी, एसएनए शालिनी नेगी, कार्यालय अधीक्षक विकास शर्मा, सिटी मिशन मैनेजर जफर, तनवीर आलम, मुकेश चावला, अर्जुन सिंह, अभिषेक गोयल, सतनाम सिंह, अनीता कांबोज, शाह आलम, गुंजन प्रजापति, राशिद फारुकी, सादिक हुसैन, रवि प्रजापति, सरफराज, सीमा सागर, पुष्कर बिष्ट, बीना नेगी, अब्दुल कादिर आदि मौजूद रहे।

एसएसपी देर रात पहुंचे कोतवाली

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधम सिंह नगर मणिकांत मिश्रा बुधवार देर रात कोतवाली काशीपुर पहुंचकर सर्किल काशीपुर एवं सर्किल बाजपुर के सभी क्षेत्राधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों के साथ एक साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। एसएसपी ने कांवड़ यात्रा एवं विभिन्न धार्मिक व सामाजिक त्योहारों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए यातायात प्रबंधन, रात्रिकालीन ड्यूटी, भीड़ नियंत्रण एवं सुरक्षा व्यवस्था/यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गौरा शक्ति एप के अधिकतम प्रचार-प्रसार एवं डाउनलोड सुनिश्चित कराने हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। नियमित रात्रि गश्त, पिकेट ड्यूटी, चेकिंग अभियान तथा संवेदनशील, भीड़भाड़ एवं अपराध संभावित क्षेत्रों पर सतत एवं प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। अपराध परिदृश्य, लंबित विवेचनाओं तथा जनशिकायतों के त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण की विस्तारपूर्वक समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश निर्गत किए गए। कहा कि डायल-112 एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाली प्रत्येक सूचना पर तत्काल, संवेदनशील एवं प्रभावी कार्रवाई की जाये। साइबर ठगी के मामलों में जल्द कार्रवाई करने और मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए।

लोक नृत्य के साथ लोकगीतों की प्रस्तुति

द्वाराहाट के संकुल संसाधन केन्द्र द्वारसों में सपनों की उड़ान कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। द्वाराहाट के संकुल संसाधन केन्द्र द्वारसों में सपनों की उड़ान कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता कार्यक्रम का प्रारम्भ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करते हुए मुख्य अतिथि जीआईसी द्वारसों के प्रवक्ता कैलाश नैनवाल तथा संकुल प्रभारी गजेंद्र किरौला द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस दौरान कैलाश नैनवाल ने ऐसे रचनात्मक कार्यक्रमों के आयोजन को बच्चों के आवश्यक बताते हुए अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का उचित मंच बताया। कार्यक्रम की सफलता पर प्रभारी संकुल समन्वयक गजेंद्र किरौला ने कहा कि ग्रामीण परिवेश के बच्चों को ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी क्षमताओं को विकसित कर उन्हें भविष्य के प्रति प्रेरित करने पर जोर दिया। संकुल स्तरीय प्राथमिक स्तर की सभी 9 प्रतियोगिताओं में राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय 7 प्रतियोगिताओं में तथा प्राथमिक विद्यालय द्वारसों 2 प्रतियोगिताओं में विजेता बना। सपनों की उड़ान कार्यक्रम में विजेताओं में प्रथम पुरस्कार विजेता में लोकगीत प्रतियोगिता में आदर्श प्राथमिक विद्यालय मनबजूना, लोक नृत्य प्रतियोगिता में आदर्श प्राथमिक विद्यालय मनबजूना, लोकवाद्य प्रतियोगिता में राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय मनबजूना, उत्कृष्ट विद्यालय प्रबंधन समिति में आदर्श प्राथमिक विद्यालय मनबजूना, शैक्षणिक स्टाल में आदर्श प्राथमिक विद्यालय मनबजूना, नीबू चम्मच दौड़ में आदर्श प्राथमिक विद्यालय मनबजूना एवं कुर्सी दौड़ में आदर्श प्राथमिक विद्यालय मनबजूना विजेता रहा तथा नाटक एवं रैम्प वॉक प्रतियोगिताओं में प्राथमिक विद्यालय द्वारसों के छात्र विजेता रहे। वहीं जूनियर स्तर पर सभी प्रतियोगिताओं में राजकीय जूनियर हाईस्कूल उरोली के छात्र विजेता बने। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका सविता साह ने किया। निर्णायकों में बची बिष्ट, मुमताज जहां, नीलम टम्टा, पूजा साह, किरन बाला, गीता आर्या, विनीता उपाध्याय, रेनू दरमोली, प्रतिभा फर्त्याल रहे तथा उपस्थित अध्यापकों में रमेश चंद्र पुजारी, देवेन्द्र परिहार, राजेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, मनोज सती, सुरेश कुमार, रिचा पाण्डे आदि थे।

भाजयुमो ने आयोजित किया बजट युवा सम्मेलन

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा काशीपुर द्वारा बजट युवा सम्मेलन का आयोजन भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रशान्त पण्डित के नेतृत्व में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि समेत उपस्थित वक्ताओं एवं युवाओं ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रदेश महामंत्री खिलेंद्र चौधरी, मुख्य वक्ता भारतेंदु, युवा मोर्चा के जिला प्रभारी मोहन बिष्ट, मनोज मिश्रा, महेश चौहान, पूर्व महापौर ऊषा चौधरी, सुशील शर्मा, राजेश कुमार, अर्जुन सिंह, आकाश सिंह कांबोज, सतविंदर सिंह, करन भारद्वाज, राहुल कश्यप, लोकेश यादव, राहुल खन्ना, देवेंद्र सिंह, आकाश अरोड़ा, प्रियांशु कथूरिया, शुभम कनौजिया, संजीव जाटव, अंकित शर्मा व हरदीप सिंह सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता एवं युवा उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत क्षमता निर्माण प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

पंतनगर। पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय और आईसीएआर-केंद्रीय महिला कृषि संस्थान, भुवनेश्वर ने मिलकर अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत कृषक महिलाओं के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य महिलाओं की आजीविका के अवसर बढ़ाना और उनके कौशल का विकास करना था। कार्यक्रम के पहले दिन बैंकिंग योजनाओं पर जानकारी दी गई, जिसमें प्रधानमंत्री पेंशन योजना, अटल बीमा योजना, और दीनदयाल योजना जैसी योजनाएं शामिल थीं। इसके बाद राधा पांडे ने धूप निर्माण पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया, जिसमें कम लागत में धूप निर्माण की तकनीक सिखाई गई। दूसरे दिन, ग्रामीण उद्यम संवर्धन परियोजना और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत रोजगार अवसरों पर जानकारी दी गई। इसके बाद, डा. मनीषा गहलौत ने हर्बल होली गुलाल निर्माण पर प्रशिक्षण दिया, जिसमें पर्यावरण अनुकूल उत्पादन विधियों पर जोर दिया गया। 30 कृषक महिलाओं को कृषि उपकरण भी वितरित किए गए। कार्यक्रम डा. मनीषा गहलौत की अगुवाई में संपन्न हुआ।

निर्मला सोशल रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी

ई-निविदा सूचना

कार्यालय विकास आयुक्त हस्तशिल्प मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा संचालित नेशनल हैन्डीक्राफ्ट डेवलपमेन्ट (NHDP) के अन्तर्गत एम्ब्रॉयडरी क्राफ्ट में 50 टूल किट की आपूर्ति हेतु जी.एस.टी. में पंजीकृत इकाईयां से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 01.02.2026 से 15.02.2026 तक कार्यालय निर्मला सोशल रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी ग्राम सद्भावना कालोनी, लाल डांठ, हल्द्वानी नैनीताल (रजि.) हल्द्वानी में वांछित प्रमाणपत्रों व सीलबन्द के साथ 15.02.2026 सायं 05 बजे तक जमा किया जा सकता है। निविदा चयन समिति के सम्मुख 16.02.2026 को खोली जायेगी। विस्तृत जानकारी एवं निविदा प्रपत्र के लिए कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर
निर्मला सोशल रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी
सम्पर्क सूत्र 8936924241

NAME CHANGE NOTICE

I, Amin Hussain, son of Nisar Ahmad, resident of Zahoor Farm, Bachipur Dhamola, Kaladhungi, District Nainital, Uttarakhand, have changed my name from Aamin Hussain to Amin Hussain. Henceforth, I shall be known and identified by the name Amin Hussain for all purposes.

क्रिकेट पिच पर धोखाधड़ी का 'खेल'

पूर्व विधायक और यूपी टीम के मालिक को लगाया लाखों का चूना

- पार्टनर की मौत की बताकर रद किया मैच
- पूर्व विधायक और यूपी टीम के मालिक ने की एसएसपी से शिकायत
- होटल से भाग रहे आयोजक को पुलिस ने पकड़ा, पूछताछ जारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, गौलापार में 3 फरवरी से होने वाली एपिक विक्टरी क्रिकेट लीग टी-20 के आयोजन में हंगामा खड़ा हो गया। आयोजन से पहले ही आयोजक भाग खड़ा हुआ, और टीम मालिकों को भी झटका लगा। आयोजक पर पूर्व विधायक नारायण पाल और एक अन्य टीम मालिक हेमंत शर्मा ने लाखों रुपये की ठगी का आरोप लगाया है। दोनों ने गुरुवार को एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी से मिलकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर सौंपी। आयोजक अचानक लीग रद कर भागने की फिराक में था, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उसे होटल से धर-दबोचा। एसएसपी को पूर्व विधायक नारायण पाल और हेमंत शर्मा ने तहरीर सौंपते हुए कहा कि आयोजक ने उन्हें भारी रकम का लालच देकर टीम खरी. दवाए थे, लेकिन अब लीग का आयोजन रद्द कर दिया गया और आयोजक लाखों रुपये लेकर फरार हो गया। आयोजन के रद्द होने का कारण आयोजक ने यह बताया कि मुख्य आयोजक को हार्ट अटैक आ गया और उनकी मौत हो गई, इस लीग में कुल छह टीमें खेलने वाली थीं। उत्तराखंड सोल्जर्स के नाम से बनी टीम सितारगंज के पूर्व विधायक अंबिका विहार हल्द्वानी निवासी नारायण पाल ने खरीदी थी। जबकि यूपी वॉरियर्स की टीम को हरियाणा के शहीद पार्क झज्जर निवासी हेमंत शर्मा पुत्र रमेश चंद्र शर्मा ने खरीदी थी। गुरुवार की दोपहर दोनों टीमों मालिक एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी के पास पहुंचे और अपने साथ ही हुई ठगी के बारे में बताया। लिखित तहरीर में पूर्व विधायक ने 9 लाख और हेमंत ने 23 लाख रुपए ठगने का आरोप लगाया है। वहीं हेमंत का कहना है कि इस लीग में कुल छह टीमें खेलने वाली थीं। उन्हें ऐन वक्त पर पता लगा कि आयोजन रद हो गया है। एसपी सिटी, मनोज कुमार कत्याल ने पुष्टि की है कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस मुख्य आयोजक के मृत होने की सूचना की जांच बेंगलुरु पुलिस से कर रही है। एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी ने पीड़ितों को निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिया और अन्य टीम मालिकों से अपील की है कि अगर उन्हें भी ठगी हुई है तो वह तहरीर दे सकते है।

पोस्टर में इरफान का फोटो, उन्हें पता नहीं

हल्द्वानी। अद्भुत बात यह है कि इस मामले में पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान का नाम भी सामने आया है। शहरभर में लगे इस आयोजन के पोस्टरों में इरफान पठान और प्रवीण के फोटो लगे था। हेमंत शर्मा ने बताया कि जब वह गोवा में क्रिकेट लीग में हिस्सा ले रहे थे, तो वहां इरफान पठान से मुलाकात हुई। हेमंत ने इरफान से हल्द्वानी में मैच होने के बारे में पूछा, तो इरफान चौंक गए और कहा, मुझे तो इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। इसका मतलब साफ है कि इरफान पठान को आयोजक द्वारा उनकी मौजूदगी के बारे में भी नहीं बताया गया था।

सवाल तो कई खड़े हो रहे

हल्द्वानी। अब एक बड़ा सवाल उठता है कि क्या वाकई मुख्य आयोजक की मृत्यु हुई है? चूंकि, कई कंपनियों में बड़े मालिकों की मौत के बाद भी कार्य बंद नहीं होते, तो ऐसे में आयोजक की मौत पर लीग को रद्द करना पुलिस के गले नहीं उतर रहा। खासकर जब लाखों रुपये का निवेश इस लीग में हुआ था।

हल्द्वानी से प्रवीण के निकल लेने में 'सपा' का हाथ

हल्द्वानी। इस पूरे मामले में एक और हैरतअंगेज़ यह रहा कि भारत के लिए 65 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेल चुके गेंदबाज़ प्रवीण कुमार भी क्रिकेट खेलने हल्द्वानी पहुंचे थे। वह उत्तराखंड टीम में शामिल किए गए थे। प्रवीण शहर के चिरपरिचित सपा नेता के करीबी हैं। 3 तारीख को प्रवीण का मैच था, लेकिन वह 2 तारीख को ही अचानक शहर से चले गए। जाने से पहले वह अपने सपाई दोस्त से मिले, उनकी कार ली और इसी कार से वह निकल गए। प्रवीण आयोजक के मैच रद करने के प्लान से पहले क्यों गए, यह भी पुलिस जांच के दायरे में है।

भरोसे की 'लूट', दो अरेस्ट

देवभूमि बहुउद्देशीय स्वायत्त सहकारिता संस्था ने गबन करे 6.80 करोड़

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। निवेश पर मोटा मुनाफा देने के नाम पर सैकड़ों लोगों से करोड़ों रुपये हड़पने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए नैनीताल पुलिस ने देवभूमि बहुउद्देशीय स्वायत्त सहका. रिता संस्था के अध्यक्ष और सचिव को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के बैंक खातों में 6.80 करोड़ रुपये से अधिक का लेन-देन हुआ है। पुलिस अब इस पूरे आर्थिक नेटवर्क की गहन जांच कर रही है, ताकि अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता का पता चल सके।

गुरूवार को बहुददेशीय भवन में ठगी का खुलासा करते हुए एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी ने पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि 2023 में रामनगर और मुखानी थाने में इस संस्था के खिलाफ धोखाधड़ी के तीन मुकदमे दर्ज हुए थे। देवभूमि बहुद्देशीय स्वायत्त सहकारिता संस्था की शाखाएं वर्ष 2017 से हल्द्वानी के मुखानी और रामनगर क्षेत्र में संचा. लित की जा रही थीं। संस्था संचालक उत्तराखंड सरकार से पंजीकरण का दावा करते हुए लोगों को अधिक ब्याज और निवेश सुरक्षित रहने का भरोसा देते थे। इस झांसे में कुमाऊं मंडल के अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चम्पावत, ऊधम सिंह नगर और नैनीताल जनपदों के 200 से अधिक निवेशक फंस गए। आरोपियों ने करीब 6 करोड़ 80 लाख रुपये की राशि एकत्र की। रकम जुटाने के बाद हरिपुर नायक, कुसुमखेड़ा निवासी हेमचंद पंत (अध्यक्ष) और डहरिया, हल्द्वानी निवासी विकास दुर्गापाल (सचिव) अपने साथियों के साथ फरार हो गए। जांच में सामने आया कि दोनों शाखाएं करीब एक से डेढ़ वर्ष पहले ही बंद कर दी गई थीं। खातों की पड़ताल में करोड़ों रुपये के लेनदेन के साक्ष्य मिले हैं। लालकुआं कोतवाली में तैनात एसएसआई दीपक सिंह बिष्ट के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बुधवार रात दोनों आरोपियों को लालकुआं क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों ठगों के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जहां से दोनो को जेल भेज दिया। टीम में लालकुआं एसएसआई दीपक बिष्ट, कांस्टेबल आनंदपुरी, जितेन्द्र बिष्ट मौजूद रहे।

तीन राज्यों में दबिश, लालकुआं में धरे गए

आरोपियों के खिलाफ न्यायालय से वारंट और कुर्की के आदेश जारी होने के बाद नैनीताल पुलिस की टीमें दिल्ली, हरियाणा और लखनऊ में लगातार दबिश देती रहीं। पुलिस जांच में यह भी पता चला कि आरोपियों पर उत्तराखंड के अन्य जिलों में भी धोखाधड़ी और ठगी के मामले दर्ज हैं।

एसएसपी ने लालकुआं पुलिस की पीठ थपथपाई

इस सफलता के बाद एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी ने लालकुआं कोतवाली के एसएसआई दीपक सिंह बिष्ट और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की और उन्हें 2500 रुपये का पुरस्कार घोषित किया। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे किसी भी निवेश योजना में धन लगाने से पहले उसके पंजीकरण, वैधानिक स्थिति और विश्वसनीयता की पूरी जांच करें ताकि धोखाधड़ी से बचा जा सके। एसएसपी ने यह भी कहा कोई भी वित्तीय संस्था कम समय में रकम को दोगुना नहीं कर सकती। बैंकों पर विश्वास रखें और धोखाधड़ी से बचें।

'हाउस टैक्स माफ करो सीएम साहब'

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। राज्य आंदोलनकारियों के हाउस टैक्स माफ करने की मांग को लेकर गुरूवार को चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के पदाधिकारी जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल काठगोदाम सर्किट हाउस पहुंचकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। सीएम को सौंपे गए ज्ञापन में कहा कि आपके द्वारा राज्य आंदोलनकारियों के हाउस टैक्स माफ करने की घोषणा को अब तक लागू नहीं किया गया। जिससे आंदोलनकारियों में असंतोष है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन बढ़ाने की घोषणा भी अब तक लागू नहीं हो पाई है। उन्होंने पेंशन को शीघ्र लागू करने की मांग की ताकि आंदोलनकारियों को उनका हक मिल सके। मुख्यमंत्री श्री धामी ने आंदोलकारियों को आश्वासन दिया कि इस मुद्दे पर शीघ्र ही कार्रवाई की जायेगी। ज्ञापन देने वालो में राजेन्द्र सिंह बिष्ट, कमल जोशी, भुवन समेत कई आंदोलनक. ारी मौजूद रहे।

योग सेंटर को बंद करने की मांग, सीएम को ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बहुचर्चित ज्योति मेर हत्याकांड के आरोपियों द्वारा संचालित योगा सेंटर को बंद करने की मांग को लेकर पहाड़ी आर्मी के प्रतिनिधिमंडल ने गुरूवार को काठगोदाम सर्किट हाउस पहुंचकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन सौंपा। सीएम को सौंपे गए ज्ञापन में संगठन ने बताया कि 30 जुलाई 2025 को हल्द्वानी के अजय योगा सेंटर में योगा ट्रेनर ज्योति मेर की हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि अजय यदुवंशी और अभय यदुवंशी ने ज्योति मेर की हत्या की और बाद में वह हत्या के आरोप में जेल गए। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन ने जनता को यह आश्वासन दिया था कि यह योगा सेंटर फिर से नहीं खुलेगा, लेकिन अब वह सेंटर फिर से खुले हुए हैं, जिससे जनता में गहरा आक्रोश उत्पन्न हो गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि योगा सेंटर को बंद कराया जाए। मुख्यमंत्री ने आश्वा. सन दिया कि योगा सेंटर को बंद किया जाएगा और इस दिशा में प्रशासन को उनके आदेश का पालन करना होगा। ज्ञापन देने वालों में महानगर अध्यक्ष भुवन पाण्डेय, जिलाध्यक्ष राजेंद्र कांडपाल, प्रेमा मेर, कविता जीना, हरेंद्र राणा, गीता बिष्ट, प्रदीप रौतेला, बसंत बिष्ट, अंजू पाण्डेय, गीता चंदोला आदि मौजूद रहे।

हेड कांस्टेबल बच्ची सिंह जग्गी का निधन

हल्द्वानी। पांच महीने पहले कांस्टेबल से हेड कांस्टेबल के पद पर पदोन्नत हुए बच्ची सिंह जग्गी (52) का निधन हो गया। वह चम्पावत जिले के तामली थाना में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात थे और हाल ही में रुद्रपुर स्थित 31 वाहनी पीएसी में ट्रेनिंग ले रहे थे। पुलिस के अनुसार बच्ची सिंह जग्गी बुधवार देर शाम अचानक बीमार हो गए। वह तीन दिन पहले ट्रेनिंग से छुट्टी पर घर आए थे। उनकी तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें तुरंत सुशीला तिवारी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बच्ची सिंह के तीन बच्चे हैं, और उनकी मौत पर परिवार में शोक की लहर है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के असली कारण का पता चलेगा। बच्ची सिंह की मौत के बाद पुलिस विभाग में भी शोक की लहर है। पुलिस का कहना कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद में मौत के असल कारण का पता चलेगा।

लापता कारोबारी रमेश चंद्र जोशी की तलाश जारी

हल्द्वानी। पिछले छह दिनों से लापता हल्द्वानी के कारोबारी रमेश चंद्र जोशी का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस ने आज फिर से चोरगलिया के जंगलों में कांबिंग ऑपरेशन चलाया, लेकिन कारोबारी का कोई पता नहीं चला। पुलिस के अनुसार, नीलांचल कॉलोनी डहरिया निवासी रमेश चंद्र जोशी की हल्द्वानी मंडी में कई दुकानें हैं। 30 जनवरी को वह अपनी स्कूटी लेकर घर से निकले थे, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटे। उनके बेटे करन जोशी ने 31 जनवरी को हल्द्वानी कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने रमेश चंद्र जोशी के मोबाइल को सर्विलांस पर लगाकर उसकी लोकेशन का पीछा किया। इस दौरान पुलिस को जोशी का मोबाइल चोरगलिया स्थित सूर्या देवी मंदिर के पास के जंगल में आखिरी बार सक्रिय पाया गया। मौके पर पहुंचने पर पुलिस को रमेश की स्कूटी और मफलर मिले, जिससे यह साफ हो गया कि वह इस क्षेत्र में थे। इसके बाद पुलिस ने जंगल में छानबीन की, लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस ने फिर से सर्च ऑपरेशन शुरू किया है, और कोतवाल विजय मेहता ने आश्वासन दिया कि जल्द ही रमेश चंद्र जोशी का पता चल जाएगा और उन्हें सकुशल बरामद किया जाएगा।

निहारिका और मानसी ने रोशन किया प्रदेश का नाम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लालकुआं स्थित चाइल्ड सैक्रेड सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रतिभाशाली छात्राओं ने जूडो में उत्तराखंड और जिले का नाम रोशन किया है। स्कूल की निहारिका जोशी 36 किग्रा वर्ग और मानसी रावत 70 किग्रा वर्ग ने मणिपुर के इम्फाल में गत माह आयोजित 69वीं स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया राष्ट्रीय जूडो चैंपियनशिप में कांस्य पदक अपने नाम किए। नैनीताल जूडो एसोसिएशन के सचिव एवं विद्यालय कोच दिनेश कुमार ने बताया कि दोनों बालिकाओं ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दमखम और तकनीक का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसके अलावा, विद्यालय की अन्य छात्राएं डिंपल जोशी, अर्चना चौहान और खुशी जोशी ने भी राज्य स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित की।

इस सफलता ने न केवल छात्राओं के अथक परिश्रम और जज्बे को उजागर किया है। इस मौके पर उत्तराखंड जूडो एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बसंत पांडे, विद्यालय की एमडी सुनीता शर्मा पांडे, प्रधानाचार्य डा. प्रीति सिंह, सांसद अजय भट्ट, विधायक डा. मोहन बिष्ट, पूर्व कैबिनेट मंत्री हरीश चन्द्र दुर्गपाल, पूर्व विधायक नवीन दुम्का आदि लोगों ने छात्राओं को शुभकामनाएं दी।

सेनेटरी नैपकिन वितरित किए

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रोटरी क्लब हल्द्वानी ने समाजसेवा की मिसाल पेश करते हुए एसबीआई के सीएसआर प्रोजेक्ट के तहत पिछले 15 दिनों में हल्द्वानी क्षेत्र के 10 सरकारी विद्यालयों में छात्राओं को 2500 पुनः प्रयोग योग्य सेनेटरी नैपकिन वितरित किए। यह वितरण अलग-अलग दिनों में विद्यालय प्रांगण में टीम भावना के साथ किया गया। इस अवसर पर छात्राओं को नैपकिन के सही उपयोग और मासिक धर्म स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए रोटरी क्लब ने विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षिका रेखा आर्या ने प्रत्येक विद्यालय में जाकर छात्राओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। नैपकिन वितरण से लाभान्वित विद्यालयों में राजकीय गर्ल्स इंटर कॉलेज,

बनभूलपुरा राजकीय गर्ल्स हाईस्कूल, गांधीनगर, राजकीय गर्ल्स हाई स्कूल राजपुरा, राजकीय गर्ल्स हाईस्कूल, बमौरी, राजकीय गर्ल्स हाईस्कूल, जवाहर ज्योति, नगर निगम गर्ल्स इंटर कॉलेज काठगोदाम, राजकीय इंटर कॉलेज, लामाचौड़, राजकीय इंटर कॉलेज फूलचौड़, राजकीय हाईस्कूल, छड़ैल, राजकीय हाईस्कूल मुखानी शामिल हैं। विद्यालयों की ओर से सविता श्रीवास्तव, सुमन बिष्ट, ज्योति पंत, जया पांडे, शाइस्ता अबरार, आशा कनोजिया, कस्तूबा नंद लोहनी, आशीष शर्मा, गिरजा पाठक और मधु पांडे मौजूद रहे। जबकि एसबीआई की ओर से संतोष मिश्रा, हेमंत पुजारी, निहारिका कुमारी, वर्तिका राय, प्राची सिंह और मनोज बिष्ट व रोटरी क्लब की ओर से अध्यक्ष मनोज शाह, महामंत्री आशीष दुम्का, विनोद गड़कोटी और विजय शर्मा मौजूद रहे।

जीएनजी को हराकर फाइनल में पहुंची कोल्ट्स

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में कराई जा रही अंडर-19 बालक वर्ग की जिला क्रिकेट लीग का दूसरा सेमी फाइनल मुकाबला गुरूवार को जीएनजी क्रिकेट ग्राउंड में कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी और जीएनजी के बीच हुआ। जिसमें कोल्ट्स क्रिकेट टीम ने 3 विकेट से मैच जीत लिया। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। जीएनजी की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 41वें ओवर में 235 रनों बनाकर आलआउट हो गई। टीम के लिए प्रतीक तिवारी ने 96, कुशाग्र कोरंगा ने 46 रनों का योगदान दिया। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज राहुल नौलिया ने 3, प्रांजल रैकवाल ने 2, विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी की टीम ने 43वें ओवर में प्रांजल रैकवाल के 68, देवानंद जोशी के 45, दिवजोत कोहली और शशांक दुमका के 36-36 रनों की बदौलत 7 विकेट के नुकसान पर 239 रन बनाकर 3 विकेट से मैच जीत लिया। मैन ऑफ-द मैच का पुरस्कार कोल्ट्स क्रिकेट टीम के आलराउंड प्रांजल रैकवाल को दिया गया। अंपायर की भूमिका में शिवम् पांडे, और विनोद पंतोला रहे जबकि स्कोरर की भूमिका हरप्रीत सिंह कम्बोज ने निभाई। इस मौके पर जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपनै, नरेंद्र अधिकारी, आनंद बिष्ट, किशन अनेरिया, दिग्विजय कनवाल, विजय कुकसाल, विजय आर्या, विक्रम बोरा, मनोज पंत मौजूद रहे।

तरणताल बचाने के लिए हस्ताक्षर अभियान

पार्षद मनोज जोशी ने सरकार और प्रशासन से पुनर्निर्माण की उठाई मांग

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जर्जर हालत में पड़े तरणताल को पुनर्निर्माण की मांग को लेकर गुरूवार को पार्षद मनोज जोशी ने तरणताल गेट पर हस्ताक्षर अभियान चलाकर सरकार और प्रशासन से इस ऐतिहासिक स्थल के पुनर्निर्माण की मांग की है। तरणताल हस्ताक्षर अभियान के दौरान पार्षद मनोज जोशी ने कहा कि तरणताल हल्द्वानी का दिल है, जहां गरीब और अमीर दोनों तैराकों को समान रूप से प्रशिक्षण मिलता था। यह वो स्थल था, जहां राष्ट्रीय स्तर पर तैराक अपनी प्रतिभा दिखाते थे। पहले यहां कम लागत में मिनिमम शुल्क लिया जाता था, लेकिन अब इस ऐतिहा.

सिक स्थल को उपेक्षित किया जा रहा है। उन्होंने कहा नया तरणताल बनाने के लिए तो पैसे हैं, लेकिन पुराने तरणताल की मरम्मत के लिए कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा इस मामले में कई बार अधिकारियों को इस स्थिति के बारे में अवगत करा चुके है लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। मनोज जोशी ने कहा कि वह खुद राष्ट्रीय स्तर के तैराक रह चुके हैं, और वे इस बात से दुखी हैं कि जिस पुल में उन्होंने अपनी बचपन की यादें संजोई, वह आज खंडहर में तब्दील हो चुका है। उन्होंने कहा, यह पुल अब पूरी तरह से जर्जर हो चुका है, इसमें घास, झाड़ियां और काई जमा हो गई है। उन्होंने कहा जहां सरकार खेलों को बढ़ावा देने की बात करती है, लेकिन इस ऐतिहासिक स्थल के पुनर्निर्माण की कोई योजना नहीं बन रही है। जोशी ने कहा यह स्थल कभी हल्द्वानी का गर्व हुआ करता था, लेकिन अब यह उपेक्षित और खंडहर में बदल चुका है। इस हस्ताक्षर अभियान में पार्षद मनोज जोशी के साथ राहुल जोशी, पवन बिष्ट, अभय जोशी, लीला कांडपाल, कृपाल मेहरा, जीतू, कुनाल, अर्जुन रौतेला सहित कई अन्य स्थानीय लोग मौजूद थे।

उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण में सदस्य बनीं डा. एल्बा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण में डा. एल्बा मंड्रेले को सदस्य के रूप में नामित किए जाने पर ईसाई समुदाय के लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है। समुदाय के विभिन्न लोगों ने इसे शिक्षा, समान अवसर और अल्पसंख्यक हितों के लिए एक प्रेरणादायक और सकारात्मक कदम बताया। डा. एल्बा मंड्रेले वर्तमान में राजकीय महाविद्यालय कपकोट में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं।

इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगी। डा. मंड्रेले ने कहा कि अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष, समस्त सदस्यों और उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य डा. सुरेंद्र जैन का मार्गदर्शन एवं सहयोग उन्हें अपने दायित्वों के प्रभावी निर्वहन में हमेशा प्राप्त होता रहेगा। इस मौके पर मेथोडिस्ट चर्च के डीएस रेव. विनय गवन, हल्द्वानी मेथोडिस्ट चर्च के पादरी रेव. राजीव ई. मैसी, संजय निर्मल, लिली सिंह, पुनीत हैरिस, राजीव बख्श सहित कई लोगों ने डा. मंड्रेले को बधाई दी।

शिव कथा का हवन-यज्ञ के साथ पारायण

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा एमबी इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित सात दिवसीय श्री शिव कथा का गुरूवार को विधिवत समापन हवन-यज्ञ के साथ किया गया। इस शुभ अवसर पर वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार मंत्रोच्चारण के बीच हवन-यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। शिव कथा के दौरान कथावाचक ने भगवान शिव के दिव्य चरित्र, लीलाओं और शिव तत्व के गूढ़ रहस्यों का भावपूर्ण वर्णन किया, जिससे श्रोतागण भाव-विभोर हो उठे। कथा के समापन अवसर पर आयोजित हवन-यज्ञ में भगवान शिव से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता की कामना की गई। हवन-यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने आहुति प्रदान करते हुए परिवार, समाज और राष्ट्र के कल्याण की प्रार्थना की। कार्यक्रम के समापन पर आयोजक समिति के सदस्यों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में नैतिक मूल्यों के विकास को प्रोत्साहित करते हैं और लोगों के बीच आपसी प्रेम, भाईचारे तथा सद्भावना की भावना को सशक्त बनाते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और भक्ति के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर क्षेत्र सेवा प्रमुख, आरएसएस धनीराम, राजेश अग्रवाल, रितेश डाबर, जसनीत सिंह, विपिन गुप्ता, एकता, कविता, दीवान डोगरा आदि मौजूद रहे।

गोलज्यू महाराज का दसवां वार्षिक उत्सव प्रारंभ

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कुमाऊं की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को सहेजने के उद्देश्य से गोल्ज्यू महाराज स्थापना समिति राजेंद्र नगर हल्द्वानी की ओर से गुरुवार को गोल्ज्यू महाराज के दसवें वार्षिक उत्सव का शुभारंभ जागर आयोजन के साथ किया गया। आयोजन में कुमाऊनी परंपरा के अनुसार गोल्ज्यू महाराज की जागर लगाई गई। जगरिया गंगाराम डांगरिया व आनंद गुरु रहे। गोल्ज्यू महाराज स्थापना समिति के अध्यक्ष रविंद्र बाली आर्य ने कहा कि समिति प्रत्येक वर्ष गोल्ज्यू महाराज का कार्यक्रम आयोजित करती है और इस वर्ष आयोजन का दसवां वर्ष है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कुमाऊं की संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखना तथा आने वाली पीढ़ी को अपने संस्कारों और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना है। इस मौके पर पवन कुमार, रीना, अंजू लता, बिमला देवी, ममता देवी, मीना देवी, अंजना, जमुना देवी, हितेश शर्मा, राधेश्याम रावत, गीता देवी, लीला देवी, राजू, दिनेश, सागर, अजय आर्य, साक्षी, पवन बिष्ट, गोविंद सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

कुमांऊनी भाषा संरक्षण के लिए बालिका इंटर कॉलेज में हुआ रंगारंग कार्यक्रम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। संस्था सौहार्द जनसेवा समिति द्वारा कुमांऊनी भाषा के संवर्धन और संरक्षण के लिए गुरूवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में रंगारंग कार्यक्रम के साथ

कई प्रतियोगिता संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्य डा. भारती नारायण भट्ट व संस्था की अध्यक्ष विद्या महतोलिया द्वरारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के 22 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रतियोगिताएं विषयवार आयोजित की गई, जिनमें स्वच्छता एवं पर्यावरण, देश प्रेम, नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण, हमारी संस्कृति हमारी पहचान, हमारी भाषा हमारी पहचान और स्वरचित कविता शामिल रही। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार छात्रा चंद्रा परगाई, द्वितीय पुरस्कार लकी आर्या और तृतीय पुरस्कार रीति लोधी एवं रौशनी ने जीता। उत्कृष्ट गायिका के रूप में कंचन तिवारी और दिव्यांग छात्रा पूजा मेहता को सम्मानित किया गया। संस्कृति और देश प्रेम पर आधारित कुमांऊनी कविता प्रस्तुत करने पर इफरत जावेद को सम्मानित किया गया। इस दौरान संस्था की अध्यक्ष विद्या महतोलिया ने कहा कि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से दूरी बना रही है, जबकि भाषा किसी व्यक्ति की मूल पहचान होती है। उन्होंने आग्रह किया कि बच्चों और युवाओं में अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना पैदा की जाए। कार्यक्रम में डा. भगवती पनेरू, लता कुंजवाल, डिंपल जोशी, विद्या जोशी, डा. गीता मिश्रा, पूर्णिमा पाण्डेय, शशि जोशी, ममता भट्ट, अंजू पांडेय, मोहन जोशी, माया उप्रेती, पुनीता पांडेय, ईश्वर भट्ट, मधु चौहान, सुनीता जोशी आदि मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286

मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

मोबाइल शॉप से 14 लाख की चोरी

मोबाइल-लैपटॉप अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान, नकदी और डीवीआर किया पार

- पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची, साक्ष्य एकत्र किए
- एक साल पूर्व भी शोरूम में हुई थी लाखों के मोबाइल की चोरी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। शहर में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। देर रात शहर के अतिव्यस्त अग्रसेन चौक स्थित मल्टी ब्रांड मोबाइल स्टोर "मोबाइल मंत्रा" में अज्ञात चोरों ने सेंध लगाकर करीब 14 लाख रुपये मूल्य के मोबाइल फोन व लैपटॉप चोरी कर लिए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। दुकान मालिक के अनुसार चोर दुकान से महंगे मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान लेकर फरार हो गए। मौके पर किच्छा के विधायक तिलक राज बहेड़, रुद्रपुर महापौर विकास शर्मा, व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा, प्रमुख समाजसेवी संजय ठुकराल, सुशील बाबा, मनोज छाबड़ा, व्यापार मंडल की कार्यकारिणी तथा बड़ी संख्या में व्यापारी और मीडिया कर्मी मौजूद रहे। व्यापारियों में घटना को लेकर रोष देखा गया।

उल्लेखनीय है कि इसी दुकान में करीब एक वर्ष पूर्व भी चोरी की वारदात हो चुकी है, लेकिन अब तक उस मामले का खुलासा नहीं हो पाया। व्यापारियों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए शीघ्र खुलासे की मांग की है। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। मामले में तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

अग्रसेन चौक पर ग्रीन पार्क निवासी गौरव मुंजाल की मोबाइल की दुकान है। गौरव के अनुसार बुधवार की रात वह दुकान बंद कर घर चल गया था। गुरुवार को दुकान पहुंचा तो मोबाइल गायब थे और सामान अस्त व्यस्त पड़ा था। चोर दुकान की बगल में सीढ़ी से छत पर पहुंचे और दरवाजा उखाड़कर अन्दर घुसे। इसके बाद सारे मोबाइल लेकर छत पर आए। कवर से मोबाइल निकलकर डिब्बे छत पर ही छोड़ गए। चोर सीसीटीवी की डीवीआर भी ले गए। घटना की सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है। विधायक तिलक राज बेहड़ और व्यापारी नेताओं ने भी मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। उन्होंने चोरी का शीघ्र खुलासा करने की मांग की है। दुकान स्वामी गौरव मुंजाल ने बताया कि अज्ञात चोर साथ ही लगी सीढ़ियों से दोमंजिल पर पहुंचे और उन्होंने शोरूम के ऊपर लगे गेट को उखाड़ दिया। जिसके बाद सीढ़ियों से नीचे शोरूम में आ गये और उन्होंने शोरूम में रखे लाखों रुपये के कीमती मोबाईल, डीवीआर, लेपटॉप, हजारों की नगदी, मोबाईल से सम्बधित भारी संख्या में सामान चोरी कर लिया। उनका कहना है कि चोर शोरूम से पानी का कैम्पर भी दोमंजिल पर ले गए जहां उन्होंने पानी पिया और डिब्बों से मोबाईल निकाले। गौरव ने बताया कि चोरी हुए सामान व नगदी का विस्तृत विवरण शोरूम का पूरा निरीक्षण करने के बाद ही पता चल सकेगा। उन्होंने बताया इससे पूर्व भी उनके शोरूम में लाखों के मोबाईल की चोरी हुई थी जिसका पूरा विवरण पुलिस को दिया था, लेकिन पुलिस आज तक घटना का खुलासा नहीं कर पाई है। उन्हें सिर्फ खुलासे का भरोसा ही मिला है।

इधर व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण ही नगर में आपराधिक मामलों की बाढ़ सी आ गई है। चोरी, लूट, हत्या, अपहरण, बलात्कार आदि अपराध अब सामान्य बात हो गए हैं। वहीं नशा, अवैध हथियार तस्करी लगतार बढ़ती जा रही है। जिससे आम जनता में पुलिस पर से विश्वास उठता जा रहा है। चीता मोबाईल टीम रात्रि गश्त के नाम पर महज खानापूर्ति कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस ने घटना का शीघ्र खुलासा नहीं किया तो व्यापार मंडल आन्दोलन शुरू करने को बाध्य हो जाएगा।

फसल जोतने के दोषियों पर कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। कांग्रेस विधायक व उपनेता प्रतिपक्ष भुवन चंद्र कापड़ी ने अपने कार्यालय पर खटीमा तहसील क्षेत्र के ग्राम बगुलिया, दमगड़ा, खालीमहुवट में विगत दिनों एसडीएम, राजस्व विभाग व पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में किरन तलवार की 125 एकड़ भूमि में खड़ी फसल गेहूं, गन्ना, लाई व मटर को जबरदस्ती रौंदकर भूमाफियाओं को कब्जा दिलाने के आरोप मामले में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि प्रशासन की मौजूदगी में बगैर वैधानिक आदेश के लगभग 125 एकड़ कृषि भूमि पर खड़ी फसलों को जबरन नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह एक अत्यंत गंभीर, दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय मामला है। इस घटना ने कानून व्यवस्था, किसान हितों तथा शहीद परिवारों के सम्मान पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। विधायक कापड़ी ने कहा कि यह घटना उत्तराखंड मुख्यमंत्री के घर से महज कुछ दूरी पर हुई है जो उनकी ग्राम सभा से लगती है। ऐसे में उत्तराखंड सहित खटीमा के किसान व आम नागरिक शासन प्रशासन पर कैसे भरोसा कर सकते हैं।

एक नजर

गोशाला में लगी आग, तीन बकरियां झुलसीं

शाह टाइम्स संवाददाता

पशुओं को बचाने में युवक भी हुआ घायल

बाजपुर। हरिपुरा जबरन गांव में मंगलवार देर रात करीब एक बजे अज्ञात कारणों से एक गौशाला में अचानक आग लग गई। आग खान सिंह की गौशाला में लगी। जिसमें उनके पुत्र कुलदीप सिंह पशुओं को बचाने का प्रयास करते हुए झुलसकर घायल हो गए। हादसे में गौशाला में बंधी तीन बकरियां गंभीर रूप से झुलस गईं, जबकि अन्य घरेलू सामान भी आग की चपेट में आकर जलकर नष्ट हो गया। आग लगने की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग पर काबू पाया।

घटना के बाद नेता प्रतिपक्ष एवं क्षेत्रीय विधायक यशपाल आर्य के निर्देशानुसार अभिषेक तिवारी, ग्राम प्रधान प्रमोद जोशी, बीडीसी सदस्य नीरज रोतेला, जिला पंचायत सदस्य फुरकान अहमद एवं ललित चौबे मौके पर पहुंचे। प्रतिनिधियों ने अग्निपीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। प्रतिनिधिमंडल ने उप जिलाधिकारी डॉक्टर अमृता शर्मा से वार्ता कर पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता दिलाने की मांग की। साथ ही सरकार से अधिक से अधिक मुआवजा प्रदान किए जाने की मांग भी की गई। प्रशासन की ओर से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

बुक्सा समाज के ढोल वादक कन्हैया सिंह होंगे उत्तरायण कौतिक महोत्सव में सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। सेवा संकल्प धारनी फाउंडेशन द्वारा उत्तराखंड की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत, लोककला, साहित्य, हस्तशिल्प, पारंपरिक खानपान, बोली-भाषा एवं लोक परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में उत्तरायण कौतिक महोत्सव के अवसर पर बुक्सा समुदाय की ढोल वादन लोककला को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले ढोल वादक कन्हैया सिंह (निवासी भषषुवाला) को सम्मानित किए जाने के लिए चयनित किया गया है।

क्लस्टर की अध्यक्ष उमा जोशी ने बताया कि कन्हैया सिंह को आठ फरवरी को परेड ग्राउंड, देहरादून में आयोजित उत्तरायण कौतिक महोत्सव में उत्तराखंड के यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

कन्हैया सिंह का नाम चयनित होने पर समाजसेवी उमा जोशी, वरिष्ठ भाजपा नेता खेम सिंह दानू तथा राज्य एसटी/एससी उपयोजना अनुश्रवण समिति के सदस्य महेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने इसे क्षेत्र एवं बुक्सा समाज के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि ऐसे सम्मान से लोककलाओं को नई पहचान और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलती है।

कायाकल्प टीम ने किया सरकारी अस्पताल का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। भारत सरकार की कायाकल्प अवार्ड योजना के अंतर्गत गुरुवार को पिथौरागढ़ से आई दो सदस्यीय टीम ने का निरीक्षण किया। टीम में क्वालिटी मैनेजर चन्दन पंवार एवं मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर अमन आलम शामिल रहे।

निरीक्षण के दौरान टीम ने अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन किया। क्वालिटी मैनेजर चन्दन पंवार के नेतृत्व में टीम ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, रजिस्टरों के संधारण, आवश्यक अभिलेखों एवं अन्य व्यवस्थाओं की जांच की। निरीक्षण के दौरान सामने आई कुछ कमियों को शीघ्र दूर करने के निर्देश भी संबंधित कर्मचारियों को दिए गए। टीम ने बताया कि जिन अस्पतालों में सभी मानक संतोषजनक पाए जाएंगे। उन्हें कायाकल्प अवार्ड के लिए चयनित किया जाएगा। इस मौके पर सिस्टर इंचार्ज रीना सिंह, गीता रावत, नर्सिंग ऑफिसर रेनू, मंजू, नेहा, नीमा, प्रियंका, आया ममता, सोनी, ममता, नवीन, दलजीत सिंह गोराया, आशीष सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे।

एनएनएमएस छात्रवृत्ति में चार छात्रों का चयन

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। राजकीय इंटर कॉलेज हरिपुरा हरसान के चार होनहार छात्र-छात्राओं ने एनएनएमएस एवं राज्य स्तरीय छात्रवृत्ति योजनाओं में सफलता हासिल कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

गौरतलब है कि एनएनएमएस छात्रवृत्ति की परीक्षा दिसंबर माह में संपन्न हुई थी। जिसमें कक्षा 8 के छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करते हैं। चयनित विद्यार्थियों को केंद्र सरकार की ओर से एनएनएमएस छात्रवृत्ति तथा राज्य सरकार की ओर से शिवानंद नौटियाल एवं श्रीदेव सुमन छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। शिवानंद नौटियाल छात्रवृत्ति विकासखंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को दी जाती है। शिवानंद नौटियाल छात्रवृत्ति के अंतर्गत चयनित छात्रों को ध1500 प्रतिमाह, जबकि श्रीदेव सुमन एवं एनएनएमएस छात्रवृत्ति योजनाओं में चयनित छात्रों को कक्षा 9 से 12 तक 1000 प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। राजकीय इंटर कॉलेज हरिपुरा हरसान से लक्षिता जोशी का चयन केंद्र सरकार द्वारा संचालित एनएनएमएस छात्रवृत्ति योजना में हुआ है, जबकि दिवाकर सेन, कशिश एवं निखिल मेहरा का चयन श्रीदेव सुमन छात्रवृत्ति योजना के लिए किया गया है। इन सभी विद्यार्थियों को कक्षा 9 से 12 तक प्रतिमाह 1000 की छात्रवृत्ति मिलेगी। छात्रों की इस उपलब्धि में विद्यालय के अध्यापक तारा दत्त जोशी एवं खष्टी बवाड़ी का विशेष योगदान रहा।

जनहित व जलाशय की सुरक्षा सर्वोपरिः डीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने हरिपुरा व बौर जलाशय में जमा सिल्ट को हटाने हेतु सिंचाई, राजस्व, वन व खनन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि जनहित व जलाशय की सुरक्षा के दृष्टिगत सिल्ट हटाना आवश्यक है। इसलिए सम्बन्धित अधिकारी वर्षाकाल से पूर्व सिल्ट हटाने हेतु कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने अपर जिलाधिकारी को निर्देश दिये कि सिंचाई, राजस्व, वन एवं खनन विभाग के अधिकारियों के साथ कमेटी बनाकर जलाशयों का सर्वे कर रिपोर्ट शासन को भेजे। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिये जनपद के अन्य नदियों में भी यदि रिवर ड्रेजिंग कराने के आवश्यकता है तो सर्वे करते हुए प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करें ताकि वर्षाकाल से पूर्व रिवर ड्रेजिंग करायी जा सकें।

बैठक में उप जिलाधिकारी/ओसी ऋचा सिंह, डा. अमृता शर्मा, अधीक्षण अभियंता सिंचाई पीके दीक्षित, अधिशासी अभियंता बीएस डांगी, जिला खनन अधिकारी मनीष कुमार, उप प्रभागीय वनाधिकारी शशि देव आदि उपस्थित थे व वर्चुअल के माध्यम से अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र जुड़े थे।

ओवरलोड ई-रिक्शा पलटा चालक बाल-बाल बचा

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। बाजपुर रेलवे क्रॉसिंग पर गुरुवार को ओवरलोड ई-रिक्शा सड़क पर अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और ई-रिक्शा चालक बाल-बाल बच गया। दुर्घटना के चलते कुछ समय के लिए यातायात व्यवस्था भी प्रभावित रही।

ई-रिक्शा चालक बाजपुर की तरफ जा रहा था, ई-रिक्शा में क्षमता से अधिक बोरियां लदी हुई थीं। जैसे ही ई-रिक्शा रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंचा। अधिक भार के कारण संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए चालक को सुरक्षित बाहर निकाला और ई-रिक्शा को सड़क किनारे हटवाया। इसके बाद यातायात व्यवस्था को सुचारू किया जा सका। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व बरहैनी क्षेत्र में भी इसी तरह ओवरलोड ई-रिक्शा पलटने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो चुकी है। इसके बावजूद ओवरलोड ई-रिक्शाओं का संचालन लगातार जारी है, जो किसी बड़े हादसे को दावत दे रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ओवरलोड ई-रिक्शाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

सीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट ड्रेनेज प्लान पर जल्द होगा कार्य

- नगर के 16.00 वर्ग किमी क्षेत्रफल में 321 करोड़ से होगा ड्रेनेज प्लान
- ऐंठा, करा व मुकरान नालों की होगी अहम भूमिका

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट नगर में जल भराव से निजात की व्यवस्था करना है। नगर के ड्रेनेज प्लान के लिए 321 करोड़ के स्टमेट की व्यवस्था शासन स्तर पर अंतिम चरण में है। वर्ष 2023 से ड्रेनेज प्लान के लिए जिलाधिकारी स्तर पर संबंधित विभागाधिकारियों की पांच बैठकों में कई कमियों का निस्तारण किया जा चुका है। इस संबंध में 3 जनवरी 2026 को हुई अंतिम बैठक के बाद अंतिम स्वीकृति एवं टोकन मनी मिलने की उम्मीद है।

नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चन्द्र जोशी द्वारा सीएम की घोषणा के तहत खटीमा की ड्रेनेज व्यवस्था पर सिंचाई विभाग के अधिशासी अधिकारी आनंद नेगी से चर्चा की। ए ए नेगी ने बताया कि लगभग 16.00 वर्ग किमी क्षेत्रफल वाले नगर के भू-भाग पर बरसाती पानी के निकास के प्राकृतिक स्रोत ऐंठा नाला, खकरा नाला तथा मुकरान नालों को बनाया गया है। इसके अतिरिक्त नगर के पीलीभीत रोड, टनकपुर रोड, सितारगंज रोड तथा मेलाघाट रोड के एक ओर पांच फिट गहरे, पांच फिट चौड़ी नालियां बनाई जाएंगें।

इनका निकास ऐंठा, खकरा, मुकरान नाले के अलावा लोहिया नदी में होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के इस ड्रीम प्रोजेक्ट मास्टर ड्रेनेज प्लान वर्ष 2023 की वर्तमान शहरी स्थिति तथा वर्ष 2047 तक की संभावित शहरी वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए तैयार किया गया है। नगर की ड्रेनेज व्यवस्था के तहत नगर क्षेत्र के अंतर्गत बरसात के पानी की प्रभावी निकासी सुनिश्चित करना है। जिसके तहत निर्मित प्राथमिक नालों की क्षमता का आंकलन, प्राकृतिक नालों व नदियों, पुलों एवं कल्वर्टर्स की वहन क्षमता का अध्ययन जल भराव की समस्या के समाधान हेतु पंपिंग व्यवस्था भविष्य में शहरी विकास 2047 को ध्यान में रखते हुए ड्रेनेज ढांचे का प्रस्ताव आदि बिंदुओं पर गहनता से विचार विमर्श उपरांत किया गया हैं।

सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता नेगी ने बताया कि आगामी वित्तीय वर्ष की शुरुआत में नगर में ड्रेनेज कार्य की शुरुआत हो जायेगा। एई नेगी ने पालिकाध्यक्ष जोशी रामू से ऐंठा नाला, खकरा नाला व मुकरान नालों को अतिक्रमण मुक्त कराने बाबत चर्चा की।

चेयरमैन जोशी ने बताया कि नगर के इन तीनों नालों के अतिक्रमण चिह्नित हो चुके हैं। नाले के दोनों ओर लगे निशानों पर फिनिशिंग कार्य होना है। यह कार्य ड्रेनेज कार्य की शुरुआत के साथ किया जाएगा।

महापंचायत को लेकर की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। महिला एकता मंच ने अंकिता भंडारी की हत्या में शामिल वीआईपी का नाम उजागर करने, महिलाओं की सुरक्षा देने, जंगली जानवरों से इंसानों फसलों और मवेशियों की सुरक्षा आदि मांगों को लेकर 8 फरवरी को देहरादून परेड ग्राउंड में अंकिता न्याय यात्रा संयुक्त संघर्ष मंच द्वारा आयोजित महापंचायत में आम जनता से शामिल होने का आह्वान किया है।

महापंचायत को सफल बनाने के लिए रामनगर में व्यापक जन संपर्क अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सरस्वती जोशी ने कहा कि उत्तराखंड में महिलाएं और आम जनता की कोई सुरक्षा नहीं है। एक तरफ समाज के वहशी दरिंदे महिलाओं का यौन उत्पीडन कर रहे हैं तो दूसरी तरफ जंगली जानवर आम इंसानों पर हमले कर रहे हैं और भाजपा सरकार जनता को सुरक्षा देने में नाकाम साबित हो रही है। कौशल्या ने कहा कि हालात इतने खराब है कि देहरादून में गुंजन के परिजन रिपोर्ट लिखवाने थाने जाते हैं, लेकिन पुलिस उनकी रिपोर्ट ही दर्ज नहीं करती, जिसके परिणाम स्वरुप देहरादून में दिनदहाड़े गुंजन की हत्या हो जाती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा उत्तराखंड ही नहीं बल्कि देश में एक अहम सवाल बन चुका है। इस दौरान उषा पटवाल, धना तिवारी, दुर्गा देवी, कुसुम, ललित उप्रेती, किसन शर्मा, मुनीष कुमार, परवीन सैनी समेत दर्जनों लोग शामिल हुए।

देहरादून में दिनदहाड़े हुई हत्या के विरोध में कांग्रेसियों का प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। प्रदेश की राजधानी देहरादून के व्यस्त पलटन बाजार में दिनदहाड़े हुई गुंजन की निर्मम हत्या के विरोध में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने लखनपुर चुंगी पर जोरदार प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस ने प्रदेश की चरमराई कानून-व्यवस्था के लिए प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और डीजीपी उत्तराखंड का पुतला दहन किया।

पुलिस की लापरवाही पर सवाल उठाते हुए प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुमित लोहनी ने कहा कि यह हत्या केवल एक अपराधी की क्रूरता नहीं बल्कि उत्तराखंड पुलिस की कार्यप्रणाली पर गहरा धब्बा है। मृतका गुंजन ने अपनी हत्या से दो दिन पूर्व पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। यदि पुलिस समय रहते कार्रवाई करती, तो आज एक बेटी जिंदा होती। उन्होंने गुंजन के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए मामले की सुनवाई फास्ट-ट्रैक कोर्ट में करने की मांग की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष अमित कुमार, सभासद सलमान सलमानी, सचिन कुमार, विकाश कुमार आर्य, नितिन शाह, दीपक सिंह रावत, प्रमोद कुमार, सोनू तिवारी, शेखर चंद्र, रोहित नेगी, आकाश रावत आदि मौजूद रहे।

समस्याओं के निस्तारण को शिविरों का आयोजन नौ से 20 फरवरी तक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण हेतु जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के अन्तर्गत अभियान को जनपद में 20 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 09 फरवरी सोमवार को विकास खण्ड खटीमा के अन्तर्गत सनातन धर्मशाला निकट नगर पालिका खटीमा में अपर जिलाधिकारी वि./रा. की अध्यक्षता में शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह 10 फरवरी मंगलवार को सितारगंज के बन्नाखेड़ा शिव मंदिर के पास प्रागंण में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में व 11 फरवरी को नगर पंचायत परिसर नानकमत्ता में अपर जिलाधिकारी वि./रा. की अध्यक्षता में, 13 फरवरी को गदरपुर के वार्ड नं.-3 पार्किंग परिसर निकट कोतवाली गदरपुर में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में, 16 फरवरी को जसपुर के नगर पंचायत स्थित मंगल बाजार के बारात घर में जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में, 17 फरवरी को काशीपुर के नगर निगम परिसर अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में, 18 फरवरी को बाजपुर के चीनी मिल परिसर में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में व 20 फरवरी को रुद्रपुर के नगर निगम रूद्रपुर परिसर में जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया जायेगा। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिये है कि कैम्प के उपरांत क्षेत्र का भ्रमण किया जाए तथा उस क्षेत्र के सभी पात्र व्यक्तियों को केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित किये जाने हेतु आवेदन पत्र भरवाये जाय तथा प्रयास किया जाए कि उस क्षेत्र के सभी निवासी केन्द्र व राज्य सरकार की सभी प्रकार की योजनाओं से लाभान्वित हो सकें तथा कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे।

प्रवेश शुल्क के नाम पर अवैध वसूली का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र शर्मा ने नगर पालिका और ठेकेदारों का किया विरोध

रामनगर। रामनगर में प्रवेश शुल्क के नाम पर पर्यटकों से की जा रही वसूली को लेकर विवाद खड़ा हो गया। सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र शर्मा ने नगर पालिका द्वारा लगाए गए प्रवेश शुल्क का विरोध करते हुए इसे अवैध करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका के ठेकेदार पीडब्ल्यूडी और नेशनल हाईवे मार्गों पर भी प्रवेश शुल्क के नाम पर अवैध वसूली कर रहे हैं, जो नियमों के विरुद्ध है।

नरेंद्र शर्मा ने कहा कि नियमों के अनुसार नगर पालिका केवल अपने नगरीय क्षेत्र की सीमा के भीतर ही प्रवेश शुल्क वसूल सकती है, लेकिन इसके बावजूद नगर पालिका क्षेत्र से बाहर, राष्ट्रीय राजमार्ग और राज्य मार्गों पर भी पर्यटकों से शुल्क लिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे शहर की छवि भी धूमिल हो रही है।

बताया कि विरोध के दौरान नगर पालिका के अंतर्गत ठेका लिए ठेकेदारों के कर्मचारियों से उनकी तीखी बहस भी हुई। उन्होंने ठेकेदारों पर आरोप लगाया कि वे जबरन शुल्क वसूलकर अतिथि देवो भवः की भावना को तार-तार कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस तरह की वसूली से पर्यटकों में गलत संदेश जा रहा है और पर्यटन पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है।

वहीं इस मामले में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी आलोक उनियाल ने कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने बताया कि पूरे प्रकरण की जांच की जाएगी और यदि कहीं नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व सैनिकों की समस्याओं का निस्तारण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताः असवाल

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। भारतीय पूर्व सैनिक लीग के उत्तराखंड के अध्यक्ष मेजर जनरल एमएल असवाल का लखनपुर स्थिति सैनिक विश्राम गृह में आयोजित समारोह में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, सैनिक आश्रितों एवं एनसीसी कैडेट्स द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। जनरल असवाल ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के सभी पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों की सभी समस्याओं के लिए गांव स्तर, नगर स्तर, जिला स्तर से लेकर राज्य स्तर तक चित व त्वरित कार्रवाई की जा रही है जोकि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने रामनगर क्षेत्र के कैप्टन हरेन्द्र बिष्ट द्वारा छात्रों को सेना में भरती होने के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण करने, सूबेदार मेजर एनडब्लूएम खान द्वारा छात्र-छात्राओं को निःशुल्क फुटबॉल और एथलीट प्रशिक्षण देने, कंपनी हवलदार मेजर मंगल सिंह और हवलदार गजेन्द्र चौहान द्वारा निःशुल्क सेना भर्ती प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराने में अपना बहुमूल्य योगदान देने के लिए काफी सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्व सैनिकों को इन लोगों से प्रेरणा लेकर निःस्वार्थ समाज सेवा और जनसेवा के लिए आगे बढ़कर आना चाहिए ताकि पूर्व सैनिकों की छवि हमारे समाज में आदर और सम्मान की दृष्टि से प्रस्तुत हो सके। उन्होंने जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी हल्द्वानी द्वारा पूर्व सैनिकों की समस्याओं के उचित समाधान किए जाने की प्रशंसा की। समारोह को जिलाध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल बी. एस. रौतेला, लीग के कुमाऊं संयोजक सूबेदार मेजर एस. कार्की एवं रामनगर एवं हेमपुर के अध्यक्ष सूबेदार मेजर नवीन पोखरियाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सूबेदार मेजर नवीन पोखरियाल, चन्द्र मोहन सिंह मनराल, कैप्टन हरगोविंद सिंह माशीवाल, भुवन डंगवाल, कैप्टन मोहन सिंह मेहरा, कैप्टन बहादुर सिंह भंडारी, पूरन सिंह बिष्ट, खिलानंद चिलकोटी, भारत सिंह नेगी, एस. कार्की, ललित मोहन खाती, पूरन सिंह राणा, एन.डब्लू.एम. खान, प्रेम सिंह रावत, चंदन अधिकारी, आनंद सिंह कालाकोटी, नवीन सती, गजेन्द्र सिंह चौहान, हवलदार वीएन परगांई, हवलदार रेवाधर बेलवाल आदि मौजूद रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किच्छा उधम सिंह नगर उत्तराखंड बोर्ड की वर्ष 2018 की हाई स्कूल की अंक तालिका अनुक्रमांक संख्या (18127597) कहीं गिरकर खो गई है काफी खोज भी के बाद ही नहीं मिली है।

मौ. हारुन पुत्र अकील अहमद निवासी-वार्ड नंबर 19 सिरौली कलां, तहसील किच्छा, जिला (उधम सिंह नगर) उत्तराखंड

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर में बुधवार देर शाम एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार रामनगर के ग्राम पीरुमदारा के समीप साईं मंदिर के पास किराए के मकान में रहने वाले लेखराज के 21 वर्षीय पुत्र निशांत ने घर के अंदर पंखे के कुंडे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।जब परिजन घर लौटे तो युवक को इस अवस्था में देख उनके होश उड़ गए। आनन-फानन में पड़ोसियों की मदद से पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर रामनगर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है। मृतक के पिता लेखराज ने बताया कि उनका पुत्र नशे का आदी था। उन्होंने कई बार उसे नशे से दूर रहने को कहा लेकिन वह नहीं माना। परिजनों के अनुसार, इसी कारण घर में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहती थी। फिलहाल पुलिस परिजनों के बयान दर्ज कर रही है और युवक द्वारा उठाए गए कदम के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय लोग भी इस घटना से स्तब्ध हैं। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का पता चल सकेगा।मृतक मूलरूप से बनियानला अफजलगढ़ जिला बिजनौर का रहने वाला था।वह मजदूरी करने का काम करता था।

कहर बनकर पलटा भूसे का ट्रॉला

कार चालक की मौके पर मौत, पत्नी व दो बच्चों के सिर से उठा सहारा

■ तेज रफ्तार और ओवरलोडिंग बनी हादसे की वजह

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। नेशनल हाईवे-74 पर गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। मदर इंडिया पब्लिक स्कूल के समीप तेज रफ्तार और क्षमता से अधिक लोड़ भूसे से भरा ट्रॉला अचानक अनियंत्रित होकर एक कार पर पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि कार चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

गुरुवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे ग्राम कनौरा निवासी 30 वर्षीय नाजिम पुत्र आबिद हुसैन कार से कहीं जा रहे थे। बताया जा रहा है कि वह दोराहा चौकी में तैनात एसआई सुनील कुमार की कार धुलवाने के लिए ले जा रहा था। इसी दौरान रुद्रपुर की ओर से दोराहा की तरफ आ रहा भूसे से लदा ट्रॉला मदर इंडिया पब्लिक स्कूल के पास अचानक असंतुलित होकर कार के ऊपर पलट गया। हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जबकि नाजिम की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस के माध्यम से सरकारी अस्पताल बाजपुर में लाया गया। जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को रोता-बिलखता छोड़ गया है। नाजिम तीन भाइयों में बीच का था। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर दोराहा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं सीओ विभव सैनी, कोतवाल नरेश चौहान पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रॉला अत्यधिक ओवरलोड था। जिसके कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ। लोगों ने ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

एक नजर

दिनेश गुरुरानी का पौधारोपण अभियान 570 वें दिन भी रहा जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। पौधारोपण अभियान के 570वें दिन विद्यालयों को पौधारोपण से जोड़ने के कार्यक्रम 'मेरा पौधा मेरा परिवार' के तहत आज डीडीहाट के प्राथमिक विद्यालय कुनिया, राजकीय प्राथमिक विद्यालय खेतार और राजकीय इंटर कॉलेज दूनाकोट में छात्र-छात्राओं व गुरुजनों को हिमालय बचाओ अभियान के तहत शपथ दिलाई गई। साथ ही परिसर में पौधारोपण किया।

उद्यान विभाग डीडीहाट के सौजन्य से पूलम व आड़ू के दो पौधे प्रत्येक छात्र-छात्रा व गुरुजनों को दिए गए। दिनेश गुरुरानी ने कहा कि 200 पौधों का वितरण किया गया। प्रत्येक छात्र-छात्रा इन पौधों को अपने घरों के परिसर में लगाएंगे व वृक्ष बनने तक इनका संरक्षण करेंगे। दिनेश गुरु रानी की इस मुहीम का सभी ने स्वागत किया। राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुनिया के प्रधानाचार्य बलदेव प्रसाद, सहायक अध्यापक बलवंत सिंह कन्याल, भोजन माता बसंती चौहान ,राजकीय प्राथमिक विद्यालय खेतार की सहायक अध्यापक नूतन खोलिया, हरपाल सिंह चौहान उपस्थित रहे।

राजकीय इंटर कॉलेज दूनाकोट में विद्यालय परिवार ने पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य कर रहे दिनेश गुरु रानी का स्मृति चिन्ह व बुके देकर स्वागत किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य निशा टोलिया ने कहा कि दिनेश गुरु रानी द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर उद्यान विभाग के मनोज भट्ट , सहायक अध्यापक महेश चंद्र पाटनी ,चंद्र प्रकाश, पूरन उपाध्याय, संजय जोशी, सुरेंद्र सिंह ,रजनी, पूजा देउपा, दीपिका पानू, सलमा परवीन, सुनीता रावत ,भावना धामी उपस्थित रहे।

पर्यटकों के मोबाइलों पर लगाया प्रतिबंध

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। कार्बेट पार्क में गुरुवार को पर्यटकों के मोबाइलों को प्रतिबंध करने की तैयारियां पिछले एक सप्ताह से चल रही थी। बताया कि वन्यजीवों के दिखने पर पर्यटकों के फोटो खींचने के लिए करीब जाने व बाघ के दिखने पर दूसरे पर्यटकों को मोबाइल से जानकारी देने के कई मामले सामने आए थे। उन्होंने बताया कि बिजरानी, ढेला, झिरना, गर्जिया, ढिकाला, दुगादेवी आदि के प्रवेश द्वार पर अधिक लॉकर बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि डे विजिट में जंगल सफारी करने वाले पर्यटक प्रवेश द्वार पर बनाए गए लॉकर में मोबाइल रखकर चाबी अपने साथ ले जाएंगे। जबकि रात्रि विश्राम के लिए जाने वाले पर्यटकों के मोबाइल को लकड़ी के बॉक्स में प्रवेश द्वार पर ही रखकर लॉक किया जाएगा।

डीएम का सख्त एक्शन: अव्यवस्थाओं पर लगाई फटकार

■ डीएम भटगांई का शासकीय कार्यालयों में औचक निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। जनपद पिथौरागढ़ में शासकीय कार्यालयों की कार्यप्रणाली, अनुशासन एवं स्वच्छता व्यवस्था को परखने हेतु जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगांई द्वारा विभिन्न विभागीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अनेक कार्यालयों में अव्यवस्थाएं एवं अनियमितताएं पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी द्वारा सर्वप्रथम जिला पंचायत कार्यालय का निरीक्षण किया गया, जहां कार्यालय परिसर में साफ-सफाई की कमी, कई कार्मिकों के टेबल पर नाम पट्टिकाएं न होना तथा कुछ कार्मिकों का बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाया जाना सामने आया। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए अनुपस्थित पाए गए कार्मिकों से स्पष्टीकरण तलब करने एवं उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए। इसके पश्चात जिला होमगार्ड कार्यालय के निरीक्षण में भी इसी प्रकार की कमियां पाई गईं। कार्मिकों के टेबल पर नाम पट्टिकाएं न होना, साफ-सफाई का अभाव एवं कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए शीघ्र सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

तत्पश्चात पशुपालन विभाग कार्यालय के निरीक्षण में नाम पट्टिकाओं का अभाव, साफ-सफाई की कमी तथा शिकायत पेटी में ताला न होना जैसी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जिलाधिकारी ने शिकायत निवारण व्यवस्था को पारदर्शी, सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के स्पष्ट निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला होमगार्ड कार्यालय एवं जिला विकास प्राधिकरण कार्यालय के मध्य स्थित गली में कूड़ा-कचरा एवं सीढ़ियों में अत्यधिक धूल पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल साफ-सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को शासन की ई-ऑफिस प्रणाली के अंतर्गत अनिवार्य रूप से कार्य संपादन करने, प्रत्येक कार्मिक के टेबल पर नाम पट्टिका लगाने, अलमारियों पर सूची पट्टिका चस्पा करने, बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करने, पंजिकाओं का नियमित संधारण करने तथा कार्यालयों में स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं अनुशासित वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शासकीय कार्यों में लापरवाही, अनुशासनहीनता एवं अव्यवस्था किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने कार्यालयों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

गणतंत्र दिवस परेड में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी के विद्यार्थियों का गणतंत्र दिवस परेड (दिल्ली) में प्रतिभाग करने के पश्चात विद्यालय लौटने पर भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय के लिए यह अत्यंत गर्व और प्रसन्नता का पल रहा। 78 यूके बटालियन एनसीसी, हल्द्वानी सब यूनिट के कैडेट अदिति थ्वाल, कैडेट हर्ष पालिवाल एवं कैडेट मनीषा उपाध्याय प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) सफलतापूर्वक पूर्ण कर विद्यालय लौटे। विद्यार्थियों को विद्यालय प्रबंधन समिति, सम्मानित पूर्व सैनिकों तथा समस्त शिक्षकों द्वारा पुष्प मालाएं पहनाकर स्वागत किया। वहीं परिवार द्वारा कैडेट्स व उनके अभिभावकों को स्मृति चिह्न भी प्रदान किए गए। विद्यालय के प्रबंध निदेशक धीरेन्द्र चन्द्र भट्ट ने कहा कि कैडेट्स के अनुशासन, समर्पण एवं इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर विद्यालय परिवार को अत्यंत गर्व है। जिसने विद्यालय एवं संस्था का मान बढ़ाया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय की डायरेक्टर प्रेमा भट्ट , प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, प्रशासनिक अधिकारी मनीष चंद, एकेडमिक डायरेक्टर विक्टर आईवन, एनसीसी लेफ्टिनेंट दिगंबर भट्ट , सेकंड ऑफिसर कविता सामंत, डीआई महेश कलौनी, विशन सिंह कन्याल व समस्त विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

राहुल गांधी के बयान के विरोध में पुतला फूंका

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। कांग्रेस नेता एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को लेकर दिए गए बयान, जिसमें उन्होंने उन्हें गद्दार कहा, के विरोध में बाजपुर ग्रामीण मंडल में जोरदार आक्रोश देखने को मिला।

इसी क्रम में मंडल अध्यक्ष कनु जोशी के नेतृत्व में गुरुवार को कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला दहन किया। इस दौरान मंडल महामंत्री वीरेंद्र बिष्ट, युवा मोर्चा अध्यक्ष पप्पू रावत, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष जाफर अली, महिला मोर्चा से जीत कौर, सरदार दलीप सिंह, सरदार राजेंद्र सिंह, अक्षय शर्मा, सरदार बलदेव सिंह, सरदार अमरजीत सिंह रंधावा, कोमल सैनी एवं राजेंद्र सैनी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के बयान को निंदनीय और देशविरोधी मानसिकता का परिचायक बताते हुए कहा कि इस तरह के गैर-जिम्मेदाराना बयान राष्ट्रहित में स्वीकार्य नहीं हैं। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इस प्रकार के बयान दिए गए तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

किसानों को सरकार हल्के में न ले: विक्की रंधावा

■ समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो होगा आंदोलन

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। शुगर फैक्ट्री पर गन्ने के बकाया भुगतान, धान का लंबित भुगतान,पंजाब की तर्ज पर ट्यूबवेल बिजली बिल माफ करने सहित सात सूत्रीय मांगों को लेकर आक्रोशित किसानों ने भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के प्रदेश अध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा के नेतृत्व में गुरुवार को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम कार्यालय में कर्मचारी संदीप चौहान को दिया गया।

भाकियू के कुमाऊं मंडल अध्यक्ष विक्की रंधावा ने कहा कि सरकार और प्रशासन किसानों की समस्याओं को हल्के में न लें। किसानों की जो भी समस्याएं हैं, उनका शीघ्र निस्तारण किया जाए। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार किसानों को गन्ने का मूल्य 485 रुपये प्रति कुंतल दे रही है, जबकि उत्तराखंड में किसानों को मात्र 405 रुपये प्रति कुंतल का भुगतान किया जा रहा है। यदि सरकार गन्ने का मूल्य 500 रुपये प्रति कुंतल नहीं करती है तो उत्तराखंड में किसान गन्ने की बुवाई नहीं करेंगे, जिसका सीधा असर चीनी मिलों पर पड़ेगा और मिलें बंद होने की कगार पर पहुंच सकती हैं। किसान नेता बिजेंद्र डोगरा ने कहा कि आरएफसी द्वारा वर्ष 2025 के धान का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है, जिससे किसान बेहद परेशान हैं और अग्रिम खेती कर पाना संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ग-5 की भूमि को सरकार द्वारा बंजर घोषित कर दिया गया है, जबकि किसान पिछले 70 वर्षों से उक्त भूमि पर काबिज होकर खेती करते आ रहे हैं। ऐसे किसानों को भूमिधर अधिकार दिए जाएं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पहले सरकार द्वारा राइस मिलों को 45 राइस चावल दिया जाता था, जिसे अब बंद कर दिया गया है, जिससे राइस मिल स्वामियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार जल्द 45 राइस चावल उपलब्ध कराए। किसान नेता प्रताप सिंह संधू ने कहा कि उत्तराखंड सरकार द्वारा बाजपुर क्षेत्र के 20 गांवों की भूमि की खरीद-फरोख्त पर लगाया गया प्रतिबंध तत्काल हटाया जाए। किसान पिछले पांच वर्षों से इस मुद्दे को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। प्रतिबंध के कारण इन गांवों में रहने और खेती करने वाले लोग भयभीत और असमंजस की स्थिति में हैं। किसान नेताओं ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो किसान आंदोलन के लिए मजबूर होंगे और यह आंदोलन आर-पार की लड़ाई होगा।

इस मौके पर हरप्रीत सिंह निज्जर, संदीप सिंह, नरेंद्रजीत सिंह, गगन सरना, प्रिंस ढिल्लों, हरपिंदर सिंह, राजू समरा सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

शासन-प्रशासन के दबाव में मतगणना रोककर मतपेटियों को सीज करने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। व्यापार मंडल चुनाव में बुधवार को शांतिपूर्ण चुनाव के बाद शाम को मतगणना के दौरान बीजेपी और कांग्रेस आमने-सामने आ गए। और जमकर बवाल काटा तथा हंगामा किया। वहीं एक दूसरे के खिलाफ जमकर नारे भी की गई। यह सिलसिला देर रात तक चला रहा। उसके बाद खटीमा एसडीएम तुषार सैनी, विधायक भुवन कापड़ी, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, कोतवाल विजेंद्र शाह मौके पर पहुंचे। जहां प्रशासन ने कानून व्यवस्था व शांति व्यवस्था को बनाए रखने की बात कहते हुए मतगणना को रोककर मत पेटियों को सीज का सुरक्षित रखवा दिया।

इधर मतगणना के दौरान हुए घमासान को लेकर खटीमा विधायक व उपनेता प्रतिपक्ष भुवन चंद्र कापड़ी ने गुरुवार को कांग्रेस कार्यालय पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि मतगणना के दौरान कांग्रेस के समर्थित प्रत्याशी अमन अरोड़ा की एक तरफा जीत को देखते हुए बौखलाए भाजपा कार्यकर्ताओं ने मौके पर जमकर हंगामा काटा और बवाल किया तथा

■ कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी की एक तरफा जीत से बौखलाए भाजपाइयों ने काटा हंगामा: कापड़ी

शासन प्रशासन से दबाव बनवाकर मतगणना को रोक कर मत पेटियों को सीज करा दिया, जबकि व्यापार मंडल चुनाव समिति और सभी व्यापारी मतगणना कराना चाहते थे। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि निष्पक्ष मतगणना कराकर जल्द से जल्द चुनाव परिणाम घोषित करें।

वही कांग्रेस समर्थित अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अमन अरोड़ा ने भावुक होते हुए आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण मतदान हुआ, लेकिन मतगणना में बाहरी लोगों ने आकर मतगणना को प्रभावित किया, हंगामा काटा और गाली गलौज की। उन्होंने कहा कि मैने व्यापारियों के लिए हमेशा संघर्ष किया है, इसलिए व्यापारियों ने मुझे चुना है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द मतगणना कराकर चुनाव परिणाम घोषित करने की मांग की। इस मौके पर अमन अरोड़ा, बॉबी राठौर, मेहदी हसन तथा गुलफाम आढ़ती आदि मौजूद रहे।

एनएसएस शिविर में प्राथमिक कार्यशाला आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। पीएम श्री अटल उत्कृष्ट थारू राजकीय इंटर कॉलेज आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) विशेष शिविर के चौथे दिन राजकीय प्राथमिक विद्यालय, नौगवांठग्गू में एक महत्वपूर्ण प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी अधिकारी नरेंद्र सिंह रौतेला द्वारा किया गया।

यह कार्यशाला लायंस क्लब सिटी खटीमा, रेड क्रॉस सोसाइटी तथा एनसीसी के सहयोग से संपन्न हुई। कार्यशाला में रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष विमल कुमार ने एनएसएस स्वयंसेवकों, एनसीसी कैडेट्स एवं ग्रामीण जनों को प्राथमिक उपचार की विस्तृत जानकारी प्रदान की। विशेष रूप से सीपीआर की विधि को मॉडल के माध्यम से प्रयोगात्मक रूप में समझाया तथा आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाए जाने वाले जीवन रक्षक उपायों का अभ्यास कराया गया। इस अवसर पर लायन विवेक अग्रवाल ने कहा कि समाज में इस प्रकार की जीवनरक्षक कार्यशालाएँ अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि लायंस क्लब सिटी खटीमा भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए ग्राम प्रधान राखी राणा, रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष विमल कुमार, कार्यक्रम अधिकारी विवेक जोशी, प्रधानाचार्य संतोष कुमार तथा एनसीसी अधिकारी नरेंद्र सिंह रौतेला को लायंस क्लब सिटी खटीमा द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य संतोष कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी संजय पंत, भैरव दत्त भट्ट, विवेक जोशी, नरेंद्र सिंह रौतेला, सचिन लायन, विवेक अग्रवाल, इकबाल, संदीप अग्रवाल, नरेंद्र डिगारी, महेंद्र धामी, मेवा राम, डॉ. बी.डी. पंत, रमेश लाल, राखी राणा, ममता फर्त्याल, सुरेश शर्मा, आलोक सिंह, डी.एस. राणा, हरीश सिंह, उमेद सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताओं का हुआ भव्य आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। बीआरसी लोहाघाट में आयोजित ज्ञान, बुद्धि, तत्परता एवं सम सामयिक विषयों पर आधारित विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं इस बात का प्रमाण हैं कि यदि सही मंच और सही दिशा मिले तो ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्र के विद्यार्थी भी किसी से कम नहीं।

खंड शिक्षा अधिकारी लोहाघाट घनश्याम भट्ट एवं मुख्य संयोजक भगवान जोशी के दिशा निर्देशन एवं शैलेश मटियानी राज्य उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक प्रकाश चन्द्र उपाध्याय के संचालन में सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी स्तर के छात्रों ने क्विज, भाषण, और वाद-विवाद जैसी प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने उपस्थित सभी शिक्षकों, अभिभावकों और निर्णायक मंडल को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता में छात्रों की त्वरित सोच, सूझबूझ और टीम भावना साफ झलकती रही। समापन सत्र में मुख्य अतिथि व्यापार संघ अध्यक्ष मनीष जुकरिया, उपाध्यक्ष दानू सुतेड़ी, प्रधानाचार्य श्याम दत्त चौबे ने विजेता एवं प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार वितरित किए। भाषण प्रतियोगिता में राउमावि खूनाबोरा, वाद विवाद में राबाइका लोहाघाट तथा क्विज प्रतियोगिता में राईका लोहाघाट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में सह संयोजक नवीन राम,जीवन राय, सीमा धामी आदि ने विशेष सहयोग दिया।

पर्यावरण संरक्षण की मिसाल बना चंपावत

■ 'फिरुल ब्रिकेट' यूनिट से जंगल सुरक्षित और महिलाओं को रोजगार

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। जिले को मॉडल जिला बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की परिकल्पना अब धरातल पर साकार होती दिख रही है। पर्यावरण संरक्षण, रोजगार सृजन और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में जिले ने एक नई पहचान बनाई है।

उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकोस्ट) को नोडल एजेंसी बनाकर भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (आईआईपी) के सहयोग से लधियाघाटी के भिगराड़ा गांव में स्थापित फिरुल ब्रिकेट मार्केटिंग यूनिट ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इस ट्रायल यूनिट की सफलता को देखते हुए अब जिले में दो नए स्थानों पर ऐसी ही यूनिट स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी गई है, जिसके लिए आईआईपी द्वारा सर्वे कार्य आरंभ कर दिया गया है। आईआईपी के वैज्ञानिक डॉ. पंकज आर्या के अनुसार इस यूनिट में प्रतिदिन लगभग 10 कुंतल ब्रिकेट उत्पादन की क्षमता है। इससे 15 किलोमीटर के दायरे में जंगलों में आग की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगी है।

फिरुल (चीड़ की सूखी पत्तियां) के संग्रह मूल्य में शासन द्वारा की गई बढ़ोतरी से ग्रामीणों की आय में भी इजाफा हुआ है। भिगराड़ा की ग्राम प्रधान गीता भट्ट के नेतृत्व में करीब 80 महिलाओं को इस परियोजना से सीधा रोजगार मिल रहा है। यही कारण है कि राष्ट्रीय स्तर पर किए गए सर्वेक्षण में इस अभिनव परियोजना को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली द्वारा प्रतिष्ठित 'स्कॉच अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। महिलाओं के रोजगार और स्किल डेवलपमेंट में जुटी एपीडी बिम्मी जोशी ने कहा कि फिरुल ब्रिकेट का कारोबार ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन रहा है। डॉ. पंकज आर्य ने जानकारी दी कि जल्द ही रुद्रप्रयाग, पौड़ी, अल्मोड़ा और बागेश्वर जिलों में भी फिरुल ब्रिकेट निर्माण की यूनिटें स्थापित की जा रही हैं।

ध्वस्तीकरण आदेश से सहमे कॉलोनी के लोग

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। भूरारानी स्थित श्री श्याम होम कॉलोनी के निवासियों ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई। कॉलोनीवासियों का आरोप है कि बिल्डर ने जानबूझकर विवादित भूमि पर निर्माण कराकर उन्हें मकान बेच दिए, जिसके कारण अब उनके घरों पर ध्वस्तीकरण का खतरा मंडरा रहा है।

कॉलोनीवासियों ने बताया कि आरएएन स्कूल रोड के निकट पुखराज कॉलोनी के पास स्थित श्री श्याम होम कॉलोनी में लगभग 85 आवासीय भवन और एक खाली प्लॉट है। नियमानुसार दाखिल खारिज के बाद कई लोगों ने बैंक ऋण लेकर वर्ष 2019 के बाद से यहां रहना शुरू किया।बिल्डर ने भूमि को विवाद रहित बताया था, लेकिन 20 अगस्त 2025 को न्यायालय के आदेश पर ध्वस्तीकरण नोटिस चस्पा कर दिया गया। बताया कि वर्ष 2024 में वास्तविक भूमि स्वामी राजू रस्तोगी, बिल्डर और पीड़ितों के बीच 51 लाख रुपये का समझौता हुआ था, जिसमें से 24 लाख रुपये अभी शेष हैं। राशि जमा न होने पर ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया दोबारा शुरू हो सकती है। फिलहाल मानवीय आधार पर कार्रवाई फरवरी 2026 तक स्थगित की गई है। निवासियों ने जिलाधिकारी से बिल्डर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई, समझौते का तत्काल अनुपालन और ध्वस्तीकरण आदेश पर स्थायी रोक लगाने की मांग की। प्रदर्शन में अंजू, संध्या कुमारी, अंशु देवी, चरणजीत कौर, सुधा शुक्ला, सुमन, धरमपाल, प्रदीप ठाकुर, दशमेश कौर, क्रिस्टीना अंजली आदि लोग शामिल रहे।

भवाली में नाबालिग के गर्भवती होने पर भड़का जन आक्रोश

सड़कों पर उतरे लोग, कोतवाली पहुंचकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल जिले के भवाली शहर में नाबालिग के गर्भवती होने की घटना सामने आने के बाद जनआक्रोश लगातार बढ़ गया। वीरवार को बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग भवाली कोतवाली पहुंचे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबा. जी करते हुए मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच की मांग की व आरोपी के घर को ध्वस्त करने की मांग की। लोगों का कहना था कि इस तरह की घटनाएं समाज को झकझोरने वाली हैं और दोषी को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। बता दें कि आरोपी को बीते बुधवार की रात को गिरफ्तार किया गया जिसे बीरवार को न्यायलय में पेश कर जेल भेजा गया। इसके साथ ही मुस्लिम समुदाय के दुक. ानदारों व अन्य कुछ समुदाय के लोगों ने भी अपने प्रतिष्ठानों को बंद किया।

डेमोग्राफी चेंज और लव जिहाद का मामला: आर्य

नैनीताल। पूर्व जिला मंत्री भाजपा प्रकाश आर्य ने कहा कि यह डेमोग्राफी चेंज और लव जिहाद का मामला है। कहा भवाली छोटी सी जगह है लेकिन यहाँ पर लव जिहाद के मामले सामने आए रहे हैं। 17 साल की नाबालिग बच्ची के साथ विशेष समुदाय के युवक द्वारा दुराचार किया गया और सात महीने का गर्वधारण कराया गया, जिसकी सूचना बुधवार को परिजनों द्वारा कोतवाली में दी गई है। कहा कि पालिका द्वारा भी जिहादियों को बसाने का कार्य व डेमोग्रागी चेंज करने में सहयोग किया जा रहा है उनपर पर भी लगाम लगाया जाएं तथा ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएं व दोषी को फांसी की सजा होनी चाहिए।

युवा एकता मंच ने घटना पर जताया विरोध

नैनीताल। युवा एकता मंच ने इसे कायरों की हरकत बताते हुए निंदा की तथा ऐसी साजिशों का पूर्ण विरा. ेध जताया। मंच ने गहरी चिंता व्यक्त की कि ऐसी घटनाएं अब पहाड़ों की ओर रुख कर रही हैं, जो अत्यंत खतरनाक एवं चिंताजनक है।

पुलिस हर स्तर पर कर रही है कार्रवाई: डा. चंद्रा

नैनीताल। एसपी (क्राइम) डा. जगदीश चंद्रा के मुताबिक 4 फरवरी बुधवार को कोतवाली भवाली में अस्पताल से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक नाबालिग बच्ची गर्भवती है। इसका संज्ञान लेते हुए कोतवाली भवाली द्वारा नाबालिग के परिजनों से संपर्क किया गया जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई, जिसके बाद सुसंगत धाराओ में बलात्कार व पाक्सो धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया व टीमे गठित की गई। तत्काल प्रभाव से अभियुक्त की गिरफ्तार की गई है जिसे वीरवार को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया गया। वहीं पीड़िता के बयान दर्ज कर मेडिकल किया गया है जिसमें अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

रामगढ़ के महाकाल मंदिर में हुए विविध धार्मिक अनुष्ठान

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। ग्रामवासियों एवं क्षेत्रीय जनता के सहयोग से नैनीताल जिले के रामगढ़ में निरंजनी अखाड़े के स्वामी विवेकानंद सरस्वती महाराज के मार्गदर्शन में महाकाल मंदिर का निर्माण तल्ला रामगढ़ में किया गया। कलश यात्रा पूर्ण करने के बाद वीरवार को शिव महा. पुराण की कथा व्यास बालयोगी शिवशंकर गिरी महाराज एवं साथ में रुद्री पाठ व्यास कृष्णानंद शास्त्री द्वारा क्षेत्र के विकास एवं शांति के लिए प्रारंभ किया गया। बता दें इस मंदिर निर्माण कार्यक्रम का प्रारंभ निरंजनी अखाड़े के स्वामी

विवेकानंद सरस्वती महाराज के आशीर्वाद से संपन्न हुआ। बीरवार को आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में डीजीसी सुशील कुमार शर्मा, कैप्टन खीम सिंह बिष्ट, कृष्णानंद शास्त्री, प्रकाश बिष्ट, गणेश जोशी, दीपक दरम्वाल तथा रोहित डालाकोटी व हरिओम जोशी एवं समस्त क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही।

खाई में गिरा युवक, पुलिस ने सकुशल निकाला

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल-भवाली मोटर मार्ग में 150 मीटर गहरी खाई में गिरकर युवक घायल हो गया। गनीमत यह रही कि युवक ने हेलमेट पहना था अन्यथा युवक की जान भी जा सकती थी। पुलिस ने रेस्क्यू कर युवक को खाई से सकुशल निकाल. कर जिला अस्पताल भेजा जहां युवक को उपचार दिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार पंगोट निवासी कमल सिंह मेहरा (33) बुधवार को स्कूटी में भवाली से नैनीताल को आ रहा था। इस दौरान पाइंस के समीप वह लघुशंका करने के लिए स्कूटी को रोका। सड़क किनारे लघुशंका करने के दौरान वह अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। युवक को गिरता देख राहगीर युवक ने पुलिस को सूचित

कर दिया। सूचना पर एसओ मनोज नयाल और चीता कांस्टेबल अमित गहलोग तुरंत मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने देखा कि युवक लगभग 150 मीटर गहरी खाई में गिरा है। पुलिस तुरंत एसडीआरएफ व दमकल की टीम की मदद से खाई में उतरी। जहां उन्होंने युवक को घायल अवस्था में पाया। रेस्क्यू टीम मे युवक को सकुशल खाई से निकाला और सरक. ारी वाहन से ही तुरंत जिला अस्पताल भेज दिया। अस्प्ताल में युवक को उपचार दिया जा रहा है। एसओ मनोज नयाल ने बताया कि पंगोट निवासी कमल सिंह मेहरा के हेलमेट पहने होने के चलते बड़ा हादसा टल गया। अन्य था इतनी गहरी खाई में गिरने से जान जा सकती थी।

नगर पालिका अपने स्तर से करेगी कार्रवाई: ईओ

नैनीताल। नगर पालिका परिषद भवाली के अधिशासी अधिकारी सुधीर कुमार ने कहा कि हिंदूवादी संगठन द्वारा मांग रखी गई कि रेहड़ के टमटयूड़ा क्षेत्र वार्ड नंबर 3 में डेमोग्राफी को लेकर मांग की गई है। नगर पालिका परिषद भवाली द्वारा शीघ्र ही जिला विकास प्राधिकरण को डेमोग्राफी पत्र जारी कर दिया जाएगा। पालिका द्वारा अवैध बने मकानों को चिन्हिकरण कर उनको भी नोटिस जारी कर दिया जाएगा। आरोपी के खिलाफ पालिका द्वारा नोटिस जारी कर दिया गया है साथ ही तीन दिन का समय दिया गया है, जिसके बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

महिला होली प्रतियोगिता के लिए नियम जारी

प्रतियोगिता को भव्य बनाने के लिए श्री राम सेवक सभा ने शुरू की तैयारियां

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नगर की प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था श्री राम सेवक सभा की ओर से आयोजित होने वाले फागोत्सव-2026 के अंतर्गत महिला होली प्रतियोगिता के नियम जारी कर दिए गए हैं। सभा के महासचिव जगदीश चंद्र बवाड़ी के मुताबिक महिला होली प्रतियोगिता को भव्य बनाने के लिए सभा परिवार पूरी को. शिश में जुटा है। कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रत्येक टीम में 10 प्रतिभागियों का होना अनिवार्य होगा तथा सभी दलों को पारंपरिक होली गायन की प्रस्तुति देनी होगी। कहा कि प्रतियोगिता के लिए प्रवेश शुल्क 1000 रुपए निर्धारित किया गया है जिसे प्रतियोगिता पश्चात वापस कर

दिया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग न लेने पर राशि वापस नहीं होगी। प्रत्येक टीम को न्यूनतम 15 मिनट और अधिकतम 17 मिनट का समय दिया जाएगा जिसमें अधिकतम दो होलियों की प्रस्तुति एवं स्वांग अनिवार्य होगा। बवाड़ी ने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों को इस बात का विशेष ध्यान रखना होगा कि किसी भी धर्म अथवा समुदाय की भावनाएं आहत न हों। स्थानीय टीमों को यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा जबकि बाहरी टीमों के लिए अलग-अलग स्थानों के अनुसार यात्रा व्यय निर्धारित किया गया है, जिसमें अल्मोड़ा तथा रानीखेत से आने वाली टीमों को 6-6 हजार, जबकि हल्द्वानी व बेतालघाट के लिए 4-4 हजार वहीं ज्योलिकोट, भीमताल, भवाली, नौकुचियाताल, चाफी तथा मेहरागांव के लिए 2-2 हजार और गेठिया व भूमियाधार के लिए 1500-1500 सौ रुपए तय किया गया है। कहा कि महिला होली जुलूस 23 फरवरी 2026 को धर्मशाला तल्लीताल से प्रात: 11 बजे प्रारंभ होगा जिसमें प्रत्येक दल के कम से कम 10 प्रतिभागियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। सभी प्रतिभागी दलों को जुलूस में भाग लेना आवश्यक होगा अन्यथा निर्धारित राशि प्रदान नहीं की जाएगी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों को 3000 रुपये की नकद धन. राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही प्रत्येक दल को अपनी टीम से एक सम्मानित की जाने वाली महिला का नाम भी अनिवार्य रूप से भेजना होगा। प्रतियोगिता में शामिल होने के इच्छुक दलों को 15 फरवरी 2026 की सायं 6 बजे तक अपनी स्वीकृति लिखित रूप में प्रवेश शुल्क सहित श्री राम सेवक सभा नैनीताल कार्यालय में जमा करनी होगी।

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में निशुल्क चिकित्सा शिविर

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी भीमताल परिसर में वीरवार को निशुल्क चिकित्सा शि.

विर का आयोजन किया गया। यह शिविर ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी भीमताल परिसर तथा ग्राफिक एरा अस्पताल देहरादून उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। शिविर में 500 अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रात: काल से ही लाभार्थी पंजीकरण कराकर चिकित्सकीय परामर्श, स्वास्थ्य जांच एवं निशुल्क दवाओं का लाभ उठाने पहुंचे जो संस्थान पर समुदाय के विश्वास को दर्शाता है। चिकित्सा सेवाएं सामान्य चिकित्सा एवं नेत्र रोग विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा प्रदान की गईं। अनुभवी सामान्य चिकित्सकों, नेत्र रोग विशेषज्ञों एवं नर्सिंग स्टाफ ने मरीजों की विस्तृत जांच कर व्यक्तिगत चिकित्सकीय परामर्श दिया। स्वयंसेवकों एवं कर्मचारियों ने पंजीकरण से लेकर जांच तक पूरी प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित किया।

प्रेमी जोड़े को सुरक्षा देने के निर्देश

हाई कोर्ट ने सरकार व विपक्षियों को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में मांगा जवाब

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने दो अलग अलग धर्मों के प्रेमी जोड़े को सुरक्षा दिलाये जाने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद अवकाश कालीन न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की पीठ ने प्रेमी जोड़े को सुरक्षा देने के निर्देश एसएचओ रुद्रपुर व एसएसपी ऊधम सिंह नगर को दिए साथ में कोर्ट ने राज्य सरकार सहित विपक्षियों को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में जवाब पेश करने को कहा है। मामले की अगली हेतु कोर्ट ने 11 मार्च 2026 बुधवार की तिथि नियत की है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि इनकी जानमाल की रक्षा की जाय। मामले के अनुसार मुस्लिम समुदाय की लड़की व सिख सुमदाय के लड़के ने उच्च न्यायलय में याचिका दायर कर कहा है कि वे एक दूसरे को कई समय से जानते हैं और अब वे स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी करना चाह रहे हैं लेकिन लड़की के परिजन इससे राजी नही हैं, अब उनको जानमाल का खतरा उत्पन्न हो गया है जबकि वे दोनों बालिग है और अपना भला बुरा समझते हैं, आगे का जीवन एक दूसरे के साथ सुखी से बिताना चाह रहे हैं। इस संबंध में अपनी सुरक्षा के लिए एक प्रार्थना पत्र उनके द्वारा एसएसपी ऊधम सिंह नगर को भी दिया है लेकिन अभी उनको सुरक्षा नहीं दी गयी। बीरवार को हुई सुनवाई पर राज्य सरकार की तरफ से कहा गया कि प्रेमी जोड़ा अलग अलग धर्मो के हैं, और दोनों बालिग है। शादी करना चाह रहे हैं इस पर कोई आपत्ति नहीं है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने प्रेमी जोड़े को सुरक्षा देने के आदेश एसएसपी ऊधम सिंह नगर व एसएचओ रुद्रपुर को देते हुए राज्य सरकार व अन्य विपक्षियों को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में जवाब पेश करने को कहा।

आपराधिक मामले की कार्रवाई पर अंतरिम रोक

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने दहेज उत्पीड़न से जुड़े एक मामले में हल्द्वानी की निचली अदालत में विचाराधीन एक आपराधिक मामले की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की एकल पीठ ने पंकज पपने एवं अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश जारी किए। मामला वैवाहिक कलह से जुड़ा है जिसे याचिकाकर्ताओं ने अनावश्यक रूप से आपराधिक रूप दिए जाने का दावा किया है। याचिकाकर्ता पंकज पपनै व अन्य ने न्यायिक मजिस्ट्रेट हल्द्वानी द्वारा 31 अगस्त 2024 को जारी उस संज्ञान आदेश और चार्जशीट को रद्द करने की मांग की है जिसके तहत उन्हें मुकदमे का सामना करने के लिए समन जारी किया गया था। याचियों के विरुद्ध मारपीट, अपमान, जान से मारने की धमकी देने व दहेज उत्पीड़न के साथ-साथ दहेज निषेध अधिनियम की धारा 3/4 के अंतर्गत कार्यवाही चल रही थी। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि ये आरोप निराधार हैं और केवल प्रताड़ित करने के उद्देश्य से लगाए गए हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर उनके अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि यह वाद पति पत्नी के झगड़े से जुड़ा विवाद है जिसे आपराधिक रंग दे दिया गया है। इन सभी तर्कों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को राहत देते हुए आदेश दिया कि हल्द्वानी की अदालत में लंबित उक्त मामले की कार्यवाही अगली सुनवाई तक स्थगित रहेगी, इसके साथ ही अदालत ने विपक्षियों को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने को कहा है। इस मामले की अगली सुनवाई सुनवाई 16 मार्च 2026 को होगी।

एक और कार्रवाई को किया निरस्त

नैनीताल। कुमाऊं मंडल के काशीपुर की निचली अदालत में दो पक्षों के बीच चल रहे एक आपराधिक वाद में दोनों पक्षों में समझौता होने के बाद हाईकोर्ट ने इस आपराधिक मामले की पूरी कार्यवाही को निरस्त कर दिया है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की एकल पीठ ने पक्षकारों के बीच हुए आपसी समझौते को स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। न्यायालय के इस फैसले से पिछले कई वर्षों से चल रहे कानूनी विवाद का अंत हो गया है, जिससे संबंधित पक्षों ने बड़ी राहत महसूस की है। मामले के अनुसार काशीपुर के थाना आईटीआई में 2022 में शमशेर सिंह बनाम कुलवंत सिंह एवं अन्य नाम से मुकदमा पंजीकृत हुआ था। याचिकाकर्ताओं ने न्यायिक मजिस्ट्रेटए काशीपुर द्वारा 4 मई 2022 को जारी समन आदेश और पूरे मामले की कार्यवाही को चुनौती दी थी। उनके विरुद्ध दूसरे पक्ष के साथ दंगा कर मारपीट करने के आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया था। सुनवाई के दौरान एक विशेष मोड़ तब आया जब वादी और प्रतिवादी स्वयं व्यक्तिगत रूप से हाईकोर्ट में उपस्थित हुए। कोर्ट में प्रतिवादी शमशेर सिंह ने बयान दिया कि उन्होंने कुलवंत सिंह के साथ अपने सभी विवादों और मतभेदों को सुलझा लिया है। उन्होंने कोर्ट को सूचित किया कि वे अब इस मामले को आगे नहीं बढ़ाना चाहते और समझौते के पक्ष में हैं। पक्षकारों की आपसी सहमति को देखते हुए न्यायालय ने समझौता आवेदन और अर्जेंसी आवेदन को स्वीकार कर लिया। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह ने अपने आदेश में कहा कि चूंकि पक्षों के बीच सुलह हो चुकी है इसलिए इस मुकदमे से जुड़ी समस्त कार्यवाही को जनहित और न्यायहित में रद्द कर दिया जाए।

वन महकमे ने वनाग्नि को लेकर कसी कमर

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। आगामी गर्मी के मौसम में जंगलों को आग से बचाने के लिए वन विभाग ने तैयारी शुरू कर दी हैं। विभाग की ओर से जंगल पर नजर रखने का काम किया जा रहा है। साथ ही लोगों के साथ वार्ता कर जागरूक किया जा रहा है। बता दें कि नैनीताल समेत आस पास के क्षेत्रों में 23 जनवरी को हुई बर्फबारी व बारिश के बाद एक बार फिर चटक धूप खिलने से नैनीताल व आसपास के क्षेत्र के जंगलों में आग का खतरा बढ़ गया है। वहीं आगामी गर्मी के मौसम में आग की घटनाओं की संभावना भी बनी हुई हैं। जिसको देखते हुए वन विभाग ने तैयारी शुरू कर दी हैं। नैनीताल वन प्रभाग के वन क्षेत्राधिकारी मुकुल शर्मा ने बताया कि जंगल की आग वन विभाग के लिए हमेशा चुनौती बनी रहती है। जंगलों की आग से प्रतिवर्ष अमूल्य प्राकृतिक संपदा समेत जीव जंतुओं को नुकसान होता है। जिसको देखते हुए 15 दिसंबर 2025 से 15 फरवरी 2026 तक जंगलों में फायर लाइन काटने का कार्य किया जा रहा है। बताया कि जंगलों की निगरानी के लिए ग्राम प्रहरियों, विभागीय टीम और युवक मंगल दलों को लगाया गया है। ताकि जंगलों में आग लगने से बचाया जा सके। बताया कि क्षेत्र में ग्रामीणों के साथ बैठक कर भी लोगों को जंगलों की आग से होने वाले नुकसानों के बारे में बताया जा रहा है।

जमरानी बांध निर्माण में सीएम के निरीक्षण से आएगी तेजी: डा. हरीश बिष्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल जिले के भीमताल विकास खंड के ब्लाक प्रमुख डा. हरीश सिंह बिष्ट ने कहा कि सीएम पुष्कर सिंह धामी के बुधवार को किए गए जमरानी बांध के निरीक्षण के बाद अब बांध के निर्माण कार्यो में तेजी आएगी। कहा कि बांध से कुमाऊं समेत तराई भावर को पेयजल व सिंचाई का लाभ मिलेगा। ब्लाक प्रमुख डा. बिष्ट के मुताबिक उन्होंने निरीक्षण के दौरान सीएम के समक्ष एचएमटी फैक्ट्री की भूमि को पर्यटन तथा स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में विकसित करने की मांग को प्राथमिकता से रखा।

उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान उनकी ओर से जमरानी बांध

परियोजना से क्षेत्र को होने वाले लाभों को रेखांकित किया। इस दौरान प्रमुख ने श्री छोटा कैलाश की स्मृति भेंट करते हुए छोटा कैलाश धाम को मंदिर माला में सम्मिलित करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। प्रमुख ने भीमताल क्षेत्र में एचएमटी फैक्ट्री की 45 एकड़ भूमि पर मल्टी स्पेशलिस्ट अस्पताल, सिनेमा तथा पर्यटन के क्षेत्र में विकसित करने की मांग रखी। कहा कि इससे स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार बढ़ने के साथ ही भीमताल पर्यटन के मानचित्र में विक. सित होगा।

समाज के कमजोर वर्गों के साथ हमेशा कांग्रेस खड़ी रहेगी: थापर

देहरादून। वार्ड 42 - काँवली क्षेत्र में अम्बेडकर भवन शास्त्री नगर में कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर के नेतृत्व में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मौसम को ध्यान में रखते हुए सामाजिक सरोकार के तहत सैकड़ों महिलाओं को कंबल वितरित कर सम्मानित किया गया। प्रदेश प्रवक्ता अभिनव थापर ने स्वयं मातृशक्ति को कंबल वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं और जरूरतमंदों के साथ खड़ी रही है और आगे भी जनता की सेवा ही कांग्रेस की प्राथमिकता रहेगी। कार्यक्रम में कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर, प्रवक्ता मोहन काला, युवा कांग्रेस महानगर अध्यक्ष मोहित मेहता मोनी, सूरज क्षेत्री, राजेन्द्र राज, सुनीता, सुमन, शबनम सहित कैन्ट विस के अनेक कांग्रेसों शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मातृशक्ति ने इस नेक कार्य के लिए सभी कांग्रेसजनों को आशीर्वाद देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यालयः अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा,
उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम
कुटुम्ब विहार, ग्रा0 व पो0 सिनौला, मसूरी, देहरादून-248003 फोन नं. : 0135-2736032 e-mail: jalnigam.mussoorie@yahoo.com

पत्रांक : 288/135/13 **अल्पकालीन निविदा सूचना** दिनांकः- 05.02.2026

अध्यक्ष उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों के लिये सम्मुख अंकित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदायें दिनांक 20.02.2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक कार्यालय मे आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन (अथवा अवकाश की स्थिति में अगले कार्य दिवस में) अपराह्न 3:30 बजे उपस्थित निविदा दाताओं अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष इस कार्यालय मे अधोहस्ताक्षरी अथवा उनके द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि द्वारा खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रु0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा का मूल्य (रु0 में)	निविदा विक्रय की अन्तिम तिथि	पंजीकरण की श्रेणी
01	मसूरी पेयजल योजना के अन्तर्गत इन्टेक वैल का सफाई का कार्य।	20000.00	01 माह	1000.00 + GST@18%	19.02.2026	"डी" श्रेणी या उससे उच्चतर श्रेणी (सिविल/यांत्रिक कार्य)

नोटः- शर्तें कार्यालय दिवस एवं कार्यालय समय में इस कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

अधिशासी अभियन्ता

अध्ययन केन्द्र के लिए एमओयू

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं हुकुम सिंह बोरा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सोमेश्वर के मध्य अध्ययन केंद्र के संचालन को लेकर समझौता ज्ञापन (एमओयू) का नवीनीकरण किया गया। यह अध्ययन केंद्र कोड 17071 के अंतर्गत संचालित किया जाएगा।

एमओयू पर यूओयू की ओर से कुलसचिव डा. खेमराज भट्ट तथा महाविद्यालय की ओर से सहायक आचार्य डा. अमिता प्रकाश ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। समझौता नवीनीकरण के बाद अध्ययन केंद्र के माध्यम से क्षेत्र के विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों में प्रवेश की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इससे सोमेश्वर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को घर के समीप दूरस्थ माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि यूओयू का उद्देश्य प्रदेश के दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना है ताकि कोई भी विद्यार्थी शिक्षा से वंचित न रहे। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक क्षेत्रीय सेवाएं प्रो. एमएम जोशी, प्रशासनिक अधिकारी पीएस परिहार भी मौजूद रहे।

एक नजर....

होमगार्ड को कार सवार ने मारी टक्कर

नैनीताल। नैनीताल की माल रोड में तैनात होमगार्ड ने गलत दिशा में जाती कार को रोका तो गुस्साए पर्यटक ने कार से उसको टक्कर मार दी। होमगार्ड की शिकायत पर पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर दी है। जानकारी के अनुसार रामनगर निवासी होमगार्ड रोहित कुमार की ड्यूटी तल्लीताल थाने से बुधवार को मालरोड इंडिया होटल पर लगाई थी। इंडिया होटल बैरियर पर ड्यूटी के दौरान एक गाड़ी डीएल 4-सीएनसी 5036 गलत दिशा से आई तो गाडी वाले को दिशा निर्देश दिये की अपनी साइड पर चलें। इस पर कार सवार पर्यटक गुस्सा हो गया। जिसके बाद उसने कार तेजी से भगाई और उसको टक्कर मार दी। जिसके बाद उसने डीसीआर को सूचना देते हुए कार का नंबर दे दिया, साथ ही बीडी पांडे अस्पताल में खुद का उपचार कराया।होमगार्ड ने थाने में शिकायती पत्र देते हुए कार्रवाई की मांग की। तल्लीताल थाने के थाना प्रभारी मनोज नयाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 125(ए),125(बी) तथा 281 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

देवीधूरा गांव में तेंदुए की दस्तक बढ़ी

नैनीताल। नैनीताल के समीपवर्ती देवीधूरा क्षेत्र में तेंदुए की दस्तक बढ़ने पर वन महकमा चौकन्ना हो गया है। विभागीय टीम ने देर रात गांव में गश्त कर जगह जगह आग व पटाखे जलाए। बता दें कि बीते एक सप्ताह से देव. ीधूरा गांव में तेंदुए की दस्तक बढ़ गई है। बीते दिनों गांव में कुत्तों को अपना निवाला बनाकर तेंदुआ रोजाना गांव में गुर्राते हुए घूम रहा है। तेंदुए की गुर्राहट से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ था, जिसको देखते हुए ग्राम प्रधान प्रेमलता बर्गली ने डीएफओ को पत्र लिख क्षेत्र में पिंजरा लगाने और लगातार गश्त करने की मांग की। जिस पर विभाग की एक टीम ने बुधवार की रात को देवीधूरा में गश्त की। साथ ही लोगों से तेंदुए की जानकारी ली और सुरक्षित रहने के उपाय बताए। टीम ने गांव में जगह जगह आग व पटाखे जलाकर तेंदुए को दूर भगाने की भी कोशिश की।

प्रकृति के संरक्षण के लिए स्कूलों में पौधरोपण

नैनीताल। राज्य निर्माण सेनानी दिनेश गुरुरानी द्वारा राज्य में चलाया जा रहा अनूठा पौधारोपण अभियान वीरवार को 570वें दिन भी जारी रहा। पौधारोपण अभियान के 570वें दिन विद्यालयों को पौधारोपण से जोड़ने के कार्यक्रम मेरा पौधा मेरा परिवार के तहत डीडीहाट के प्राथमिक विद्यालय कुनिया, राजकीय प्राथमिक विद्यालय खेतार और राजकीय इंटर कॉलेज दूनाकोट में छात्र छात्राओं व गुरुजनों को हिमालय बचाओ अभियान के तहत शपथ दिलाई गई। साथ ही परिसर में पौधारोपण किया। उद्यान विभाग डीडीहाट के सौजन्य से पूलम व आडू के दो पौधे प्रत्येक छात्र-छात्रा व गुरुजनों को दिए गए। दिनेश गुरुरानी ने कहा कि 200 पौधों का वितरण किया गया। प्रत्येक छात्र-छात्रा इन पौधों को अपने घरों के परिसर में लगाएंगे व वृक्ष बनने तक इनका संरक्षण करेंगे। दिनेश गुरुरानी की इस मुहीम का सभी ने स्वागत किया। इस दौरान सभी स्कूलों का स्टाफ समेत अन्य सहयोगी मौजूद रहे।

गुलदारों को अन्य जंगलों में न छोड़े वन विभाग

धारी। भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने क्षेत्र में बढ़ती बाघ और गुलदारों की संख्या पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ओखलकांडा, धारी, रामगढ़ और भीमताल ब्लॉक में बाघ और गुलदारों ने कई लोगों की जान ले ली है। हाल ही में 5 गुलदार पकड़े गए हैं, लेकिन आदमखोर होने की पुष्टि नहीं हो पाई है। विधायक ने वन विभाग से अपील की कि पकड़े गए गुलदारों को अन्य जंगलों में न छोड़ा जाए, क्योंकि वे फिर से मानव आबादी के पास आ सकते हैं और खतरे का कारण बन सकते हैं। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को आदमखोर बाघ और गुलदारों को शीघ्र पकड़ने, जंगल से लगे गांवों में चारे की व्यवस्था करने, स्ट्रीट लाइट लगाने और बच्चों के लिए स्कूल तक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। विधायक ने क्षेत्रवासियों से सतर्क रहने की अपील भी की है।

एआरटीओ ने किया टैक्सी चालकों को जागरुक

नैनीताल। सड़क सुरक्षा माह के तहत वीरवार को एआरटीओ ने मल्लीताल रिक्शा स्टैंड के समीप टैक्सी वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया और नियमों का पालन करने का आग्रह किया। एआरटीओ जितेंद्र सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह के तहत स्कूलों, कालेजों तथा टैक्सी चालकों और मालिकों को प्रचार प्रसार और गोष्ठियों के माध्यम से जागरुक किया जा रहा है। इसके साथ ही तल्लीताल गांधी चौक आदि क्षेत्रों में जागरुकता के लिए रैलियां भी निकाली जा रही हैं ताकि चालक गाड़ियों को सही स्थिति में रखने के साथ ही सुरक्षा नियमों का भी सही से पालन करें। इसके साथ ही विभाग की ओर से समय समय पर चेकिंग अभियान और चलानी कार्यवाही भी की जाती है। इस दौरान टीएसआई हरीश सिंह, सीपीयू से डीएस मेहरा व अन्य पुलिसकर्मी व टैक्सी चालक मौजूद रहे।

बाजार से हटवाया अतिक्रमण

हल्द्वानी। नगर निगम की टीम ने गुरुवार को शहर के मुख्य बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान नगर निगम की टीम ने लगभग एक गाड़ी माल जब्त किया। वही अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन दुकानदारों के चालान काटे गए, जिनसे कुल 1700 रुपये का जुर्माना वसूला गया। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। आगे भी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

भारत के साथ मैच नहीं खेलेगा पाक

पाक पीएम शहबाज शरीफ ने कहा : फैसला सोच समझकर व बांग्लादेश के प्रति एकजुटता दिखते हुए लिया

कराची, वार्ता। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घोषणा की है कि पाकिस्तान आईसीसी पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के खिलाफ नहीं लेगा, और कहा कि यह फैसला बांग्लादेश के साथ बहुत सोच-समझकर और एकता में लिया गया है।

एक फेडरल कैबिनेट मीटिंग को एड्रेस करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि स्पोर्ट्स को पॉलिटिकल असर से दूर रहना चाहिए, साथ ही 20-टीम के टूर्नामेंट पर पाकिस्तान का स्टैंड भी बताया। जियो न्यूज के अनुसार शहबाज शरीफ ने कहा कि स्पोर्ट्स के फील्ड में पॉलिटिक्स की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, और कहा कि इंडिया के खिलाफ टी-20 मैच का बॉयकॉट करने के मामले में पाकिस्तान को बांग्लादेश के साथ खड़ा होना चाहिए। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) द्वारा बांग्लादेश को टूर्नामेंट से हटाने के बाद पाकिस्तान ने प्रोटेस्ट के तौर पर 15 फरवरी को अपने कट्टर दुश्मन इंडिया के खिलाफ होने वाले मैच का बॉयकॉट करने का फैसला किया है। आईसीसी ने यह फैसला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की उस रिक्वेस्ट को ठुकराने के बाद लिया, जिसमें उन्होंने टूर्नामेंट के 7 फरवरी से शुरू होने के इतने करीब लॉजिस्टिक दिक्कतों का हवाला देते हुए अपने मैच भारत के बाहर किसी जगह पर शिफ्ट करने की रिक्वेस्ट की थी।

इसके बाद बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड ने ले ली, और आईसीसी ने कहा कि इतनी देर से शेड्यूल में बदलाव करना मुमकिन नहीं है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान के फैसले पर कई वजहों का असर था, जिसमें उन्होंने आईसीसी का बांग्लादेश के प्रति पक्षपाती रवैया भी बताया। जियो न्यूज के मुताबिक, सूत्रों ने यह भी कहा कि पाकिस्तान टीम को विरोध के तौर पर भारत के खिलाफ मैदान में न उतरने का निर्देश दिया गया था। जवाब में, आईसीसी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) आपसी सहमति वाले समाधान की दिशा में काम करेगा। राष्ट्रीय सरकारों के अधिकार को मानते हुए, आईसीसी ने पीसीबी से अपने रुख पर फिर से सोचने की अपील की, और चेतावनी दी कि इस बायकॉट से खेल और इसके ग्लोबल फैनबेस को नुकसान होगा। काउंसिल ने कहा कि यह फैसला ग्लोबल खेल या दुनिया भर के फैंस, जिसमें पाकिस्तान के लाखों लोग भी शामिल हैं, की भलाई के लिए नहीं है, और सभी स्टेकहोल्डर्स के हितों की रक्षा के लिए लगातार बातचीत को बढ़ावा दिया। इस बीच, पाकिस्तान की नेशनल टीम अभी आईसीसी मेन्स टी-20 वर्ल्ड कप से पहले श्रीलंका के कोलंबो में है, जिसे 7 फरवरी से 8 मार्च तक श्रीलंका और भारत मिलकर होस्ट करेंगे।

भारत को पाक के खिलाफ खेलने में कोई परेशानी नहीं: सूर्यकुमार यादव

● **कहा: हम आईसीसी के निर्धारित कार्यक्रम के हिसाब से यात्रा करेंगे, कोई भी अनिश्चितता पाक के फैसले पर निर्भर करती है**

मुंबई, वार्ता। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गुरुवार को कहा कि भारत को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने में कोई दिक्कत नहीं है और वह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के निर्धारित कार्यक्रम के हिसाब से यात्रा करेंगे। उन्होंने कहा कि मैच को लेकर कोई भी अनिश्चितता पाकिस्तान के फैसले पर निर्भर करती है।

मुंबई में कैप्टन डे प्रेस मीट के दौरान सूर्यकुमार ने कहा कि हमारी सोच बहुत स्पष्ट है। हमने खेलने से मना नहीं किया, उन्होंने मना किया। आईसीसी ने मैच की तारीखें घोषित कर दी हैं, हमारी फ्लाइट बुक हो गई हैं, और हम जा रहे हैं। बाकी हम वहां पहुंचने के बाद देखेंगे। भारतीय कप्तान ने इस बात पर बल दिया कि टीम को 15 फरवरी को होने वाले मैच के बारे में आधिकारिक तौर पर बता दिया गया है और उसी के हिंसाब से तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि उनके फैसले पर मेरा नियंत्रण नहीं है। हमें 15 तारीख को मैच खेलने के लिए कहा गया है। सूर्यकुमार ने यह भी कहा कि भारत ने तटस्थ जगहों पर पाकिस्तान का कई बार सामना किया है। उन्होंने कहा कि हमने एशिया कप के दौरान एक तटस्थ जगह पर उनसे तीन बार खेला। अगर हमें कोलंबो में खेलने का एक और मौका मिलता है तो हम फिर से खेलेंगे। उन्होंने कहा कि यह मेरा फैसला नहीं है। यह आसान काम नहीं है, वे जरूर इस पर काम कर रहे होंगे। क्योंकि यह सरकार की ओर से आया है, इसलिए यह एक मुश्किल स्थिति है जिससे निपटना है।

आयुष म्हात्रे ने वैभव सूर्यवंशी के 'पावर' को सराहा

हरारे, वार्ता। भारत के अंडर-19 कप्तान आयुष म्हात्रे ने युवा ओपनर वैभव सूर्यवंशी की तारीफ की, जिनकी विस्फोटक पारी की बदौलत भारत ने बुधवार को हरारे में अफगानिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक सात विकेट से जीत हासिल कर आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बनाई। अंडर-19 वर्ल्ड कप में अब तक के सबसे बड़े टोटल का पीछा करते हुए, भारत ने टॉप ऑर्डर से शानदार शुरुआत की, जिसमें 14 साल के वैभव ने सिर्फ 33 गेंदों में तेज 68 रन बनाकर लय तय की। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने चार छक्के और पांच चौके लगाए, टूर्नामेंट में अपना तीसरा अर्द्धशतक बनाया और पावरप्ले के अंदर ही अफगान गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया। जबकि ओपनिग पार्टनर एरन जॉर्ज ने 115 रनों की शांत पारी खेलकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता, म्हात्रे ने पारी की शुरुआत में दबाव कम करने में वैभव के प्रभाव पर जोर दिया।

संक्षिप्त खेल समाचार

मुंबई को बड़ा झटका सरफराज खान अस्पताल में भर्ती

मुंबई, वार्ता। र्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से पहले मुंबई को बड़ा झटका लगा, क्योंकि मिडिल-ऑर्डर बैट्समैन सरफराज खान बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती हो गए और वह अहम नॉकआउट मैच नहीं खेल पाएंगे। सरफराज को बुधवार को तेज बुखार की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। टीम सूत्रों ने कहा कि उनकी हालत स्थिर है लेकिन ठीक होने में कुछ दिन लगने की उम्मीद है, जिससे क्वार्टर फाइनल के लिए उनके उपलब्ध होने की संभावना बहुत कम है। 28 साल के सरफराज इस रणजी सीजन में मुंबई के सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे हैं, उन्होंने मिडिल ऑर्डर में खूब रन बनाए और बैटिंग लाइनअप को स्थिरता दी। उनकी गैरमौजूदगी से कर्नाटक की मजबूत टीम के खिलाफ मुंबई की बैटिंग कमजोर होने की उम्मीद है।

ओमान ने जिम्बाब्वे को 4 विकेट से रौंदा

कोलंबो, वार्ता। सुफियान महमूद (तीन विकेट) के बाद जतिदर सिंह (55), हम्माद मिर्जा (35) और जितेन रामानंदी (नाबाद 34) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ओमान ने गुरुवार को टी-20 विश्वकप अभ्यास मैच में चार गेंदें शेष रहते जिम्बाब्वे को चार विकेट से हरा दिया। यहां ओमान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे ने ब्रायन बेनेट (56) और ताशिगा मुसेकिवा (नाबाद 54) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 187 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। ब्रेंडन टेलर और डिओन मेयर्स ने 26-26 रनों का योगदान दिया। ब्रैड एवंस 11 रन बनाकर आउट हुए। ओमान की ओर से सुफियान महमूद ने तीन विकेट लिए। नदीम खान को दो विकेट मिले। शाह फैसल ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी ओमान के लिए कप्तान आमिर कलीम और जतिदर सिंह की जोड़ी ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए

ओलंपिक मशाल वाहक के रूप में सम्मानित हुए ब्रिंदा

● **अभिनव ब्रिंदा ने मिलानो कोर्टिना 2026 शीतकालीन ओलंपिक के लिए मशाल वाहक चुने जाने पर गर्व व्यक्त किया**

नई दिल्ली, वार्ता। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने मिलानो कोर्टिना 2026 शीतकालीन ओलंपिक के लिए मशाल वाहक चुने जाने पर गर्व व्यक्त किया, और इस पल को एकता और मानवीय भावना का उत्सव बताया। बिंद्रा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि मिलानो कोर्टिना 2026 में ओलंपिक लौ ले जाने का सम्मान मिला।

यह एकता, दृढ़ता और साझा मानवीय आकांक्षा का प्रतीक है। बिंद्रा को पिछले साल अक्टूबर में मशाल वाहक के रूप में चुना गया था। 25वें शीतकालीन ओलंपिक आधिकारिक तौर पर शुक्रवार को शुरू होंगे। पहले पदक शनिवार को दिए जाने हैं, जबकि खेल 22 फरवरी को वेरोना ओलंपिक एरिना में समापन समारोह के साथ समाप्त होंगे। मिलानो कोर्टिना 2026 चौथी बार होगा जब इटली शीतकालीन ओलंपिक की मेजबानी करेगा।

इस आयोजन में 16 खेलों में 116 पदक कार्यक्रम होंगे, जो बीजिंग 2022 संस्करण की तुलना में सात कार्यक्रम और एक खेल का विस्तार है। मुख्य समारोह मिलान के प्रतिष्ठित सैन सिरो स्टेडियम में होगा, जो फुटबॉल क्लब एसी मिलान और इंटर मिलान का घर है, जिसमें प्रेडाजो, लिविग्नो और कोर्टिना डी' एम्पेजो में अतिरिक्त समारोह आयोजित किए जाएंगे। यह प्रारूप एथलीट प्रतिनिधिमंडलों को अपने संबंधित प्रतियोगिता स्थलों के करीब परेड करने की अनुमति देगा। उद्घाटन समारोह में प्रमुख इतालवी और अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों के प्रदर्शन शामिल होंगे, जिसमें अमेरिकी पॉप स्टार मारिया कैरी भी शामिल हैं, जो खेलों के लॉन्च में एक प्रमुख मनोरंजन आयाम जोड़ेंगे। शीतकालीन ओलंपिक दो मुख्य शहरों में फैले होंगे।

भारत के सम्राट राणा और सुरुचि सिंह ने मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता रजत पदक

नई दिल्ली, वार्ता। भारत के सम्राट राणा और सुरुचि सिंह ने गुरुवार को एशियन निशानेबाजी चैंपियनशिप 2026 में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में उज्बेकिस्तान से मामूली अंतर से पीछे रहते हुए रजत पदक जीता। आज यहां भारतीय जोड़ी ने डा. कर्णी सिंह शूटिग रेंज में फाइनल में 479-6 अंक हासिल किए, जबकि उज्बेकिस्तान की निगीना सैदकुलोवा और मुखम्मद कमालव ने 481-3 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। पहले दो सीरीज के आखिर में सम्राट और सुरुचि आगे थे, लेकिन उज्बेक खिलाड़ियों की लेट रैली ने उन्हें पीछे कर दिया। चीनी ताइपे के चेंग एन-चिग और हसिंह हसिआंग-चेन ने 412-2 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। इससे पहले दिन में, सम्राट राणा और सुरुचि सिंह ने 583 अंक के साथ क्वालिफिकेशन राउंड में शीर्ष पर रहकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। दूसरी भारतीय टीम, जिसमें ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और श्रवण कुमार शामिल थे, 571 अंक के साथ नौवें स्थान पर रही। आज मिली इस जीत के साथ स्पर्धा में भारत के पदकों की संख्या पांच हो गई है। भारत ने दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीता है।

सुजीत ने जागरेब ओपन में जीता सोना

● **क्रोएशिया में कुश्ती टूर्नामेंट सुजीत कलकल ने 65 किग्रा भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए ईरान के पेमैन अली को हराया**

क्रोएशिया, वार्ता। भारतीय पहलवानों ने जागरेब ओपन 2026 कुश्ती टूर्नामेंट के पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया। सुजीत कल्कल ने 65 किग्रा में स्वर्ण, अमन सहरावत ने 61 किग्रा रजत और अभिमन्यु ने 70 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीते।

बुधवार को क्रोएशिया में जागरेब ओपन 2026 कुश्ती टूर्नामेंट सुजीत कल्कल ने 65 किग्रा भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए ईरान के पहलवान पेमैन अली नेमाती को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वही पेरिस 2024 के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने 61 किलोग्राम कैटेगरी में रजत जीता, जबकि अभिमन्यु को 70 किलोग्राम कैटेगरी में कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियन सुजीत 65 किलोग्राम कैटेगरी में शानदार रहे और बिना कोई अंक गंवाए खिताब जीता। 23 साल के भारतीय पहलवान ने फाइनल में ईरान के पेमैन अली नेमाती को 3-0 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला खत्म किया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में फांस के खमजात अरसामरजोएव को टेक्निकल सुपीरियरिटी के आधार पर हराया और फिर सेमीफाइनल में अमेरिका के दो बार के पैन अमेरिकन चैंपियन जोसेफ मैककेना को 11-0 से हराया। इस बीच, नॉर्डिक सिस्टम के जरिए अमन सहरावत ने जाग्रेब ओपन में अपने करियर का तीसरा पदक जीता। ओलंपिक पदक जीतने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय अमन ने ईरान के रेजा हुसैन मोमेनिजोउजादेह (12-2) और जॉर्जिया के जियोर्गी गोनियाश्विली (10-0) को हराया और फिलिस्तीन के अली अबुरमैला से वॉकओवर मिला। अमेरिका के ऑस्टिन डेसैंटो से 8-0 की हार का मतलब था कि भारतीय पहलवान दूसरे स्थान पर रहा। 70 किलोग्राम भार वर्ग में, अभिमन्यु ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के टायलर कासक को 10-0 से हराकर शानदार शुरुआत की, लेकिन सेमीफाइनल में ईरान के सीना खलीली से 10-0 से हार गए।

नेपाल ने कनाडा को छह विकेट से हराया

चेन्नई, वार्ता। आसिफ शेख (58) और संदीप जोरा (44) की शानदार पारियों की बदौलत नेपाल ने गुरुवार को टी-20 विश्वकप से पहले खेले गए अभ्यास मैच में कनाडा को 12 गेंदें शेष रहते छह विकेट से शिकस्त दी। यहां टॉस जीतकर कनाडा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल के खिलाफ निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 161 का स्कोर बनाया। नवनीत ने 36 गेंदों में तीन छक्के और एक चौका लगाते हुए 41 रनों की पारी खेली। कंवरपाल (25), कीरटॉ (10), हर्ष (आठ) और जसकरण (21) रन बनाकर आउट हुए। श्रेयस ने 19 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 38 रनों की पारी खेली।

रोनाल्डो ब्राजील के विश्व कप जीतने की संभावनाओं को लेकर आशावादी

रियो डी जेनेरो, वार्ता। पूर्व स्ट्राइकर रोनाल्डो ने कहा कि उन्हें इस साल के फीफा वर्ल्ड कप में एक नई ऊर्जा से भरी ब्राजील टीम देखने की उम्मीद है, और उन्होंने मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के सकारात्मक प्रभाव की तारीफ की। पांच बार की वर्ल्ड कप विजेता ब्राजील क्वालीफायर में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी पीछे थी, 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में पांचवें स्थान पर रही, जो लीडर और मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना से 10 अंक पीछे थी। लेकिन रोनाल्डो ने कहा कि पिछले साल मई में अपनी नियुक्ति के बाद से एंसेलोटी ने राष्ट्रीय टीम में नया आत्मविश्वास जगाया है। दो बार के वर्ल्ड कप विजेता ने पत्रकारों से कहा कि मैं बहुत आशावादी हूं।

ग्राम पंचायत बाबरखेड़ा
वि० ख० जसपुर (ऊधम सिंह नगर)

पत्रांकः मैमो — दिनांकः 04/02/2026

पत्रांक मैमो / निर्माण कार्य/कोटेशन सूचना/निविदा सूचना/दिनांक-04.02.2026

अतिअल्प कालीन निविदा सूचना

आप समस्त केन्द्र / राज्य सरकार विभाग / उपक्रम में पंजीकृत मार्ग निर्माण कार्यों हेतु ठेकेदारों/फर्म को सूचित किया जाता है कि दिनॉक 17.02.2026 को प्राप्त 10:00 बजे से स्थान ग्राम पंचायत कार्यालय बाबरखेड़ा में निविदा आमंत्रित की जा रही है। जो कि निविदा तिथि से 14.02.2026 को अपराहन 1:00 बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत कार्यालय बाबरखेडा में निर्धारित शुल्क रू0 600.00 रु० जमा करने पर प्राप्त किये जा सकते है।

निविदा 17.02.2026 को अपराह्न 02:00 बजे तक उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके मनोनीत प्रतिनिधियों के सम्मुख ग्राम पंचायत द्वारा गठित समिति के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र के साथ रू0 100.00 का नाम ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर रु० 1:00 का रसीदी टिकट चस्पा कर हस्ताक्षर कर जमा करना होगा। सफल निविदाकर्ता को अनुबन्ध गठन करते हुए कुल लागत का 5 प्रतिशत जमानत राशि की एफ०डी०आर० जो ग्राम पंचायत बाबरखेडा के पदनाम से बन्धक बनाकर जमा करनी आवश्यक है। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत बाबरखेडा को होगा। कार्यो से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी एवं विभागीय शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय ग्राम पंचायत एवं कनिष्ठ अभियन्ता (पंचायत) से प्राप्त की जा सकती है। किन्ही अपरिहार्य कारणवश निर्धारित तिथि को राजकीय / स्थानीय अवकाश होने की स्थिति में उक्त निविदा अगली तिथि/कार्य दिवस को आमंत्रित की जायेगी।

क्र0सं0	कार्य का नाम	मद	स्वीकृत लागत (लाख में)	धरोहर की राशि	कार्य पूर्ण करने का समय(माह में)
01	ग्राम पंचायत बाबरखेड़ा में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य	RGSA	5.00 लाख	25000 रू0	03 माह
02	ग्राम पंचायत बाबरखेड़ा में मैन रोड से मेहन्दी पधान के घर की ओर नाली निर्माण	15वाँ / राज्य वित्त	1.26 लाख	6300 रू0	03 माह
03	ग्राम पंचायत बाबरखेड़ा में मैन रोड से मेहन्दी पधान के घर की ओर सी0सी0टाईल्स रोड निर्माण	15वाँ / राज्य वित्त	4.34 लाख	21700 रू0	03 माह
04	ग्राम पंचायत बाबरखेड़ा में पी0डब्लू0डी0 रोड से खालिद के घर की और नाली निर्माण	15वाँ / राज्य वित्त	4.64 लाख	23200 रू0	03 माह
05	ग्राम पंचायत बाबरखेड़ा में पी0डब्लू0डी0 रोड से खालिद के घर की और सी0सी0 टाईल्स रोड निर्माण	15वाँ / राज्य वित्त	7.62 लाख	38100 रू0	03 माह

नोट - कार्य नम्बर 05 में निविदा शुल्क 1200 रु0 लिया जायेगा।

प्रधान
ग्राम पंचायत-बाबरखेड़ा
विकास खण्ड- जसपुर।

AXIS BANK LTD.

गिरवी रखी गई संपत्तियों, जिनमें सोने के आभूषण शामिल हैं, की ई-नीलामी के लिए सार्वजनिक सूचना

उधारकर्ताओं को, विशेष रूप से और आम जनता को, यह सूचित किया जाता है कि नीचे दिए गए खातों में गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी एक्सिस बैंक द्वारा नीचे उल्लिखित शाखा में आयोजित की जाएगी। नीचे उल्लिखित उधारकर्ताओं ने बैंक के पक्ष में सोने के आभूषणों को गिरवी रखकर ('स्वर्ण ऋण सुविधा') एक्सिस बैंक लिमिटेड से ऋण सुविधा का लाभ उठाया है। ऋण लेने वालों/गारंटरों को मांग नोटिस जारी किए गए थे, जिसमें उनसे लिए गए स्वर्ण ऋण की बकाया राशि का भुगतान करने का अनुरोध किया गया था। चूंकि ऋण लेने वाले/गारंटर बकाया ऋण राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, इसलिए बैंक को गिरवी का उपयोग करने के लिए विवश होना पड़ा है और उसने गिरवी रखे गए स्वर्ण आभूषणों की ई-नीलामी आयोजित करने का प्रस्ताव दिया है, जिसका विवरण नीचे दी गई संपत्ति की अनुसूची में दिया गया है। यह नीलामी 16.02.2026 को दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक 'जैसा है, जहां है', 'जैसा है वैसा ही', 'जो कुछ भी उपलब्ध है' और 'कोई सहारा नहीं' के आधार पर होगी।

उधारकर्ताओं का विवरण और बकाया राशि

क्र0 सं0	ग्राहक का नाम	ऋण खाता संख्या	बकाया राशि (रुपये में)	वापसी सूचना की तिथि	सकल भार	शुद्ध भार
	शाखा: बाजपुर (यूटी)					
1	मनमीत कौर	XXXXXXXXXXX1285	₹ 8,09,329.17	16-11-2025	136.700	127.700
2	गुरसेवक सिंह	XXXXXXXXXXX7916	₹ 4,95,103.00	19-12-2025	87.700	84.000
3	कुवरा	XXXXXXXXXXX2213	₹ 3,47,248.00	16-11-2025	67.600	64.200
4	मोहम्मद आसिम	XXXXXXXXXXX6548	₹ 2,38,790.61	27-10-2025	44.900	42.200
5	नादिर हुसैन	XXXXXXXXXXX4698	₹ 2,12,671.60	10-01-2026	46.400	43.500
6	अफ़सर	XXXXXXXXXXX6330	₹ 1,45,235.00	06-11-2025	26.800	26.200
7	मोहम्मद आसिम	XXXXXXXXXXX6038	₹ 1,03,424.00	10-12-2025	28.400	24.400
	शाखा: देहरादून (यूटी)					
8	रॉबिन बेसनेट	XXXXXXXXXXX1697	₹ 12,55,600.00	25-11-2025	214.300	210.600
	शाखा: गंगूवाला, उधा जेएसपी यूटी					
9	ममता रानी	XXXXXXXXXXX4654	₹ 7,68,638.34	01-11-2025	180.300	177.300
	शाखा: जीएमएस रोड, देहरादून (यूटी)					
10	प्रशांत शर्मा	XXXXXXXXXXX8521	₹ 10,98,189.27	16-11-2025	182.620	175.510
11	साकिब अंसारी	XXXXXXXXXXX4464	₹ 67,571.00	16-11-2025	10.340	10.000
	शाखा: हरिद्वार (यूटी)					
12	खलील	XXXXXXXXXXX6793	₹ 2,11,131.22	16-06-2025	48.400	45.700
13	रश्मी सिंह	XXXXXXXXXXX6248	₹ 1,23,421.00	10-12-2025	20.200	19.400
14	रणवीर सिंह	XXXXXXXXXXX8591	₹ 72,192.00	27-10-2025	14.400	13.700
	शाखा: काशीपुर (यूटी)					
15	याकूब	XXXXXXXXXXX7135	₹ 2,60,729.00	06-11-2025	50.300	48.800
16	नूर हसन	XXXXXXXXXXX1452	₹ 2,31,179.00	16-11-2025	44.500	43.000
17	विपिन कुमार	XXXXXXXXXXX5637	₹ 1,39,444.00	31-07-2025	27.200	26.500
	शाखा: खटीमा, जिला केटीएम (यूटी)					
18	मोहम्मद जाहिद अंसारी	XXXXXXXXXXX5044	₹ 3,34,070.00	27-10-2025	54.900	52.900
	शाखा: माखनपुर, महमो हर (यूटी)					
19	आमिल अली	XXXXXXXXXXX9126	₹ 1,56,245.00	10-01-2026	104.800	102.200
	शाखा: पडरी (यूटी)					
20	मोहम्मद इमरान	XXXXXXXXXXX8351	₹ 2,43,999.00	19-12-2025	50.400	48.900
21	मो साजिद	XXXXXXXXXXX0763	₹ 1,04,212.86	10-12-2025	17.400	16.800
22	मोहम्मद इमरान	XXXXXXXXXXX0327	₹ 80,023.00	10-12-2025	50.400	48.900
23	अमित कुमार	XXXXXXXXXXX2087	₹ 79,113.50	10-12-2025	10.100	9.800
	शाखा: रुद्रपुर (यूटी)					
24	दिनेश कुमार	XXXXXXXXXXX1889	₹ 1,35,523.00	19-12-2025	21.500	20.300
25	सोनिया साहनी	XXXXXXXXXXX5261	₹ 65,842.00	10-01-2026	12.200	11.500
	शाखा: शिवलालपुर पांड नई (यूटी)					
26	सतविंदर सिंह कहलों	XXXXXXXXXXX2640	₹ 6,65,358.00	27-09-2025	459.330	442.990

एक्सिस बैंक लिमिटेड बिना किसी पूर्व सूचना के खाता बंद करने/नीलामी की तिथि बदलने का अधिकार रखता है। नीलामी ऑनलाइन HTTPS://GOLD.SAMIL.IN पर दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 3:30 बजे के बीच आयोजित की जाएगी। विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, पया दी गई वेबसाइट HTTPS://GOLD.SAMIL.IN पर लॉग इन करें।
स्थान: उत्तराखंड, दिनांक: 06.02.2026 — एसडी/- अधिकृत अधिकारी, एक्सिस बैंक लिमिटेड

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग अल्मोड़ा,
Office of the Executive Engineer, PWD, Almora Uttarakhand
Phone/Fax:-05962-23003 E-mail: eepdalmora@rediff.com , Web-http://govt.ua.nic.in/pwd

निविदा सूचना सं0 494/ निविदा — दिनांक:- 05/02/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0वि0वि0, अल्मोड़ा द्वारा निम्नलिखित कार्यो की सील्ड निविदा दिनांक 23-02-2026 को अपराहन 2:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 07-02-2026 से दिनांक 21-02-2026 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्न कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते हैं, तथा दिनांक 23-02-2026 को अपरान्ह 2:00 बजे तक निम्न कार्यालयों में डाले जा सकते हैं।
1. अधीक्षण अभियन्ता, प्रथम वृत्त, लो0नि0वि0, अल्मोड़ा,
2. अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, अल्मोड़ा,
3. अधिशासी अभियन्ता, निर्माण अण्ड, लो0नि0वि0, अल्मोड़ा,
4. अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बागेश्वर।

क0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर राशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैद्यता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत सहायक अभियन्ता (प्रथम) के अधीनस्त पड़ने वाले मार्गो में नाली सफाई/स्करप सफाई/झाड़ी कटान इत्यादि का कार्य।	12000.00	1000.00 + 18% GST	60 दिन	3 माह	मार्ग कार्य में ई एवं उच्च श्रेणी में पजीकृत।
2	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत सहायक अभियन्ता (द्वितीय) के अधीनस्त पड़ने वाले मार्गो में नाली सफाई/स्करप सफाई/झाड़ी कटान इत्यादि का कार्य।	12000.00	1000.00 + 18% GST	60 दिन	3 माह	मार्ग कार्य में ई एवं उच्च श्रेणी में पजीकृत।
3	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत सहायक अभियन्ता (तृतीय) के अधीनस्त पड़ने वाले मार्गो में नाली सफाई/स्करप सफाई/झाड़ी कटान इत्यादि का कार्य।	12000.00	1000.00 + 18% GST	60 दिन	3 माह	मार्ग कार्य में ई एवं उच्च श्रेणी में पजीकृत।
4	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत सहायक अभियन्ता (चतुर्थ) के अधीनस्त पड़ने वाले मार्गो में नाली सफाई/स्करप सफाई/झाड़ी कटान इत्यादि का कार्य।	12000.00	1000.00 + 18% GST	60 दिन	3 माह	मार्ग कार्य में ई एवं उच्च श्रेणी में पजीकृत।
5	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत सहायक अभियन्ता (पंचम) के अधीनस्त पड़ने वाले मार्गो में नाली सफाई/स्करप सफाई/झाड़ी कटान इत्यादि का कार्य।	12000.00	1000.00 + 18% GST	60 दिन	3 माह	मार्ग कार्य में ई एवं उच्च श्रेणी में पजीकृत।
6	वार्षिक अनुरक्षण मद के अन्तर्गत सहायक अभियन्ता (षष्ट्म) के अधीनस्त पड़ने वाले मार्गो में नाली सफाई/स्करप सफाई/झाड़ी कटानं इत्यादि का कार्य।	12000.00	1000.00 + 18% GST	60 दिन	3 माह	मार्ग कार्य में ई एवं उच्च श्रेणी में पजीकृत।

निविदा दिनांक:-23-02-2026 को अपरान्ह 3:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी अन्य शर्ते निविदा प्रपत्रों के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0,
अल्मोड़ा।

केएलडीएवी शिक्षण संस्थान से मनोज सैनी के रिटायरमेंट के बाद

सुरेश कुमार राय बने इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। केएल डीएवी इंटर कॉलेज के प्रधान आचार्य पद से मनोज कुमार सैनी के रिटायरमेंट के बाद अब प्रबंधन ने वरिष्ठ अध्यापक सुरेश कुमार राय को प्रधानाचार्य पद की जिम्मेदारी सौंप दी है ।

प्रधानाचार्य पद की अहम जिम्मेदारी मिलने पर सुरेश कुमार राय ने प्रबंधन का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो प्रबंधन द्वारा प्रधानाचार्य की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है वह उसे पूरी ईमानदारी जिम्मेदारी से निभाएंगे व अपने कॉलेज का शैक्षिक माहौल और बेहतर करनेशिक्षा के स्तर को और सुधारने के लिए अपनी हर कोशिश करेंगे और ईमानदारी जिम्मेदारी के साथ शिक्षा के स्तर को और ऊंचा करने व कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों को

अनुशासित .करने के साथ छात्र व संस्थान हित में काम करने के लिए भी लगातार काम करेंगे। अवगत करादे कि कन्हैया लाल डी.ए.वी.इंटर कॉलेज,रुड़की में संस्था के प्रधानाचार्य मनोज कुमार सैनी ने अपनी शैक्षिक अधिवर्षता पूर्ण कर विगत 31 जनवरी 2025 को सेवा निवृत्ति ग्रहण की। तदुपरांत अभिषेक शुक्ला (प्रबंध संचालक) द्वारा संस्था के वरिष्ठतम प्रवक्ता सुरेश कुमार राय को कन्हैया लाल डी.ए.वी. इंटर कॉलेज,रुड़की का नया प्रधानाचार्य नियुक्त करते हुए पदभार ग्रहण कराया गया। नवनियुक्त प्रधानाचार्य सुरेश कुमार राय द्वारा सर्वप्रथम संस्था के संस्थापक स्वर्गीय राय साहब कन्हैया लाल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इसके पश्चात विद्यालय परिवार द्वारा नवनियुक्त प्रधानाचार्य का पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर सम्मान एवं स्वागत किया गया। इस अवसर पर सुरेश कुमार राय (प्रधानाचार्य) ने संस्था के विकास एवं छात्र हित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

❖संस्थान व छात्र हित में ईमानदारी व जिम्मेदारी से करूंगा काम : राय

इमलीखेड़ा नगर पंचायत ने सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटवाया

शाह टाइम्ससंवाददाता

पिरान कलियर। नगर पंचायत इमलीखेड़ा के वार्ड नंबर दो गुम्मावाला में नगर पंचायत की सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को नगर पंचायत प्रशासन ने हटवा दिया। सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया। इमलीखेड़ा नगर पंचायत की ईओ मंजू चौहान ने बताया कि क्षेत्र के ही एक व्यक्ति ने नगर पंचायत की करीब 17 बीघा भूमि पर पिछले लगभग आठ सालों से अवैध कब्जा किया हुआ था।इस भूमि पर फिहलाल आम का बाग है। नगर पंचायत की ओर से कई बार संबंधित व्यक्ति को भूमि खाली करने के लिए कहा गया था।लेकिन कब्जा नही हटाया गया। इसके बाद नगर पंचायत ने लेखपाल को मौके पर बुलाकर भूमि की पैमाइश कराई। पैमाइश के बाद पुलिस बल की मौजूदगी में नगर पंचायत अधिकारियों ने ट्रैक्टर चलवाकर अवैध कब्जा हटवाया और भूमि को कब्जा मुक्त कराया। ईओ मंजू चौहान ने बताया कि नगर पंचायत की सरकारी संपत्ति पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नही किया जाएगा। आगे भी नगर पंचायत क्षेत्र में सरकारी भूमि की पर अभियान जारी रहेगा।इस मौके पर इमलीखेड़ा चौकी प्रभारी सहजाद अली, सभासद रोशनलाल ,साहब सिंह ,मनोज कुमार,आकाश सैनी,शुभम सैनी, शीशपाल आदि मौजूद रहें।

एसएसपी ने थाने-कोतवालियों में किया फेरबदल

प्रदीप विष्ट सिविल लाइन व मनीष भूषण को गंगनहर कोतवाली की जिम्मेदारी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से निरीक्षक एवं उपनिरीक्षक स्तर के अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार कुल 15 पुलिस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से उनके वर्तमान तैनाती स्थल से स्थानांतरित किया गया है। आदेश के तहत पुलिस लाइन, कोतवाली, थाना और विशेष शाखाओं में तैनात अधिकारियों को नए दायित्व सौंपे गए हैं। कई अधिकारियों को कोतवाली प्रभारी, थाना प्रभारी एवं विशेष शाखाओं में नियुक्त किया गया है।

तबादला सूची के अनुसार प्रमुख बदलाव इस प्रकार हैं-निरीक्षक प्रवीण काश्यारी को पुलिस लाइन से कोतवाली लक्सर का प्रभारी बनाया गया है। निरीक्षक राजीव रौथाण को कोतवाली लक्सर से कोतवाली भगवानपुर का प्रभारी नियुक्त किया गया है। निरीक्षक मणि भूषण श्रीवास्तव को शाखा पुलिस कार्यालय से कोतवाली गंगनहर का प्रभारी बनाया गया है। निरीक्षक मनोहर भंडारी को कोतवाली गंगनहर से थाना श्यामपुर की जिम्मेदारी दी गई है। निरीक्षक शांति कुमार को कोतवाली रानीपुर से शाखा पुखरियाल भेजा गया है। निरीक्षक मनीष उपाध्याय को कोतवाली रुड़की से वाचक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय हरिद्वार नियुक्त किया गया है। निरीक्षक प्रदीप बिष्ट को सीआईयू रुड़की से कोतवाली रुड़की का प्रभारी बनाया गया है। निरीक्षक देवेंद्र सिंह रावत को वाचक कार्यालय से थाना कनखल का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उपनिरीक्षक मनोज शर्मा को थाना श्यामपुर से पुलिस कार्यालय भेजा गया है। निरीक्षक दिगपाल कोहली को पीआरओ कार्यालय से थाना खानपुर का प्रभारी बनाया गया है। उपनिरीक्षक धर्मेंद्र राठी को थाना खानपुर से शाखा पुलिस स्थानांतरित किया गया है। निरीक्षक विजय सिंह को सीसीटीएनएस/ट्रांजिट सेल से थाना बहादराबाद का प्रभारी बनाया गया है। उपनिरीक्षक अंकुर शर्मा को थाना बहादराबाद से थाना भगवानपुर भेजा गया है। उपनिरीक्षक मनोहर सिंह रावत को थाना कनखल से शाखा पुखरियाल तैनात किया गया है। निरीक्षक आशुतोष राणा को फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन एंड क्राइम सेल से कोतवाली रानीपुर का प्रभारी बनाया गया है। एसएसपी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे तत्काल प्रभाव से नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण कर अनुपालन रिपोर्ट कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

❖इंस्पेक्टर प्रवीण कोश्यारी लक्सर व राजीव रौथाण बने भगवानपुर के कोतवाल

बीएसएम पीजी कॉलेज की एंट्री ड्रग सेल समिति ने

छात्र-छात्राओं को किया नशे के प्रति जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। बीएसएम (पीजी) कॉलेज महाविद्यालय में एंटी ड्रग सेल समिति के द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नशे से बचाव के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की। इस अवसर पर जन जागरूकता बढ़ाने और नशे की समस्या की जड़ से समाप्ति पर जोर दिया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य मेजर गौतम वीर ने कहा कि नशा एक धीमी मौत है जो शारीरिक और मानसिक चेतना को नष्ट कर देता है। यह सुख का भ्रम देता है। नशे की लत से उभरने का सफर कठिन हो सकता है लेकिन हर दिन का संघर्ष आपको मजबूती देता है।"आज नशा जो खाता तू है,कल तुझको नशा ये खाएगा"। इस सच्चाई को समझें और आज ही इसे छोड़ने का संकल्प ले। नशा छोड़ने मतलब परिवार को खुशहाली वापस लौटना है। नशा मुक्ति एक स्वस्थ जिम्मेदार और सार्थक जीवन की ओर पहला कदम है। प्राचार्य ने कहा कि नशा सिर्फ एक बुरी लत नहीं, बल्कि एक जानलेवा बीमारी है जो तन-मन-धन तीनों को बर्बाद कर देती है। इससे दूर रहकर ही एक स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन का आनंद लिया जा सकता है, अत: नशे को छोड़े और जीवन को अपनाए। एंटी ड्रग सेल की नोडल अधिकारी डॉक्टर अलका तोमर ने छात्र-छात्राओं को बताया कि राष्ट्र के विकास के लिए नशा एक बड़ी बाधा है। युवाओं को इससे दूर

रहकर जागरूक जीवन जीना चाहिए। जो व्यक्ति नशा करता है वह अपने असली लक्षण से भटक सकता है और बुरे मार्ग पर जा सकता है, अत: हमें इससे बचना चाहिए। महाविद्यालय के एंटी ड्रग सेल समिति के सदस्य डॉक्टर सुनीता कुमारी डॉक्टर सुरजीत सिंह ने भी अपने विचारों से छात्र-छात्राओं को नशे का हानिकारक प्रभाव बताते हुए कहा कि नशे का सेवन करने से व्यक्ति की सोच और व्यवहार नकारात्मक हो जाता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉक्टर रीमा सिन्हा, डॉक्टर सीमा गुप्ता, डॉक्टर शिखा जैन, डॉक्टर सुरजीत सिंह, डॉक्टर संदीप पोसवाल, डॉक्टर इंदु अरोड़ा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के शमा मलिक, सपना, रश्मि, गौरव ,संगम, समीर, रिहान, कृष्णा ,निशु ,सानिया, गुलनाज, आराधना आदि छात्र-छात्राओं का योगदान रहा।

महमूदपुर नदी में रात-दिन अवैध खनन से ग्रामीणों में आक्रोश

पिरान कलियर। महमूदपुर नदी में लंबे समय से चल रहे अवैध खनन ने लोगो की नींद उड़ा दी है। खनन माफियाओं द्वारा दिन-रत नदी को छलनी किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक मूकदर्शक बने हुए हैं। इससे आक्रोशित स्थानीय लोगो ने ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की को प्रार्थना पत्र सौंपकर अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।कलियर महमूदपुर निवासी जिल्ह्लू नम्बरदार ने पत्र के माध्यम से बताया कि रात के अंधेरे में डंपरों की कतार लगाकर नदी से अवैध खनन किया जा रहा है।

विधायक ने किया सड़क का शिलान्यास

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। विधायक हाजी फुरकान अहमद ने ब्रस्पतिवार को रांघड़वाला में राज्य योजना के तहत बनने वाली सड़क का फीता काटकर शिलान्यास किया। लगभग 400 मीटर लंबी इस सड़क के निर्माण से स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलेगी।विधायक फुरकान अहमद ने कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता है और इसके लिए वह लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना उनका लक्ष्य है, ताकि आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।इस अवसर पर विधायक ने राज्य प्राथमिक विद्यालय का भी दौरा किया और विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इस दौरान जयवीर, विनीत, सुभाष, राजवीर, समय सिंह, रणवीर, गोवर्धन, अशोक, मुस्तफा, कवरपाल, गामा,

नफीस, बिट्टू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

झबरेड़ा में शिव चौक के पास स्पीड ब्रेकर न होने से आए दिन हो रहीं दुर्घटनाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। कस्बे में स्थित शिव चौक के पास मुख्य मार्ग पर एक भी स्पीड ब्रेकर नहीं होने से यहां पर प्रतिदिन दुर्घटनाओं को बढ़ावा मिल रहा है। कस्बे वासियों ने शिव चौक के दोनों और स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग नगर पंचायत झबरेड़ा से की है।

कस्बा निवासी राजपाल सिंह बिट्टू चौधरी सुरेंद्र कुमार यशवीर सिंह शमशाद अहमद भोला सिंह जमशेद मलिक कुंवर पाल नीटु गुप्ता आदि का कहना है कि कस्बे में स्थित शिव चौक के दोनो ओर से मुख्य मार्ग निकलते हैं। शिव चौक के एक और से जहाँ गुरुकुल मार्ग तथा दूसरी ओर से झबरेड़ा मंगलौर मार्ग निकलता है। यहां दोनों मार्गों पर एक भी स्पीड ब्रेकर नहीं होने से प्रतिदिन कोई ना कोई सड़क दुर्घटना होनी आम बात हो गई है। यहां पर सड़क चौड़ी होने के कारण यहां से होकर जाने वाले बाइक सवार तथा अन्य वाहन स्पीड कम करने के बजाय वाहन की स्पीड को और बढ़ा देते हैं। वाहनों की तेज रफ्तार होने के कारण दुर्घटना होती रहती है।

सड़क किनारे बड़े वाहन खड़े करने से बढ़ रहे हैं हादसे-सड़क किनारे ट्रक डंपर आदि बड़े वाहन सड़क किनारे खड़े नहीं करने के उच्चाधिकारियों के आदेश के बाद भी कुछ ट्रक चालको पर इसका कोई असर नहीं पड़ रहा है। कस्बे में सड़क किनारे अक्सर कहीं भी ट्रक व डंपर खड़े देखे जा सकते हैं। जिससे सड़क दुर्घटना होने का अंदेशा बना रहता है ।कस्बे व क्षेत्र वासियों द्वारा सड़क किनारे कोई भी बड़ा वहान नही खड़े करने की मांग शासन प्रशासन से की है। घना कोहरा पड़ने से सड़क किनारे खड़े वाहनों में कार व दो पहिया वाहनों की कई बार टक्कर होने से बड़े हादसे होते रहते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सड़क किनारे वाहनों का खड़ा होना खतरे से खाली नहीं रहता।

खेडाजट्ट गोलीकांड :तमंचे सहित एक दबोचा

मंगलौर। कोतवाली मंगलौर क्षेत्र के ग्राम खेडाजट्ट में हुए सनसनीखेज गोलीकांड में हरिद्वार पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत पुलिस ने इस मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के मात्र 48 घंटे के भीतर अब तक कुल तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिनमें से दो को पूर्व में जेल भेजा जा चुका है।तीसरे आरोपी शिव चौधरी पुत्र उधम सिंह,निवासी: ग्राम खेडाजट्ट को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अवगत कराने की तीन फरवरी की सायं ग्राम खेडाजट्ट में दो पक्षों के अराजक तत्वों के बीच आपसी विवाद के दौरान फायरिंग की घटना हुई थी, जिसमें दो आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं।

कंपनी के जहरीले पानी से फसलें तबाह

पिरान कलियर। बेडपुर क्षेत्र के किसानों ने सिल्वर क्राउन फूड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से निकलने वाले गंदे व जहरीले पानी से फसलों को हो रहे नुकसान को लेकर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की को शिकायत पत्र सौंपा है। किसानों ने कंपनी के अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और नष्ट हुई फसलों का उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। बेडपुर के किसान अहसान, दीपक कुमार, अनुज कुमार, अजय सैनी, राजेश कुमार, साजिद, गुलाम साबिर, नोशाद व इरफान ने ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र सेठ को दिए गए पत्र में बताया कि सिल्वर क्राउन फूड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से निकलने वाला दूषित पानी उनके खेतों में जा रहा है। इससे फसलें पूरी तरह खराब हो चुकी हैं और किसानों को लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है।किसानों का कहना है कि वे कई बार कंपनी के अधिकारियों से पानी की सप्लाई बंद करने की मांग कर चुके हैं, लेकिन उनकी शिकायतों को लगातार नजरअंदाज किया गया।

बिनारसी हत्याकांड : पुलिस ने दोनों पक्षों के 11 आरोपी दबोचे

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। ग्राम बिनारासी में एक फरवरी को हुए दोहरे हत्याकांड के मामले में भगवानपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के कुल 11 वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने मुख्य आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा और एक खोखा कारतूस भी बरामद किया है। जानकारी के अनुसार रविदास जयंती शोभायात्रा के सकुशल संपन्न होने के बाद शाम करीब पांच बजे पुरानी रंजिश के चलते आरोपी विशाल ने अपने साथियों के साथ मिलकर गांव के युवक आनंद को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना से आक्रोशित आनंद पक्ष के लोगों ने विशाल के चाचा मांगेराम की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी।

इस दौरान विशाल पक्ष के घरों में आगजनी और तोड़फोड़ भी की गई, जिससे क्षेत्र में तनाव फैल गया। दोनों पक्षों की तहरीर पर भगवानपुर थाने में संबंधित धाराओं में मुकदमे दर्ज किए गए। मृतक मांगेराम के पुत्र जोनी की तहरीर पर अनुज समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ, जबकि मृतक आनंद के पिता लक्ष्मीचंद की तहरीर पर विशाल व अन्य के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने गांव में पुलिस बल तैनात कर शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए और कुछ पुलिस कर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की। साथ ही विशेष टीम गठित कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के आदेश दिए गए। पुलिस टीम ने चार फरवरी को अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर मुकदमा 65/2026 में हुस्नलाल, अक्षय, सुनील, भूपेंद्र, टिकू, रोहित, असकेन्द्र और अवनेश उर्फ हनुमान को गिरफ्तार किया। वहीं विशाल, हिमांशु और निखिल को पकड़ा गया।

लंढौरा क्षेत्र में विजिलेंस की छापेमारी, 14 जगहों पर पकड़ी बिजली चोरी

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। विजिलेंस व विधुत विभाग की टीम ने मुंडलाना बिजलीघर क्षेत्र के दो गांवों में छापेमारी करते हुए 14 जगहों पर बिजली चोरी पकड़ी है। विभागीय अधिकारी पकड़े गए बिजली चोरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहे है।

मुंडलाना बिजलीघर क्षेत्र के अकबरपुर ढाढेध्की व निजामपुर गांव में लंबे समय से बिजली चोरी को लेकर मिल रही शिकायतों की रोकथाम को लेकर वीरवार को लंढौरा विधुत उप स्टेशन के एसडीओ गुलशन बुलानी के नेतृत्व में विजिलेंस व उर्जा निगम की टीम ने बिजली चोरों के खिलाफ बड़े स्तर पर छापेमारी अभियान चलाया। एसडीओ गुलशन कुमार बुलानी ने बताया कि टीम द्वारा 3 दर्जन से अधिक जगहों पर जांच की गई जिसमें 2 दर्जन से अधिक घरों में बिजली चोरी होती पाई गई है। पकड़े गए बिजली चोरों के खिलाफ मुकदमे दर्ज कराने की तैयारी की जा रही हैं। उन्होंने बिजली चोरी की रोकथाम को लेकर आगे भी अभियान जारी रहने की बात कही। उर्जा निगम द्वारा बिजली चोरों के खिलाफ छापेमारी से बिजली चोरों में दिन भर हडकंप मचा रहा। टीम में विजिलेंस के सहायक अभियंता धनंजय सिंह, सहायक अभियंता विकास कुमार व मुंडलाना बिजलीघर की अवर अभियंता संजना सिंह व लाइन स्टाफ मौजूद रहे।

प्लाट दिलाने के नाम पर महिला से 22 लाख ठगे

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। क्षेत्र के सलेमपुर राजपुतान निवासी कुसुम देवी ने तहरीर में बताया कि लक्सर के हरिद्वार मार्ग निवासी राधेश्याम और उनकी पत्नी दीपा सैनी के साथ उनकी रिश्तेदारी है। 13 जून 2025 को वह अपने पुत्र आदित्य सैनी व परिवार के मदनपाल व बेबी के साथ उनके घर आए और परेशानी बताते हुए उनसे 14 लाख रुपये उधार लिए। 24 जून को वह दोबारा उनके घर आए और पैसे वापस करने की बात कहते हुए उन्हें लक्सर स्थित अपना एक प्लॉट बेचने की बात कही। उन्होंने इसपर हामी भर दी। लक्सर के गोवर्धनपुर मार्ग पर प्रोविजन स्टोर चलाने वाले दिवाकर ने उन्हें प्लॉट दिखाया। सौदा तय होने पर उन्होंने 4 लाख रुपये तत्काल टोकन मनी के तौर पर आदित्य सैनी के खाते में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद किस्तों ने आरोपियों ने उनसे 22.80 लाख की रकम ले ली। अक्तूबर माह में प्लॉट की रजिस्ट्री होनी थी। 16 अक्तूबर को वह अपने पुत्र और पुत्रवधू के साथ लक्सर तहसील पहुंची। यहां पहुंचकर उन्हें पता लगा कि जिस प्लॉट का सौदा उनके साथ किया गया है। आरोपी इस प्लॉट का 14 जनवरी को ही किसी अन्य महिला के नाम इकरारनामा कर चुके हैं। उन्होंने आरोपियों से इसकी शिकायत करते हुए पैसे वापस करने को कहा तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए पैसे वापस करने से इन्कार कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। कोतवाली प्रभारी प्रवीण कोश्यारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी आदित्य सैनी, दीपा सैनी, राधेश्याम, मदनपाल, बेबी और दिवाकर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

सीडीओ व दर्जामंत्री ने सुनी जनसमस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा की अध्यक्षता में विकासखंड विकासखंड रुड़की के न्याय पंचायत खंजरपुर पंचायत घर टोडा कल्याणपुर अहतमाल में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार शिविर में विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित जन कल्याणकारी योजनों से 2251 क्षेत्रवासियों को लाभान्वित किया गया तथा विभिन्न विभागों के माध्यम से 1245 लोगों को विभिन्न प्रमाण पत्र निर्गत किए गए, इस शिविर में 5238 लोगों द्वारा किया गया प्रतिभाग।

आयोजित शिविर ने क्षेत्रवासियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित 66 समस्याएं दर्ज कराई गई, जिसमें 46 समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया, शेष समस्याओं को त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष, समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति (राज्यमंत्री स्तर)देशराज कर्णवाल ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी के निर्देशानुसार प्रदेश की सभी न्याय पंचायतों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुँचाना है तथा उनकी समस्याओं का त्वरित गति से समाधान सुनिश्चित करना है। इस दौरान क्षेत्रवासियों द्वारा विभिन्न

विभागों से संबंधित कुल 66 समस्याएं दर्ज कराई गई, जिनमें से 46 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।जिनमें भूमि विवाद, अतिक्रमण, विद्युत विभाग के बिल, जलभराव, चकरोड़ एवं साफ-सफाई से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं।उन्होंने कहा कि बहुउद्देशीय शिविर के माध्यम से क्षेत्रीय जनता को भरपूर लाभ हो रहा है। राज्य मंत्री एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री/भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष द्वारा शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टालों का भी निरीक्षण किया। मुख्य विकास अधिकारी ने क्षेत्रवासियों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को कहा कि जिन शिकायतों का जन जन की सरकार जन जन के द्वार कार्यक्रम में निस्तारित नहीं हो पाया है उन शिकायतों का तत्परता से निराकरण करना सुनाश्चित करे। शिविर में विधायक उमेश कुमार शर्मा,ग्राम प्रधान वाजिद अली,जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, खंड विकास अधिकारी सुमन कोटियाल सहित क्षेत्र के समस्त ग्राम प्रधानगण, पंचायत सदस्यगण, अधिकारी व कर्मचारीगण और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

आवश्यक सूचना

ऋण रिकवरी अपिलीय अधिकरण इलाहाबाद

डायरी सव-1343-वर्ष 2023

प्रतिवादी संख्या 02-मेसर्स दी लिकर शॉप रजिवऑफिस G-19 रेस कोर्स देहरादून, पेनकार्ड नव-AAGFT0268 प्रतिवादी संख्या 3-रामसागर जायसवाल पुत्र शिव प्रसाद निवासी नेहरू कॉलोनी देहरादून, हाल निवासी शक्तिनगर कनखल पोस्ट व शांतिपुरम कॉलोनी निकट फुटबाल ग्राउंड जगजीतपुर थाना कनखल जिला हरिद्वार प्रतिवादी संख्या 5-अनीता जायसवाल पुत्री राजकिशन पत्नी रामकुमार जायसवाल निवासी E-12 नेहरू कॉलोनी देहरादून, हाल निवासी G-19 रेस कोर्स देहरादून थाना नेहरू कॉलोनी देहरादून आपको सूचित किया जाता है की अपीलकर्ता कुलदीप सिंह द्वारा एक अपील कुलदीप सिंह बनाम पंजाब नेशनल बैंक गुरुकुल काँगड़ी हरिद्वार आदि, ऋण रिकवरी अपिलीय अधिकरण इलाहाबाद में की गई है जिसकी डायरी संख्या 1343 वर्ष 2023 व अध्यक्ष श्रीमान आर डी खरे है अत: आप प्रतिवादी संख्या 2, 3 व 5, 17/03/2026 को अपीलय अधिकरण के समक्ष स्वयं एवं अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होना सुनिश्चित करे

अध्यक्ष
श्रीमान आर डी खरे

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शुक्रवार, 6 फरवरी 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

पीएम की सुरक्षा

गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिडला ने सदन में पीएम की सुरक्षा को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि बुधवार को लोकसभा में पीएम मोदी के साथ लोकसभा में बड़ी घटना हो सकती है। इसलिए बुधवार की शाम पांच बजे होने वाली पीएम मोदी की स्पीच टालनी पड़ी। उनके अनुसार पीएम सदन में मौजूद थे, उन्होंने ही उन्हें न आने का आग्रह किया था। गुरुवार को पीएम मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोले जरूर, लेकिन हंगामा बढ़ता देख उनका भाषण पूरा नहीं हो सका। लोकसभा स्पीकर का यह भी कहना था कि बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष कार्यालय में जो हुआ वह सदन के इतिहास में कभी नहीं हुआ। ओम बिडला का यह भी कहना था कि जब सदन के नेता पीएम मोदी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जवाब देना था, तो विपक्षी सांसद पीएम की सीट के पास पहुंच गए थे, विपक्ष की कई महिला सदस्य पीएम की सीट तक पहुंची। यह बिल्कुल संसद की गरिमा के अनुकूल नहीं है। गुरुवार को पीएम मोदी के भाषण के समय लोकसभा स्पीकर ने पहली बार 65 सेकेंड में, दूसरी बार 5 मिनट में, तीसरी और चौथी बार 2-2 मिनट में कार्यवाही स्थगित कर दी। विपक्षी मांग कर रहे थे कि जब तक लोकसभा में राहुल गांधी को अपनी बात नहीं रखने दी जाती, तब तक विपक्ष पीएम मोदी को सदन में बोलने नहीं देगा। इस तरह बजट सत्र के सातवें दिन लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव हंगामे के बीच पास हो गया और 2004 के बाद पहली बार यह प्रस्ताव पीएम के भाषण के बिना पास हुआ। वहीं पीएम नरेंद्र मोदी सदन में यह कहने से नहीं चूके कि विपक्ष चाहे कुछ भी कहे, लेकिन उनकी विकास यात्रा को नहीं रोक सकता। उन्होंने विपक्ष विशेषकर कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हमारी काफी शक्ति उनकी गलतियों को ठीक करने में जा रही है। पीएम मोदी का कहना था कि देश का हर व्यक्ति महसूस कर रहा है कि अहम पड़ाव पर हम पहुंच चुके हैं। उन्होंने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि आज विकसित देश भारत के साथ ट्रेड समझौते कर रहा है। यह काम भारत अपनी शर्तों पर कर रहा है, लेकिन विपक्ष को यह सब रास नहीं आ रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि जब वह 2014 में आए थे तो भारत अर्थव्यवस्था में विश्व पर छठें नंबर पर था। आज तीसरे नंबर पर आने को आतुर है। अच्छा होता कि सदन में चर्चा के लिए वातावरण बनाया गया होता। अगर सरकार सच में इतनी आवश्वस्त है और उसके फैसले भारत के पूरी तरह हित में हैं, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है, तो यह तो और भी जरूरी हो जाता है कि सरकार इस सच को देश के सामने रखे। इससे सरकार को ही लाभ होगा और बिना वजह का संदेह भी समाप्त होगा, लेकिन हो इसके उलट रहा है। सरकार भी नहीं चाहती कि सदन के भीतर कोई स्वस्थ चर्चा हो।

सरकार और किसान एआई पर काम कर रहे

डिजिटल गवर्नेंस के कारण उत्तर प्रदेश में कृषि ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी तरह बदल गई है। पहले किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से ऋण पाने में 25 दिन से एक महीने तक का समय लगता था, लेकिन अब ई-केसीसी के जरिये किसान मात्र पांच मिनट में ऋण सुविधा प्राप्त कर रहे हैं, वर्ष 2026-27 के लिए प्रदेश का कृषि ऋण लक्ष्य 3 लाख करोड़ रुपये तय किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है, आज सरकार और किसान मिलकर खेती में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर काम कर रहे हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से केंद्रीय बजट में एआई एग्रीकल्चर प्लेटफॉर्म की घोषणा की गई है और उप्र इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। **-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उप्र**

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता

आर्थिक लाभ या जोखिम

रजनीश कपूर

केंद्रीय बजट के बाद जिस तरह से सोने-चांदी में भारी गिरावट दिखाई दी, उससे निवेशक अभी संभले ही नहीं थे कि हाल ही में घोषित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते ने वैश्विक व्यापार जगत को हिला दिया है। सोशल मीडिया पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई घोषणा के अनुसार, भारत से आयातित वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि भारत ने अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ को शून्य करने और रूसी तेल खरीद कम करने का वादा किया है। यह समझौता भारत की अर्थव्यवस्था के लिए मिश्रित परिणाम ला सकता है, जहां निर्यात को बढ़ावा मिलेगा लेकिन कृषि प्रधान देश भारत में, कृषि के क्षेत्र में चुनौतियां अवश्य सामने आएंगी।

माना जाता है कि यह समझौता जुलाई 2025 से चले टैरिफ युद्ध का परिणाम है, जब अमेरिका ने रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत दंडात्मक टैरिफ लगाया था। इस समझौते के बाद अब कुल प्रभावी टैरिफ 18 प्रतिशत रहेगा, जो वियतनाम (20 प्रतिशत) और चीन (34 प्रतिशत) से बेहतर है। समझौते के दावों के अनुसार भारत ने अमेरिकी ऊर्जा, रक्षा, कृषि उत्पादों पर 500 अरब डॉलर की खरीद का वचन दिया है, जिसमें पेट्रोलियम, डेयरी और नट्स शामिल हैं। हालांकि, पूर्ण विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है, केवल सोशल मीडिया पोस्ट और अधिकारियों के बयानों पर ही तमाम खब्बरें और विश्लेषण आ रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि यह समझौता भारत के निर्यात को बढ़ावा अवश्य दे सकता है। खासकर वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स और इंजीनियरिंग उत्पादों में। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, अमेरिकी बाजार में प्रवेश से भारत की जीडीपी में 0.6 प्रतिशत वृद्धि से 7.4 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। सीईए वी। अनंता नागेश्वरन के अनुसार यह समझौता निवेशकों का भरोसा बढ़ाएगा और रुपये को स्थिर भी कर सकेगा। हालांकि, अमेरिकी आयात बढ़ने से व्यापार अधिशेष कम हो सकता है और ऊर्जा आयात बिल बढ़ सकता है क्योंकि रूसी तेल सस्ता था। कुल मिलाकर, लघु अवधि में सकारात्मक लेकिन दीर्घकालिक असंतुलन का खतरा हो सकता है। फिलहाल सरकार ने इस समझौते को लेकर किसी भी तरह की औपचारिक प्रेस विज्ञप्ति जारी नहीं की, जिससे सवाल उठे रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की, जबकि पीएम मोदी ने केवल धन्यवाद दिया। विपक्ष का आरोप है कि संवेदनशील रियायतें, जैसे कि कृषि बाजार खोलना, छिपाई जा रही हैं ताकि किसान आंदोलन न भड़के। यह पारदर्शिता की कमी राष्ट्रीय हितों पर सवाल खड़े करती है, क्योंकि व्यापार संधियों में आमतौर पर पूर्ण खुला. सा किया जाता है। जानकारों के अनुसार, यह रणनीतिक गोपनीयता लगती है लेकिन वहीं ए लो. कतांत्रिक जवाबदेही को कमजोर करती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे 'सरेंडर 2.0' कहा और आरोप लगाया कि मोदी सरकार दबाव में झुकी और किसानों के हित बेचे। उन्होंने संसद में चर्चा रोकने का आरोप लगाया, जबकि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्ष पर हंगामा करने का इल्जाम लगाया। विपक्ष का मुख्य मुद्दा असमानता है। अमेरिका 18 प्रतिशत टैरिफ रखे, भारत शून्य दे। यह साफ तौर पर 'ट्रंप-निरभरता' है। राजनी. तिक रूप से देखा जाए तो यह मौजूदा बजट सत्र में सरकार को घेरने का हथियार है, लेकिन मूल चिंता कृषि और ऊर्जा सुरक्षा की है।

जानकार मानते हैं कि इस समझौते के कुछ संकेत स्पष्ट हैं। 2025 में 50 प्रतिशत टैरिफ से भारत के निर्यात में गिरावट आई। अगस्त में 6.86 अरब डॉलर से अक्टूबर में 6.30 अरब। ट्रंप की 'आर्थिक ब्लैकमेल' नीति ने रूसी तेल खरीद को निशाना बनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'भारी कीमत चुकाने को तैयार' कहा था। सेवानिवृत अफसरों ने सलाह दी कि बुरा समझौता न करें। यह दबाव रणनीतिक था, चीन के विकल्प के रूप में भारत को मजबूत करना तो ठीक था, लेकिन भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर सवाल भी उठने लगे। अगर शर्तें एकतरफा हों तो समझौता न करना ही बेहतर था। वहीं इस समझौते को लेकर अर्थशास्त्री विभाजित हैं। ब्लूमबर्ग के अनुसार, निर्यात 64 प्रतिशत बढ़ सकता है, लेकिन अगर समझौता विफल होता है तो जीडीपी पर 0.7 प्रतिशत नुकसान संभव है।

आशावादी अर्थशास्त्रियों का मानना है किजीडीपी 7.4 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। लेकिन वजाहत हबीब जैसे विशेषज्ञ असमानता पर सवाल उठाते हैं- 0 बनाम 18 प्रतिशत टैरिफ, किस दृष्टि से सही है? एक रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि डेयरी को 1.03 लाख करोड़ का नुकसान हो सकता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो विनिर्माण को फायदा लेकिन कृषि को खतरा संभव है इसलिए संतुलित सुधार जरूरी हैं। गौरतलब है कि भारत जैसे देश में कृषि क्षेत्र सबसे संवेदनशील है। समझौते के मुताबिक अमेरिका बादाम, सोयाबीन तेल, कपास और डेयरी निर्यात बढ़ाएगा। डेयरी में, वर्तमान 60 प्रतिशत टैरिफ कम होने से कीमतें 15 प्रतिशत गिर सकती हैं, जिससे किसानों को 1.03 लाख करोड़ का वार्षिक नुकसान हो सकता है। आयात 25 मिलियन टन बढ़ सकता है, 1-2 गाय वाले छोटे किसानों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। अमूल जैसे कोऑपरेटिव भी प्रभावित होंगे। पूर्व व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि इससे किसान का विरा. ेध भड़क सकता है। वहीं सकारात्मक पक्ष इस बात का दावा भी कर रहे हैं कि प्रोसेस्ड एग्री निर्यात बढ़ सकता है, लेकिन इस क्षेत्र में संरक्षण जरूरी है। यह आम नागरिकों की आजीविका को जोखिम में डालता सकता है, जहां 80 प्रतिशत कृषि छोटे किसानों पर निर्भर। भू-रणनीतिक की दृष्टि से यह समझौता जरूरी था, क्योंकि चीन के मुकाबले भारत को मजबूत करना, एक अच्छी रणनीति अवश्य है लेकिन यह आर्थिक रूप से असंतुलित है। एक ओर टेक्सटाइल और फार्मा आदि क्षेत्रों में निर्यात अवश्य बढ़ेगा, लेकिन 'बाय अमेरिकन' की नीति से घरेलू उद्योग अवश्य दब सकते हैं। कृषि में अमेरिकी सब्सिडी उत्पाद सस्ते आयात से ग्रामीण संकट बढ़ा सकते हैं। ऐसे में पारदर्शिता की कमी जनता के बीच विश्वास घटाती है। आत्मनिर्भर भारत के लिए यह अवसर अवश्य हो सकता है लेकिन ध्यान रहे कि देश की आर्थिक नीति की सुरक्षा के लिए सावधानी अवश्य बरतनी होगी, कोई भी देश सर्वोच्च नहीं है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कितना सेहतमंद है बोतलबंद पानी

स्पष्ट है कि शुद्ध और स्वच्छ जल के नाम पर बिकने वाला बोतलबंद पानी लोगों और पर्यावरण दोनों को नुकसान पहुंचा रहा है। साथ ही प्लास्टिक की बोतल के निर्माण के दौरान होने वाली अतिरिक्त जल की बर्बादी से भूजल स्तर में कमी हो रही है। पेयजल का कोई सुरक्षित विकल्प खोजना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

भारत में पानी की गुणवत्ता का हमारे स्वास्थ्य पर काफी प्रभाव पड़ता है। यदि पेय जल प्रदूषित हो तो यह जहर के समान हो जाता है। वर्तमान में पर्यावरण प्रदूषण इस हद तक बढ़ गया है कि ज्यादातर जल स्रोत प्रदूषित हो गए हैं। समूचा विश्व जल संकट का सामना कर रहा है। ऐसे में सभी लोगों को शुद्ध व स्वच्छ पेयजल मिल पाना अपने आप में एक चुनौती हो गई है।

कुछ सालों पहले से बोतलबंद पानी दुनिया भर के बाजारों में बिकना शुरू हुआ। जिसे कंपनियों ने यह कहकर बेचना शुरू किया था कि यह स्वच्छ, शुद्ध और खनिज युक्त है। जिसे वास्तविकता मान कर लोग इसे धड़ल्ले से खरीदने लगे हैं, पर क्या वास्तव में बोतलबंद पानी खनिज युक्त होता है और क्या यह हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है? पहले तो यह स्पष्ट करते चलें कि बाजार में बिकने वाला हर बोतलबंद पानी मिनरल वॉटर नहीं होता है। मिनरल वॉटर वह पानी होता है जो ऐसे प्राकृतिक स्रोतों से भरा जाता है जहां के पानी में कई लाभदायक खनिज तत्व पाए जाते हैं। यह स्वास्थ्यवर्धक लवणों, खनिजों से भरपूर और ऑक्सीजन युक्त होता है। जो स्वाद में अच्छा और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। बाजार में उपलब्ध अधिकतर बोतलबंद पानी पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर होता है। पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर नल से आने वाला सामान्य पानी होता है जिसे फिल्टर से छान कर, रिवर्स ऑस्मोसिस, ओजोन ट्रीटमेंट आदि से साफ करके पैक कर दिया जाता है। इसी प्रकार, लोगों में आरओ सिस्टम को लेकर भ्रांति है कि इससे नितांत शुद्ध व स्वच्छ जल मिलता है, किंतु वास्तव में आरओ सिस्टम से गुजरा हुआ पानी भी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। कारण, क्योंकि आरओ सिस्टम में लगे फिल्टर कुछ दिनों बाद ही पानी को साधारण तरीके से फिल्टर करने लगते है। बोतलबंद पानी को लेकर अमेरिका में हुई रिसर्च से पता चला है कि बोतलबंद पानी में प्लास्टिक के खतरनाक कण मिल रहे हैं। अमेरिकी संस्था नेचुरल रिसोर्सेज डिफेंस काउंसिल के अनुसार बोतल बनाने में एन्टिमनी का उपयोग किया जाता है। इस वजह से बोतलबंद पानी को अधिक समय तक रखने पर उसमें एन्टिमनी की मात्रा घुलती जाती है। इस रसायन युक्त पानी को पीने से कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं। स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क के वैज्ञानिकों ने दुनियाभर में बोतलबंद पानी पर शोध कर बताया है कि भारत सहित दुनियाभर में मिलने वाले बोतलबंद पानी में 93 फीसदी तक प्लास्टिक के महीन कण देखे गए हैं। इसके अतिरिक्त जिन प्लास्टिक की बोतलों में मिनरल या फिल्टर वॉटर बिकता है वे पॉलीएथिलीन टेरीथेलेट PET की बनी होती हैं।

नेपाल : मधेश के हाथ में होगी सत्ता की चाबी

यशोदा श्रीवास्तव

नेपाल का चुनाव कई मायनों में बड़ा दिलचस्प है। यूं कहें तो नई और पुरानी सभी पार्टियां बस भाग्य भरोसे चुनाव मैदान में हैं। एजेंडे की बात करें तो सभी के पास वहीं पुराना राग ही है। नेपाली कांग्रेस जो इस बार पूर्व महामंत्री गगन थापा के नेतृत्व में अपने पुराने दावे और वादों के साथ मैदान में हैं। पार्टी के नए सभापति गगन थापा ने तो पूर्व सभापति शेर बहादुर देउबा को टिकट से ही वंचित कर दिया। एमाले और माओवादी केंद्र के पास भी नेपाल के लिए कुछ नया नहीं है। इन तीन पुरानी पार्टियों के इतर इस बार पूरे नेपाल में चुनाव मैदान में उतरी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को लोग भरोसे की .ष्टि से जरूर देख रहे हैं। नेपाल के पहाड़ी लोगों को इस पार्टी से परिवर्तन की अनुभूति की आश है। लेकिन इसका भी कोई क्लीयर एजेंडा नहीं दिख रहा, हां इस पार्टी में जेन जी आंदोलन के नायक सुडान गुरूंग और काठमांडू के पूर्व मेयर वालेन शाह सहित ढेर सारे युवाओं के आ जाने से इस पार्टी को युवा मतदाताओं पर भरोसा ज्यादा है। नेपाल में सत्ता आती जाती रही है लेकिन समस्याएं जस की तस है। बेरा. ेजगारी,पलायन, मंहगाई, भ्रष्टाचार सब बेकाबू है। इस सबसे युवा ही ज्यादा प्रभावित और आक्रोशित हैं। जैसा कि दिख रहा है,यदि युवाओं का फैसला एक तरफा हुआ तो संभव है परिणाम चौंकाने वाला हो। लेकिन यह भी संभव है कि सत्ता की चाभी मधेश के हाथ में हो।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का जन्म पिछले चुनाव में धूमकेतु की तरह हुआ था। इसके अध्यक्ष रवि लामी छाने नेपाल के पत्रकार रहें हैं। इनका टीवी टाक शो नेपाल में काफी लोकप्रिय रहा है। पिछले चुनाव में पश्चिम नेपाल में इस पार्टी को अच्छी खासी सफलता मिली थी। एक दर्जन से अधिक सीटों पर राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार कामयाब हुए थे। ओली सरकार में रवि लामी छाने गृहमंत्री थे। बतौर गृह मंत्री उनकी पहचान एक सख्त मंत्री की थी। उन्हें अमरीकी नागरिक विवाद में पद और प्रतिनिधि सभा से त्यागपत्र देना पड़ा था। बाद में इस विवाद के सुलझ जाने पर वे प्रतिनिधि सभा में वापस आए और फिर गृहमंत्री बने। गृहमंत्री रहते हुए उन्होंने ब्यूरोक्रेट्स और राजनीतिक भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की भरपूर कोशिश की। कई बड़े अफसरों और राजनेताओं के भ्रष्टाचार की जांच का आदेश देकर वे सुर्खियों में रहे। हालांकि उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। प्रचंड और ओली के अलग होने के बाद जब नेपाली कांग्रेस और ओली की सरकार बनी तो इस सरकार में रवि लामी छाने शामिल नहीं हुए। इस बीच वे खुद धोखाधड़ी के बड़े लपेटे में आ गए। उन्हें जेल जाना पड़ा। अभी वे जमानत पर हैं। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी पूरी तरह रवि लामी छाने के नेतृत्व और जेन जी आंदोलन के नायकों के के भरोसे है।

काठमांडू के पूर्व मेयर वालेन शाह जब मेयर थे तब अपने कार्यालय में ग्रेटर नेपाल का नक्शा लगाए हुए थे, वे कभी कभी हिंदुत्व की भी बात करते हैं। ग्रेटर नेपाल के नक्शे में भारत के सीमावर्ती हिस्से को दर्शाया गया है। यदि उनके राजनीति का केंद्र बिंदु यही है तो समझा जा सकता है कि सत्ता में आने पर इस पार्टी का भारत से कैसा रिश्ता हो सकता है। यह चुनाव शोसल मीडिया प्लेटफॉर्म ष्हामी नेपालष के संचालक सुडान गुरूंग और वालेन शाह की अग्निपरीक्षा है। वालेन शाह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी से पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली के खिलाफ झापा क्षेत्र संख्या पांच से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं सुडान गुरूंग कुछ बड़ा करने के लिए गोरखा क्षेत्र संख्या एक से चुनाव लड़ रहे हैं। गोरखा क्षेत्र संख्या एक की बात करें तो यहां का चुनाव किसी के लिए भी आसान नहीं है। सुडान ओली के अपदस्थ होने के बाद अंतरिम सरकार के किंगमेकर की भूमिका में थे। पिछले कई चुनावी निराशाओं से थे के यहां के लोगों को इस बार सुडान से उम्मीद है। कुछ समय पहले तक सुडान की प्राथमिकता में राजनीति नहीं थी। जेन-जी आंदोलन ने अचानक उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिला दी। आंदोलन के दौरान स्वयंसेवक के रूप में जुड़े सुडान, आंदोलन खत्म होते-होते सत्ता समीकरण में 'किंगमे. कर' की भूमिका तक पहुंच गए। सुशीला कार्की के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार और मंत्रियों की नियुक्ति में उनकी प्रत्यक्ष भूमिका रही। जिस तेजी से वे राष्ट्रीय राजनीति में उभरे, उसी तेजी से आगे बढ़ पाएं तो नेपाल की राजनीति में यह एक परिवर्तन होगा जो नेपाल के मिजाज को रेखांकित करेगा।

झापा क्षेत्र संख्या पांच से वालेन शाह केपी शर्मा ओली के मुकाबले चुनाव लड़ रहे हैं। वे राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री पद का चेहरा हैं। पिछले दिनों नेपाल के एक बड़े गुटखा व्यवसाई द्वारा गिफ्ट की गई मंहगी डिफेंडर गाणी को लेकर वे सुर्खियों में थे।अब उनके खिलाफ चुनाव आयोग में औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज की गई है। वालेन शाह पर चुनावी आचार संहिता, प्रचलित कानूनों और लोकतांत्रिक मूल्यों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। नेपाल के चुनाव में इस बार मधेश मुद्दा गायब है। लेकिन यह भी सच है कि मधेश फतह किए बिना किसी भी पार्टी के लिए सत्ता की कुर्सी आसान नहीं है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी इसी के दृष्टिगत मधेश में अपेक्षाकृत अच्छे और योग्य उम्मीदवारों का चयन कर मैदान में उतारा है। अब वे कितना कामयाब हो पाएंगे, यह आकलन अभी मुश्किल है। नेपाल के मधेश क्षेत्र का 23 जिला भारत सीमा से सटा है। यहां की करीब 90 लाख की आबादी नेपाली भाषा के साथ हिंदी भाषी भी है। ए लोग खुद को भारत के करीब जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। पूर्व में यहां के संसदीय क्षेत्रों का सीमांकन पूरब पश्चिम को था। तब मधेश से मधेशी उम्मीदवार ही चुनाव जीतते थे, वे चाहे जिस दल के हों। लोकतांत्रिक संविधान लागू होने के बाद इसका सीमांकन उत्तर दक्षिण की ओर कर दिया गया। इसके पीछे का मकसद यही था कि नेपाल की राजनीति में मधेश का वर्चस्व कम किया जाए। इस सीमांकन के खिलाफ मधेश में आंदोलन भी खूब हुआ लेकिन कोई असर नहीं डाल सकता। नए सीमांकन का नतीजा यह हुआ कि मधेशी उम्मीदवारों को पहाड़ के वोटरों पर निर्भर रहना मजबूरी हो गया। इसी तरह पहाड़ी उम्मीदवार को मधेश के वोटरों पर निर्भर रहना पड़ेगा। ऐसा हो जाने से पहाड़ और मधेश का भेद जरूर समाप्त हो गया लेकिन मधेश के नेताओं और मधेश आधारित राजनीतिक दलों का अस्तित्व भी समाप्त हो गया।राजशाही खत्म होने के बाद ढेर सारे मधेशी दलों का उदय हो गया था। ये दलें मधेशी समस्याओं के समाधान के नाम पर चुनाव जीतते रहे और इसी आधार पर भारत से भी निकटता बनाए रहे। मधेशी दलों ने मध. ेश और यहां के नागरिकों के भलाई के लिए तो कुछ नहीं किया,हां सत्ता की मलाई काटने के लिए वैचारिक रूप से अपने विरोधी दलों की सरकारों में मंत्री और अन्य उच्च पद जरूर हासिल करते रहे। नेपाल के विकास में मधेश का भी उतना ही योगदान है जितना पहाड़ी समाज का लेकिन सरकारी तौर पर इनकी उपेक्षा हर क्षेत्र में होती रही। राजशाही के जमाने से आज की लोकतांत्रिक सरकार में भी। मधेश के लोगों को लो. कतंत्र और संविधान से काफी अपेक्षाएं थीं लेकिन इन्हें परिवर्तन की जरा भी अनुभूति नहीं हुई।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पश्चिम बंगाल। नादिया में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत सुनवाई के दौरान दस्तावेज की व्यवस्था करते लोग।

न्यूजीलैंड में अंतर्राष्ट्रीय अभियान में 4.2 टन की कोकीन जब्त

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड सरकार की एजेंसियों ने फ्रांस के अधिकारियों के साथ मिलकर फ्रेंच पोलिनेशिया में एक बड़े अंतर्राष्ट्रीय अभियान के तहत 4.24 टन कोकीन जब्त की है। न्यूजीलैंड सीमा शुल्क सेवा, न्यूजीलैंड रक्षा दल (एनजेडडीएफ) और सरकारी संचार सुरक्षा ब्यूरो (जीसीएसबी) ने अमेरिका की ड्रग एनफोर्समेंट एजेंसी (डीईए) की सहायता से फ्रांसिसी अधिकारियों के साथ समन्वय कर सोमवार को एक जहाज को रोका और उस पर मौजूद 4-24 टन कोकीन को जब्त किया।

अमेरिका के तीन जनवरी के हमले की जांच कर रहा वेनेजुएला

काराकास। वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैद्रीनो लोपेज ने कहा है कि प्रशासन अमेरिका के तीन जनवरी के सैन्य अभियान से जुड़े घटनाक्रम की जांच कर रहा है, जिसमें राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लिया गया था। लोपेज ने अपने बयान में यह स्पष्ट नहीं किया कि यह जांच किस तरह की या किस स्तर की है लेकिन उन्होंने यह इशारा किया कि इस जांच से देश को सेना की बदलाव योजना को समझने, उसका आंकलन करने और उसमें जरूरी सुधार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के सैन्य अभियान में बेहद उच्च गुणवत्ता की तकनीक का इस्तेमाल हुआ था। लोपेज ने यह बयान वेनेजुएला के राष्ट्रीय गरिमा दिवस पर दिया।

भारत किसी से भी तेल खरीदने के लिए आजाद: रूस

कहा: इसमें कुछ भी गलत नहीं, भारत ने तेल खरीद रोकने की आधिकारिक जानकारी नहीं दी

मास्को। रूस ने कहा कि भारत किसी भी देश से क्रूड आयल खरीदने के लिए पूरी तरह आजाद है। रूस के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस कभी भी भारत का एकमात्र एनर्जी पार्टनर नहीं रहा है। अगर भारत तेल की खरीद किसी और देश से करता है, तो इसे गलत नहीं माना जाना चाहिए।

पेस्कोव ने प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर रहा है, इस तरह की कोई भी आफिशियल जानकारी भारत की ओर से नहीं दी गई है। उन्होंने एक दिन पहले भी यही बात कही थी कि नई दिल्ली से ऐसा कोई मैसेज नहीं आया है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को कहा था कि भारत, अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील के तहत रूस से तेल खरीद रोकने को तैयार हो गया है। उन्होंने कहा था कि अमेरिका और भारत के बीच एक व्यापार समझौता हुआ है। इसके तहत भारतीय सामानों पर लगने वाला टैरिफ 50 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने दावा किया कि इसके बदले में भारत, रूस से तेल खरीदना बंद करेगा और व्यापार से

■ भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर रहा है, इस तरह की कोई भी आफिशियल जानकारी भारत की ओर से नहीं दी गई

जुड़ी टैरिफ की रुकावटें भी कम करेगा। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने बुधवार को रूस और भारत के बीच हाइड्रोकार्बन व्यापार जारी रखने की बात कही। उन्होंने कहा भारत की रूसी हाइड्रोकार्बन की खरीद दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है। यह वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखने में मदद करती है। हम अपने भारतीय साझेदारों के साथ निकट सहयोग जारी रखने के लिए तैयार हैं। इस बीच रूस के एनर्जी एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत के लिए रूसी तेल को पूरी तरह छोड़कर किसी और देश का तेल लेना आसान नहीं है। नेशनल एनर्जी सिक्योरिटी फंड के विशेषज्ञ इगोर युशकोव ने बताया कि अमेरिका जो तेल बेचता है, वह हल्का होता है, जबकि रूस, भारत को भारी और सल्फर वाला यूराल्स क्रूड सप्लाई करता है जिसका इस्तेमाल भारतीय रिफाइनरियां करती हैं।

उन्होंने कहा कि अगर भारत अमेरिका से हल्का तेल खरीदेगा, तो उसे दूसरे तेलों के साथ ब्लेंड (मिक्स) करना पड़ेगा, ताकि मशीनें ठीक से चल सकें। ऐसा करने पर भारतीय कंपनियों की लागत बढ़ जाएगी। यानी कि भारत को अमेरिकी तेल खरीदना ज्यादा महंगा पड़ेगा। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का उपभोक्ता है। भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। वहीं भारत सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश की ऊर्जा सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है और तेल खरीद से जुड़े सभी फैसले राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर किए जाते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सरकार के लिए 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना मेन टारगेट है।

संक्षिप्त समाचार

हथियार नहीं डालेंगे फिलिस्तीन के विरोधी गुट

गाजा। फलस्तीन के विरोधी गुटों ने इजरायल की मांग के बावजूद अपने हथियार अपने पास रखने का फैसला किया है। पीआईजे ने बुधवार को यह जानकारी देते कहा सभी विरोधी गुटों के बीच सहमति है कि वे फिलिस्तीनी लोगों के हथियार अपने पास ही रखेंगे। पीआईजे के उप-महासचिव मोहम्मद अल-हिन्दी ने एक बयान में कहा कि विरोधी गुटों के बीच आम सहमति है कि हम फिलिस्तीनी लोगों के हथियार अपने पास रखेंगे। हमने इन हथियारों के इस्तेमाल के संबंध में मध्यस्थों के साथ अपना लचीलापन साझा किया है।

नाइजर की सेना ने एक हफ्ते में मारे 47 आतंकवादी

नियामे। नाइजर के रक्षा और सुरक्षा बलों ने बुधवार को कहा कि उन्होंने 26 जनवरी से एक फरवरी के बीच पूरे देश में लक्षित हवाई हमलों और लगातार जमीनी अभियानों के जरिए 47 आतंकवादियों को ढेर किया और 21 अन्य को गिरफ्तार किया है। राष्ट्रीय टेलीविजन टेली साहेल पर प्रसारित एक साप्ताहिक सूचना बुलेटिन के अनुसार, इन अभियानों के दौरान बड़ी मात्रा में उपकरण भी बरामद किए गए, जिनमें हथियार, गोला-बारूद, वाहन और ईंधन शामिल हैं।

ताइवान की सीमा के नजदीक दिखे चीनी सैन्य जहाज और विमान

ताइपे। ताइवान के वायु क्षेत्र के पास गुरुवार को 12 चीनी विमान उघन भरते नजर आए जबकि क्षेत्रीय जलक्षेत्र के पास सात नौसैनिक जहाजों को देखा गया। ताइवान की रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि गुरुवार की सुबह छह बजे तक तक 12 उड़ानों को देखा गया, जिनमें से 11 ने मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश किया। मंत्रालय ने कहा कि हमने स्थिति की निगरानी की और इसका जवाब दिया है।

डोभाल की बैकडोर वार्ता के बाद अमेरिकी ट्रेड डील

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने स्पष्ट किया था भारत किसी भी तरह के दबाव में नहीं आएगा

नई दिल्ली/वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले साल सितम्बर की शुरुआत में चीन गए थे, जहां उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से दोस्ताना मुलाकात की थी। इसके कुछ ही दिनों बाद भारत ने अमेरिका के साथ बिगड़ते रिश्तों को संभालने की कोशिशें तेज कर दीं।

इसी सिलसिले में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल को वाशिंगटन भेजा गया। वहां उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से मुलाकात की। यह जानकारी अमेरिकी मीडिया ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से दी है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इस बातचीत में डोभाल ने साफ कहा कि भारत अमेरिका के साथ चल रही कड़वाहट को खत्म करना चाहता है और दोबारा ट्रेड डील पर बात. चीत शुरू करने के लिए तैयार है। हालांकि, डोभाल ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत किसी भी तरह के दबाव में नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति

■ भारतीय विदेश मंत्री ने कहा था- भारत झुकेगा नहीं, ट्रम्प के हटने का इंतजार करेंगे

डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी टीम सख्त रुख अपनाती है, तो भारत मौजूदा सरकार के कार्यकाल के खत्म होने का इंतजार भी कर सकता है। भारत इससे पहले भी अमेरिका की मुश्किल सरकारों का सामना कर चुका है। पीएम मोदी पिछले साल सितम्बर में चीन दौरे पर गए थे, वहां उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की थी। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, डोभाल ने यह भी कहा था कि भारत चाहता है कि ट्रम्प और उनके सहयोगी भारत के खिलाफ खुलेआम बयान देना बंद करें, ताकि रिश्ते दोबारा पटरी पर आ सकें। उस वक्त भारत ट्रम्प के बयानों से नाराज था, क्योंकि अगस्त में ट्रम्प ने भारतीय सामान पर 50 प्रतिशत टैक्स लगा दिया था। ट्रम्प ने भारत की अर्थव्यवस्था को 'डेड' (मरी हुई) कहा था और आरोप लगाया था कि भारत रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध में मदद कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, डोभाल की इस बातचीत के कुछ ही दिनों बाद हालात बदलते दिखने लगे। 16 सितम्बर को ट्रम्प ने पीएम मोदी को उनके जन्मदिन पर फोन किया और उनके काम की तारीफ की। इसके बाद साल के अंत तक दोनों नेताओं के बीच चार बार और फोन पर बातचीत हुई। इसी दौरान दोनों देश टैक्स कम करने वाले समझौते की तरफ बढ़ते रहे। ट्रम्प ने सोमवार यानी 2 फरवरी को अचानक सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने पीएम मोदी से फोन पर बातचीत की है और भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील हो गई है। इसके तहत भारतीय सामान पर अमेरिका का टैक्स घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स भी हटा लिया गया है। ट्रम्प ने कहा कि इसके बदले भारत अमेरिका से 500 अरब डालर का सामान खरीदेगा, वेनेजुएला से तेल लेगा और अमेरिकी सामान पर टैक्स पूरी तरह खत्म करेगा। हालांकि भारत सरकार ने इन बातों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और कोई लिखित समझौता भी सामने नहीं आया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इस ऐलान से नई दिल्ली में कई बड़े अधिकारी भी चौंक गए। यहां तक कि जो लोग ट्रेड बातचीत में शामिल थे, उन्हें भी उस दिन मोदी और ट्रम्प की काल के बारे में पहले से जानकारी नहीं थी। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत लगातार अमेरिका से रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहा था।

रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच 314 कैदियों की अदला-बदली पर बनी सहमति

अबू धाबी। रूस, यूक्रेन और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों ने 314 युद्धबंदियों की अदला-बदली करने पर सहमति व्यक्त की है। अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकोफ ने गुरुवार को यह महत्वपूर्ण घोषणा की। पिछले पांच महीनों में दोनों देशों के बीच यह अपनी तरह का पहला कैदी विनिमय समझौता है। अबू धाबी में इन दिनों चल रही शांति वार्ता का एक बड़ा परिणाम माना जा रहा है। विटकोफ ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया कि यह सफलता दो दिनों तक चली 'विस्तृत और उत्पादक' शांति वार्ता के बाद हासिल हुई है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हालांकि यह एक सकारात्मक कदम है, लेकिन पूर्ण शांति की दिशा में अभी भी 'महत्वपूर्ण कार्य' किया जाना शेष है। उन्होंने संकेत दिया कि आगामी हफ्तों में और अधिक प्रगति की उम्मीद है और चर्चा जारी रहेगी। गौरतलब है कि अबू धाबी में अमेरिका की मध्यस्थता में चल रही इस वार्ता का दूसरा दौर बुधवार को शुरू हुआ था। इससे पहले 24 जनवरी को आयोजित पहले दौर की बैठक बिना किसी ठोस समझौते या संयुक्त बयान के समाप्त हो गई थी।

अमेरिका राजी, मस्कट में शुक्रवार को होगी ईरान से बैठक

काहिरा। ईरान और अमेरिका के बीच लंबे समय से जारी तनाव के बीच दोनों देश शुक्रवार को ओमान की राजधानी मस्कट में वार्ता करने पर सहमत हो गए हैं। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। पिछले कुछ दिनों से वार्ता के स्थान और एजेंडे को लेकर दोनों पक्षों में सार्वजनिक मतभेद सामने आ रहे थे, जिससे आपसी गहरे मतभेद उजागर हुए थे। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि वार्ता शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे मस्कट में होगी।

उन्होंने आवश्यक व्यवस्थाएं करने के लिए ओमान का आभार भी जताया। इसके तुरंत बाद कई पश्चिमी मीडिया संस्थानों ने बताया कि कम से कम नौ पश्चिम एशियाई देशों के हस्तक्षेप और आग्रह के बाद अमेरिका ने ओमान में वार्ता के लिए सहमति दे दी है। इस घोषणा से पहले अमेरिकी मीडिया में खबर आई थी कि स्थान और प्रारूप को लेकर मतभेदों के कारण वार्ता रद्द भी हो सकती है। इससे पहले दोनों पक्षों के बीच शुक्रवार को तुर्की के इस्तांबुल में बैठक करने पर सहमति बनी थी, जिसमें कुछ पश्चिम एशियाई देशों को पर्यवेक्षक के रूप में शामिल होना

■ इस घोषणा से पहले अमेरिकी मीडिया में खबर आई थी कि स्थान और प्रारूप को लेकर मतभेदों के कारण वार्ता रद्द भी हो सकती है

था। ईरान ने मंगलवार को कथित तौर पर प्रस्ताव दिया था कि वार्ता को ओमान स्थानांतरित किया जाए और इसे केवल परमाणु मुद्दों पर केंद्रित द्विपक्षीय प्रारूप में आयोजित किया जाए। इससे पहले बुधवार को अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सिओस ने दो अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका ने ईरान की इस शर्त को खारिज कर दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि हमने उनसे कहा कि या तो मूल व्यवस्था पर बात होगी या फिर कुछ नहीं, और उन्होंने कहा कि फिर कुछ नहीं। अधिकारी ने यह भी कहा कि यदि ईरान मूल व्यवस्था पर लौटता है तो अमेरिका आने वाले दिनों में वार्ता के लिए तैयार है, लेकिन चेतावनी दी कि यदि किसी समझौते तक नहीं पहुंचा गया तो अमेरिका अन्य विकल्पों पर विचार कर सकता है, जिनमें सैन्य कार्रवाई भी शामिल है। इस नाजुक कूटनीतिक प्रयास की पृष्ठभूमि में क्षेत्र में सैन्य तनाव भी तेजी से बढ़ा है।

अमेरिका अखबार में छंटनी: शशि थरूर के बेटे की नौकरी गई

वाशिंगटन। अमेरिका के मशहूर अखबार वाशिंगटन पोस्ट ने बुधवार को 800 पत्रकारों में से 300 कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। इसमें सीनियर कालमिस्ट ईशान थरूर भी शामिल हैं।

वे कांग्रेस सांसद शशि थरूर के बेटे हैं। ईशान ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि वाशिंगटन पोस्ट ने इंटरनेशनल टीम के कई शानदार पत्रकारों के साथ उन्हें भी नौकरी से निकाल दिया है। यह न्यूज रूम के लिए बेहद दुखद दिन है। एग्जीक्यूटिव एडिटर मैट मरे ने बताया कि जेफ बेजोस की कंपनी पिछले कई सालों से घाटे में चल रही थी। इस छंटनी में स्पोर्ट्स सेक्शन पूरी तरह बंद कर दिया गया है, हालांकि कुछ रिपोर्टर फीचर्स डिपार्टमेंट में

■ वाशिंगटन पोस्ट ने 300 स्टाफ को निकाला, स्पोर्ट्स सेक्शन बंद, भारत में पूरी टीम खत्म

शिफ्ट होकर स्पोर्ट्स की कल्चर कवरेज जारी रखेंगे। लोकल न्यूज सेक्शन छोटा हो जाएगा, बुक्स सेक्शन बंद हो जाएगा और डेली न्यूज पाडकास्ट 'पोस्ट रिपोर्ट्स' भी खत्म हो जाएगा। वाशिंगटन पोस्ट ने मिडिल ईस्ट, इंडिया और आस्ट्रेलिया से भी रिपोर्टर और एडिटर निकाल दिए हैं। ईशान थरूर ने एक पोस्ट में खाली पड़े न्यूज रूम की तस्वीर साझा करते हुए छंटनी को बुरा दिन बताया। एग्जीक्यूटिव एडिटर मैट मरे ने कर्मचारियों से कहा कि अखबार पाठकों की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रही है।

बलूचिस्तान में पाक सेना का ऑपरेशन खत्म

216 लड़ाके ढेर करने का दावा, 50 से ज्यादा नागरिक-सैनिक हताहत

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना ने गुरुवार को जानकारी दी कि अशांत बलूचिस्तान प्रांत में विद्रोहियों के खिलाफ चलाए गए अभियान में 216 विद्रोही मारे गए हैं। हालांकि, कई दिनों तक चले इस खूनी संघर्ष में 36 आम नागरिकों और सेना के 22 जवानों को भी अपनी जान गंवानी पड़ी।

सेना की मीडिया विंग, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने एक बयान दावा किया कि 26 जनवरी को शुरू किया गया 'रद-उल-फितना-1' नाम का यह आपरेशन अब सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। सेना ने बताया कि पंजगुर और हरनाई जिले के बाहरी इलाकों में विद्रोहियों के छिपे होने की पक्की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने

■ इसके बाद सुरक्षा बलों ने वहां कार्रवाई शुरू की

वहां कार्रवाई शुरू की। सेना ने विद्रोहियों के ठिकानों पर हमला बोला, जिसमें शुरुआत में 41 विद्रोही मारे गए। बाद में सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई और सफाई अभियान के दौरान कुल 216 विद्रोहियों को मार गिराया गया। सेना का दावा है कि इस कार्रवाई से विद्रोही नेटवर्क के नेतृत्व, उनके कमांड स्ट्रक्चर और काम करने की क्षमता को भारी नुकसान पहुंचा है। इस बीच, पाकिस्तान रेलवे के प्रवक्ता मुहम्मद काशिफ ने बताया कि पांच दिनों तक बंद रहने के बाद बलूचिस्तान में रेल सेवा फिर से बहाल कर दी गई है। हमलों के दौरान कई जगहों पर रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचा था, जिससे सुरक्षा कारणों से क्वेटा से ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई थी। अब मरम्मत के बाद यातायात सामान्य हो रहा है। उधर, पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने मंगलवार को एक प्रस्ताव पास किया। इसमें सरकार से मांग की गई कि वह विद्रोही और उसे मदद देने वालों के खिलाफ एक सख्त और आक्रामक राष्ट्रीय रणनीति अपनाए। गौरतलब है कि ईरान और अफगानिस्तान सीमा से सटा बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसा का केंद्र रहा है। यहां बलूच विद्रोही अक्सर 60 अरब डालर वाले चीन-पाकिस्तान इकोनामिक कारिडोर (सी-पैक) प्रोजेक्ट्स को निशाना बनाते हैं।

पाक के डिप्टी स्पीकर रहे कासिम सूरी यूएस में चला रहे टैक्सी

वाशिंगटन। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के पूर्व डिप्टी स्पीकर और पीटीआई के वरिष्ठ नेता कासिम खान सूरी का एक वीडियो सामने आया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। कभी पाकिस्तानी संसद के सत्र की अध्यक्षता करने वाले सूरी ने खुलासा किया है कि वे अपना पेट भरने के लिए इन दिनों अमेरिका में उबर टैक्सी चला रहे हैं। हाल ही में पीटीआई की अमेरिकी शाखा के साझा किए गए एक वीडियो में सूरी ने अपनी आपबीती सुनाई। उन्होंने बताया कि उन्हें भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा है। सूरी का आरोप है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का समर्थन करने की वजह से उन्हें राजनीतिक उत्पीड़न झेलना पड़ा।

अमेरिकी कोर्ट का फैसला ओरेगन में बिना वारंट अप्रवासी को गिरफ्तार नहीं कर सकेंगे आईसीई ऐजेंट

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के ओरेगन राज्य के पोर्टलैंड में एक फेडरल जज ने बुधवार को अहम फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि ओरेगन में अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंटों को बिना वारंट के अप्रवासी लोगों को गिरफ्तार करना बंद करना होगा, जब तक कि उनके भागने की संभावना न हो। अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज मुस्तफा कसुभाई ने इस मामले में शुरुआती रोक लगा दी है। यह फैसला एक प्रस्तावित क्लास-एक्शन मुकदमे के बाद आया है। यह मुकदमा होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के उस तरीके के खिलाफ था, जिसमें वे अप्रवासी को देखते ही पकड़ लेते थे। आलोचकों ने इसे 'पहले गिरफ्तार करो, बाद में सही ठहराओ' वाली नीति बताया है।

अमेरिका रूस के परमाणु हथियारों पर कोई सीमा नहीं

ये वे दो देश हैं, जिनके पास परमाणु हथियारों के वैश्विक भंडार का बहुतायत: एंटोनियों गुटेरेस

नई दिल्ली। पांच फरवरी की आधी रात न्यू स्टार्ट संधि की समाप्ति अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर क्षण है जो शीत युद्ध के बाद पहली बार अमेरिका और रूस के बीच एक अनियंत्रित परमाणु हथियारों की शृंखला या होड़ की संभावना को जन्म देती है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि आधी सदी से भी अधिक समय में पहली बार, हम एक ऐसी दुनिया का सामना कर रहे हैं, जहां रूसी संघ और अमेरिका के सामरिक परमाणु शस्त्रागार पर कोई भी बाध्यकारी सीमा लागू नहीं है। ये वे दो देश हैं, जिनके पास परमाणु हथियारों के वैश्विक भंडार का बहुतायत है। पांच दशकों से ज्यादा समय में पहली बार, दुनिया की दो परमाणु महाशक्ति के पास मौजूद लंबी दूरी के परमाणु हथियारों पर कोई आधिकारिक सीमा नहीं है। यह स्थिति 1972 के बाद से

■ इसने स्थिरता कायम की और जब इसे अन्य उपायों के साथ जोड़ा गया तो इसने विनाशकारी गलतफहमी को रोका

नहीं देखी गई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन और सोवियत नेता लियोनिद ब्रेझनेव ने मॉस्को में ऐतिहासिक हथियार नियंत्रण समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। शस्त्र नियंत्रण के दशकों के प्रयासों पर विचार करते हुए गुटेरेस ने कहा कि शीत युद्ध के दौरान और उसके बाद के समय में इन सरकारों के बीच परमाणु शस्त्र नियंत्रण ने तबाही रोकने में मदद की। इसने स्थिरता कायम की और जब इसे अन्य उपायों के साथ जोड़ा गया तो इसने विनाशकारी गलतफहमी को रोका। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने राष्ट्रीय शस्त्रागारों से हजारों परमाणु हथियारों की कटौती को सुगम बनाया। महासचिव ने अमेरिका-रूस से राजनयिक बातचीत करने की अपील की, ताकि बिना रोक-टोक के दुनिया में परमाणु विस्तार की वापसी रोकी जा सके। अनिश्चितता के इस समय में भी हमें उम्मीद ढूंढ़नी चाहिए। यह तेजी से बदलते माहौल के लिए एक शस्त्र नियंत्रण प्रणाली को पुर्नस्थापित करने और बनाने का मौका है। रूस ने कुछ समय के लिए मौजूदा स्थिति बनाए रखने की इच्छा जताई। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन संधि खत्म होने के बाद एक और साल तक 'न्यू स्टार्ट' की सीमाओं का पालन करने को तैयार हैं, बशर्ते अमेरिका भी ऐसा करे। रूस के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने 29 जनवरी को कहा कि अमेरिका ने अभी तक इस प्रस्ताव पर कोई जवाब नहीं दिया है। गुटेरेस ने आखिर में कहा कि दुनिया अब रूसी गणराज्य और अमेरिका से उम्मीद कर रही है कि वे अपनी बातों को कार्रवाई में बदलें। गुटेरेस ने आगे कहा कि मैं दोनों देशों से आग्रह करता हूं कि वे बिना किसी देरी के बातचीत की मेज पर लौटें और एक ऐसे ढांचे पर सहमत हों जो सत्यापन योग्य सीमाओं को बहाल करे, जोखिमों को कम करे और हमारी साझा सुरक्षा को मजबूत करे। चीन ने अमेरिका से बातचीत की अपील की है।